Irish

आकृति

हिंदी पाठमाला

Help-Kit 1-5

Irish BOOKS

BOOK-1

वर्णमाला

स्वयं करके सीखो-

दो वर्णों के शब्द-

हल	कल
पढ	रख
खत	नल
पर	घर

तीन वर्णों के शब्द-

शहद	कलश
नहर	भगत
भरत	लटक
अमन	अमर

चार वर्णों के शब्द-

थरमस	पनघट
बरतन	शरबत
करतब	दहशत
दमकल	पतझड़

पुनरावृत्ति

अ आ

1. **अक्षरों को मिलाओं और लिखो-**

असर	अमन
अमर	अगर
अलग	अजब

2. स्वयं कीजिए।

इ ई

1. **'इ' की मात्रा वाले शब्द** **'ई' की मात्रा वाले शब्द**

दिन	बकरी
छिलका	कीमत
विमान	कील
टिकट	मामी
मिठाई	मछली

2. स्वयं कीजिए।

ए ऐ

1. स्वयं कीजिए

2. **ए**=े **ऐ**=ै

बेल	बैल
बेर	सैर
देर	बैर
ढेर	खैर
रेल	ऐनक

ओ औ

1. स्वयं कीजिए।

2.

	ओ	औ
फौजी		(✓)
रसोई	(✓)	
खिलौने		(✓)
गोभी	(✓)	
ढोलक	(✓)	
दौलत		(✓)
बोतल	(✓)	

अं अँ

1. स्वयं कीजिए।
2. अंदर, तिरंगा, चंचल, बूँद, कँवर, चाँदनी, संसार, पलंग, अंगूर, बाँस, ऊँगूठा, झाड़ियाँ
3. मंजन, मंडप, मंगल, मंडल, मंदिर

पाठ-1 झूला

1. स्वयं कीजिए।
2. (क) iii; (ख) i; (ग) ii
3.

झूला	फूला
चढ़कर	बढ़कर
डाली	ताली
धरती	करती
चल	फल

4. (क) झूला लगाने के लिए बच्चा कह रहा है।
   (ख) हाँ, बालक आसमान छू सकता है।
   (ग) झूला झूलते हुए बालक को सब कुछ झूलता हुआ लगता है।
   (घ) बालक दल-बादल लूटना चाहता है।
5. (क) सभी बच्चे झूला झूलने के लिए दौड़ पड़े।
   (ख) राजा घोड़े पर सवार था।
   (ग) आसमान में बादल छाए हुए थे।
   (घ) केले का पत्ता बहुत बड़ा होता है।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 चिड़िया और राजा

1. (क) चिड़िया को एक मोती मिला।
   (ख) हाँ, राजा ने चिड़िया को मोती लौटा दिया था।
   (ग) नहीं, राजा के आदमी चिड़िया को नहीं पकड सके।
2. (क) i; (ख) ii; (ग) iii
3. (क) महल; (ख) मोती; (ग) शरमाया; (घ) फुर्र; (ङ) मलता
4. (क) सही; (ख) गलत; (ग) गलत; (घ) सही
5. (क) चिड़िया ने उसे अपनी नाक में पहन लिया।
   (ख) "मैं राजा से बड़ी, मेरी नाक में मोती।"
   (ग) "राजा भिखारी, मेरा मोती छीन लिया।"
   (घ) उसने चिल्लाकर कहा, "पकड़ लाओ इसे बदमाश चिड़िया को।"
   (ङ) उसके आदमी चिड़िया को पकड़ने के लिए दौड़े मगर चिड़िया फुर्र से उड़ गई। राजा हाथ मलता रह गया।
6. (क) नथ; (ख) बस; (ग) धन; (घ) सच; (ङ) नल; (च) बक

पाठ्येतर गतिविधि

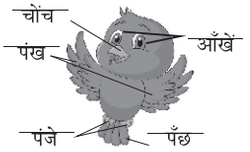

पाठ–3 सात पूँछ का चूहा

1. (क) चूहे की सात पूँछें थीं।
   (ख) चूहे की एक पूँछ होती है।
   (ग) नहीं।
   (घ) अंत में चूहे की एक भी पूँछ नहीं बचीं थी।
2. (क) i; (ख) ii; (ग) iii
3. (क) सात; (ख) पूँछ; (ग) तंग; (घ) काट
4. (क) गलत; (ख) गलत; (ग) गलत; (घ) सही
5. (क) चूहे की सात पूँछें थीं। सब उसे चिढ़ाते—सात पूँछ का चूहा, सात पूँछ का चूहा।
   (ख) तंग आकर चूहे ने सारी पूँछें कटवा दीं।
   (ग) तंग आकर चूहे ने सातों पूँछें कटवा दीं।
   (घ) नहीं, सबने चूहे को चिढ़ाना बंद नहीं किया।
   (ङ) अंत में चूहे के पास एक भी पूँछ नहीं बचीं थी।
6. (क) चूहे के पास सात पूँछें थीं।
   जानू और मानू साथ–साथ स्कूल जाते हैं।
   (ख) गाय अपनी पूँछ हिला रही थी।
   यश ने पूछा कि गाय का क्या नाम है।
   (ग) माँ ने रस्सी काट दी।
   मेरे पैर में काँटा चूभ गया था।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ–4 किसान और भालू

1. (क) किसान आलू बोने के लिए जंगल में गया।
   (ख) किसान को जंगल में एक भालू मिला।
   (ग) किसान आलू लादकर बेचने के लिए ले गया।
   (घ) किसान ने भालू को आलू के सारे पत्ते दे दिए और आलू नहीं दिए। इसलिए आलू की जड़ खाकर उसे गुस्सा आ गया।
2. (क) i; (ख) i
3. (क) जंगल; (ख) किसान; (ग) गेहूँ; (घ) फसल
4. (क) किसान ने भालू से; (ख) भालू ने किसान से; (ग) भालू ने किसान से
5. (क) गलत; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) गलत
6. (क) किसान आलू बोने के लिए जंगल गया।
   (ख) मैं तेरी हड्डी–पसली तोड़ डालूँगा।
   (ग) किसान ने भालू को सारे पत्ते दे दिए और आलुओं को घोड़ा–गाड़ी में लादकर बेचने चल दिया।
   (घ) उसने कहा, ''मैं उसकी जड़ें ले लूँगा और तुम्हें उसके पत्ते दे दूँगा।''
   (ङ) किसान ने भालू को जड़ें दे दीं और गेहूँ को घोड़ा–गाड़ी में लादकर घर ले गया। भालू जड़ों को चबाता रहा, मगर चबा न पाया।
7. (क) बुरा; (ख) पहले; (ग) छोटे; (घ) सवाल; (ङ) हाँ; (च) दोस्त
8. (क) जंगल मे मोर नाच रहा था।
   (ख) पतझड़ का मौसम आ गया।
   (ग) गाँव में हमने घोड़ा–गाड़ी देखी।
   (घ) गोल–गप्पे का पानी चखकर बड़ा मजा आ गया।
   (ङ) हमें किसी से दुश्मनी नहीं रखनी चाहिए।

पाठ्येतर गतिविधि

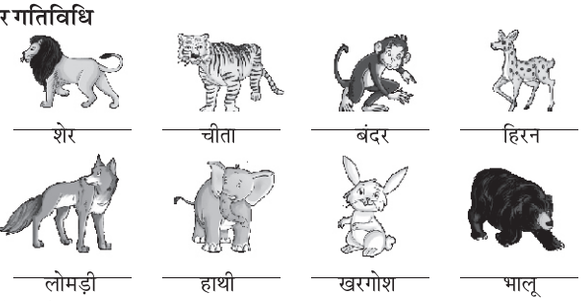

पाठ–5 कितनी ठंडक!

1. (क) कविता में ठंड के मौसम का वर्णन किया गया है।
   (ख) स्वयं कीजिए।
   (ग) स्वयं कीजिए।
   (घ) नहीं, सर्दी में कपड़े आसानी से नहीं सूखते हैं।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) ii
3. (क) गीले; (ख) घर; (ग) कुहरा; (घ) तेवर; (ङ) काटती
4. (क) दादी; (ख) तपती; (ग) चाचा; (घ) विन; (ङ) वर; (च) सीले
5. (क) बालक गद्दे पर सो रहा है।
   (ख) नानी ने ठंड से बचने के लिए छप्पर के सब टुकड़े जला दिए।
   (ग) सरयू काका दिनभर सोचते हैं कि क्या सूरज छुट्टी पर गया है।
   (घ) बाहर सभी जगह कोहरे और कुहासे के कारण गीले कपड़े घर में ही पड़ें हैं।
   (ङ) सभी लोग ठंड से परेशान हैं।
6. (क) नभ आकाश
   (ख) सूर्य रवि
   (ग) गृह आलय
7. (क) आज का दिन बहुत अच्छा है।
   (ख) यह आदमी बहुत दीन और दुखी था।

पाठ्येतर गतिविधि

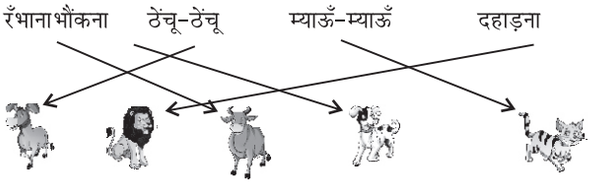

पाठ–6 अक्ल का तूंबा

1. (क) ईरान के बादशाह ने अकबर को संदेश भिजवाया।
   (ख) अक्ल भेजने का काम बीरबल को सौंपा गया।
   (ग) बीरबल ने बिलकुल सँकरे मुँह वाले घड़े बनवाए।
2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii
3. (क) एक संदेश; (ख) बीरबल; (ग) सँकरा; (घ) बेवकूफी
4. (क) ईरान के बादशाह ने एक संदेश भिजवाया—सुना है आपके पास नवरत्न हैं। अगर थोड़ी–सी अक्ल भेज दें तो बड़ी कृपा होगी।
   (ख) बीरबल को अक्ल भेजने का काम सौंपा गया था।
   (ग) घड़ों की सँकरा मुँह विशेषता थी।
   (घ) उसने बढ़िया किस्म का तूंबे का बीज मँगाकर उगाया। जब उसमें फल लग गए तो एक–एक फल उनमें डाल दिया। जब वे फल बढ़कर पूरा तूंबा बन गए तो बीरबल ने उन्हें काट लिया और घड़ों का मुँह बंद करके उन्हें ईरान के बादशाह के पास संदेश भिजवाया कि इन घड़नों से अक्ल निकाल लें और घड़े वापस भेज दें।
   (ङ) वह अपनी बेवकूफी पर बहुत हँसा।
5. (क) पृथक; (ख) वृक्ष; (ग) तृण; (घ) अमृत
6. (क) ईरान; (ख) संदेश; (ग) कृपा; (घ) बादशाह

7.

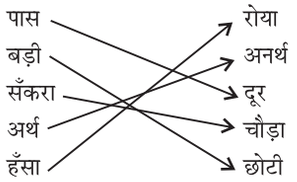

पास	रोया
बड़ी	अनर्थ
सँकरा	दूर
अर्थ	चौड़ा
हँसा	छोटी

8. (क) घड़ा; (ख) बढ़िया; (ग) बीज
9. (क) अकबर एक मुगल बादशाह था।
(ख) भगवान की कृपा से चंदन की जान बच गई।
(ग) रवि बेवकूफी वाले प्रश्न करता है।

पाठ्येतर गतिविधि

3 बीज बोया	1 घड़ा लिया
2 मिट्‌टी डाली	4 खाद डाली
5 पानी दिया	

पाठ-7 चिंटू और चीने

1. (क) चिंटू और चीनी एकसाथ स्कूल आते-जाते थे।
(ख) बिस्कुट हो या नमकीन, पेस्ट्री हो या चॉकलेट, वह कुछ नहीं छोड़ता था। अक्सर माँ उसे इस बात के लिए डाँटती भी थीं।
(ग) चिंटू की तबीयत खराब हो गई थी।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii; (घ) iii
3. (क) चिंटू और चीनी के स्वभाव बिलकुल भिन्न थे।
(ख) एक दिन गुस्से में आकर माँ ने उस अलमारी का ही ताला लगा दिया जिसमें बिस्कुट आदि चीज़ें रखी हुई थीं।
(ग) जब चीनी की तबीयत कुछ ज्यादा बिगड़ने लगी तो उसने माँ को ऑफिस फोन किया।
(घ) उस पर माँ की बातों का कोई असर नहीं होता था। एक दिन गुस्से में आकर माँ ने उस अलमारी का ही ताला लगा दिया जिसमें बिस्कुट आदि चीज़ें रखी हुई थीं।
(ङ) नहीं, चीनी सचमुच बीमार नहीं थी।
4. (क) चॉकलेट से दाँत खराब हो जाते हैं।
(ख) चीनी की तबीयत खाराव हो गई थी।
(ग) चिंटू ने माँ को ऑफिस फोन किया।
5.

चॉकलेट	स्कूल	पेस्ट्री
बिस्कुट	ग्लकोज	ऑफिस

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 बंदर और गिलहरी

1. (क) पेड़ पर बंदर बैठा था।
(ख) ज़मीन पर गिलहरी खेल रही थी।
(ग) गिलहरी ने पूँछ को झूला समझा।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) ii
3. (क) बंदर; (ख) पूँछ; (ग) गुदगुदी; (घ) मजा
4. (क) गलत; (ख) सही; (ग) गलत; (घ) सही
5. (क) बंदर की पूँछ बहुत लंबी थी।
(ख) वह पूँछ पर चढ़कर झूलने लगी।
(ग) बहन गिलहरी! यह क्या कर रही हो? मुझे गुदगुदी हो रही है।
(घ) गिलहरी चौंकी—''बंदर भैया, यह तुम हो? मैं तो तुम्हारी पूँछ को झूला समझकर झूल रही थी। बड़ा मज़ा आ रहा था।''
6. (क) चुहियाँ; (ख) पूँछें; (ग) गिलहरियाँ; (घ) झूले
7. (क) उठना; (ख) थोड़ा; (ग) छोटा; (घ) ज्यादा
8. (क) बंदर पेड़ पर रहते है।
(ख) गिलहरी खेल रही थी।
(ग) बंदर को गुदगुदी हुई।
(घ) गिलहरी बंदर को देखकर चौंकी।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-9 बिल्ली चली दिल्ली

1. (क) स्वयं कीजिए।
(ख) स्वयं कीजिए।
(ग) स्वयं कीजिए।
2. (क) iii; (ख) ii; (ग) ii
3.

बिल्लियाँ	काली बिल्ली
चौराहा	जाग उठा
हलवाई	दिल्ली चलीं
रोयी	चार रास्ते
लँगड़ी	भूरी बिल्ली

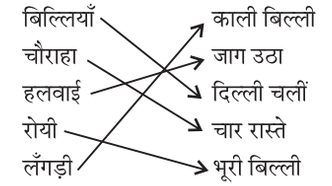

4. जा **पहुँची** वे बड़े **बाजार**।
बड़े **बाजार** में था **हलवाई**
सजी **हुई थी** बहुत **मिठाई**।
बिल्लियों ने जो लूट मचाई
जाग उठा, **सोया हलवाई**।
5. (क) कविता में दो बिल्लियाँ हैं। उनमें से एक बिल्ली काली और दूसरी भूरी हैं।
(ख) बिल्लियाँ दिल्ली जा रही थीं।
(ग) सड़क का वह स्थान जहाँ पर चार सड़क एक साथ जुड़ती हैं।
(घ) हलवाई ने डंडा मारा काली को लँगड़ा कर डाला।
(ङ) हलवाई ने डंडा मारा काली को लँगड़ा कर डाला। यह देखकर भूरी बिल्ली रो पड़ी।
6. (क) हमारे घर में काली बिल्ली घुस आई है।
(ख) यह दिल्ली का सबसे बड़ा चौराहा है।
(ग) मैं आज बाजार जाऊँगी।
(घ) वह हलवाई बहुत मोटा है।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-10 दादी जी की सीख

1. (क) स्वयं कीजिए।
(ख) स्वयं कीजिए।
(ग) स्वयं कीजिए।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) i
3. (क) बुरी; (ख) परेशान; (ग) हफ्ते; (घ) दादा; (ङ) झाड़ी
4.

रोहन	गाँव में रहते हैं।
दादा जी	मम्मी और पापा।
परेशान	शरारतों की।
शिकायत	शहर में रहता है।

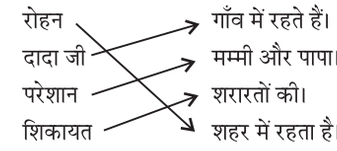

5. (क) किसी शहर में एक लड़का रहता था। उसका नाम रोहन था।
(ख) लागों को परेशान करना, रास्ते चलते हुए कुत्तों को पत्थर, मारना, न जाने कितनी बुरी आदतें उसमें थीं। उसके मम्मी-पापा उससे बहुत परेशान रहते थे।
(ग) रोहन के मम्मी-पापा ने उसे उसके दादा जी के पास गाँव भेज दिया।
(घ) वहाँ जाते ही रोहन ने फिर अपनी शैतानियाँ शुरू कर दीं।
(ङ) दादा जी की इस शिक्षा से रोहन का जीवन बिलकुल बदल गया। अब वह एक अच्छे बच्चे की तरह रहने लगा। उसके इस बदले व्यवहार से सभी उससे बहुत खुश थे।

6. (क) डाकू के भय से सब लोग परेशान थें।
(ख) हमें प्रतिदिन समय पर स्कूल जाना चाहिए।
(ग) आज मैं गाँव में घूमने जा रही हूँ।
(घ) हमें शैतानी नहीं करनी चाहिए।
7. (क) गाँव; (ख) अमीर; (ग) अच्छा; (घ) छोटा; (ङ) आसान; (च) बहुत

पाठ्येतर गविविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 ज़ोर

1. (क) स्वयं कीजिए।
(ख) स्वयं कीजिए।
2. (क) i; (ख) ii; (ग) ii
3. **सुंदर** पंखों वाला है
सिर पे **मुकुट** निराला है
चमकीली, **लंबी** गर्दन
बेहद **भोला-भाला** है
दिया खयालों को **धक्का** तो
मन में नाचा **मोर**।
4. (क) जब जी से जोर लगता है तब चमत्कार हो जाता है।
(ख) दूरी और सखियाँ पीछे छूट गईं है।
(ग) दारा बड़े जोश में था।
(घ) जब दम भरके पिचके गुब्बारे को फुलाया तो चट-चट तालियाँ बजीं। इस कारण मीठा शोर मचा।
(ङ) 'मन-मन नाचा मोर' से अभिप्राय है—मन बहुत प्रसन्न हुआ।
5. (क) कब; (ख) जोर; (ग) दूरी; (घ) हारी; (ङ) हारा; (च) शोर; (छ) काला; (ज) मामा
6. (क) चढ़ी; (ख) मारी; (ग) नाचा; (घ) रौंदकर; (ङ) फुफकारा; (च)फूँका

पाठ्येतर गतिविधि

कबूतर   बतख   तोता   मोर

पाठ-12 जादूई कुएँ

1. (क) राजा कृष्णदेव राय ने कुएँ बनाने का आदेश दिया।
(ख) गाँववालों ने गृहमंत्री की शिकायत तेनालीराम से की।
(ग) तेनालीराम की बात सुनकर दरबारी हँसने लगे।
2. (क) iii; (ख) iii; (ग) स्वयं कीजिए
3. (क) राजा कृष्णदेव राय ने अपने गृहमंत्री को राज्य में अनेक कुएँ बनाने का आदेश दिया।
(ख) एक दिन नगर के बाहर से कुछ गाँववाले तेनालीराम के पास पहुँचे, वे सभी गृहमंत्री के विरुद्ध शिकायत लेकर आए थे।
(ग) तेनालीराम अगले दिन राजा से मिले और बोले, ''महाराज! मुझे विजयनगर में कुछ चोरों के होने की सूचना मिली है। वे हमारे कुएँ चुरा रहे हैं।''
निरीक्षण करने क पश्चात् उन्होंने पाया कि राजधानी के आस-पास के अन्य स्थानों तथा गाँवों में कोई कुआँ नहीं है।
(घ) इस कार्य की सारी जिम्मेदारी तेनालीराम को सौंपी गई।
4. (क) आ + द् + ए + श् + अ
(ख) ग् + र् + अ + ह् + अ + म् + अ + न् + त् + अ + र् + ई
(ग) द् + अ + र् + अ + ब् + आ + र् + ई
5. (क) गाँव; (ख) गृहमंत्री; (ग) परंतु; (घ) हँसने; (ङ) कुएँ; (च) डाँटा

6. सुख → दुख
अर्थ → अनर्थ
उपस्थित → अनुपस्थित
बाहर → भीतर

पाठ्येतरी गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-13 गुरु आखिर गुरु होता है

1. (क) परीक्षा से बचने के लिए विद्यार्थियों ने एक योजना बनाई
(ख) नहीं, सच में गाड़ी में पंक्चर हुआ नहीं था।
(ग) तीन दिन बाद परीक्षा हुई।
(घ) प्रश्न-पत्र में कुल दो ही प्रश्न थे।
2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii
3. (क) योजना, (ख) आसानी, (ग) विद्यार्थियों, (घ) कमरों
4. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✗; (ङ) ✗
5. (क) एक रात, कॉलेज के चार विद्यार्थी देर तक मस्ती करते रहे और जब होश आया तो अगली सुबह होने वाली परीक्षा का भूत उनके सामने आकर खड़ा हो गया।
(ख) उन्होंने प्रिंसिपल साहब को बताया कि कल रात वे चारों एक दोस्त की शादी में गए हुए थे। लौटने में गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया। किसी तरह धक्का लगा-लगाकर गाड़ी को यहाँ तक लाए हैं। इतनी थकान है कि बैठना भी संभव नहीं दिखता, पेपर हल करना तो दूर की बात है।
(ग) प्रिंसिपल साहब ने बताया कि यह विशेष परीक्षा केवल उन चारों के लिए ही आयोजित की गई है।
(घ)जो प्रश्न-पत्र उन्हें दिया गया उसमें केवल दो ही प्रश्न थे—
प्रश्न 1. आपका नाम क्या है? (2 अंक)
प्रश्न 2. गाड़ी का कौन-सा टायर पंक्चर हुआ था? (98 अंक)
अ. अगला बायाँ   ब. अगला दायाँ
स. पिछला बायाँ   द. पिछला दायाँ।
6. स्वयं कीजिए।
7. स्वयं कीजिए।
8. क्षत्रिय   क्षमा
त्रिशूल   त्रासदी
आज्ञा   ज्ञापन
श्रम   श्री मान

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 म्याऊँ और लोटा

1. (क) बिल्ली के बच्चे का नाम म्याऊँ था।
(ख) बिल्ली का बच्चा खा-खाकर मोटा हो गया था।
(ग) माँ म्याऊँ को समझाती थी।
2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii
3. (क) शरारती; (ख) रसोईघर; (ग) आवाज; (घ) आँखों; (ङ) बिल्ली
4. (क) बिल्ली के बच्चे ने लोटे में मुँह डाला। दूध नीचे था। उसने पूरा सिर अंदर डाल दिया। गप-गप-गप, सारा दूध पी गया।
(ख) म्याऊँ ने लोटे से मुँह बाहर निकालना चाहा। पर वह तो फँस गया था।
(ग) बैठकर लोटा पाँवों के बीच में रख, म्याऊँ को खींचा। म्याऊँ का सिर बाहर निकल आया।
(घ) म्याऊँ की आँखों में आँसू थे।

पाठ्येतर गतिविधि

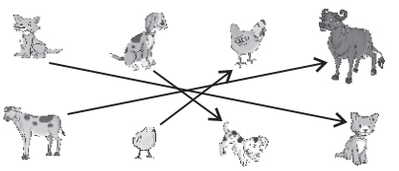

पाठ–1 अगर मेरे पंख होते

1. (क) स्वयं कीजिए।
   (ख) तारे आकाश में हैं।
   (ग) बारिश होने पर बालक पेड़ पर छुप जाता।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) i; (घ) ii
3. आकाश में तारों – ऊपर जाकर
   धीरे–धीरे – मेरे पंख होते
   सूरज को – से मिलता
   काश अगर – छू लेता
4. **बारिश** जब होती तो
   मैं **पेड़** पर छुप जाता
   धूप निकलती तो **इंद्रधनुष** को
   देख बहुत **खुश** हो जाता
   लेकिन ..... काश
   अगर मेरे **पंख** होते
5. (क) अगर बालक के पंख होते तो वह हर जगह धूमता–फिरता, आकाश में तारों से मिलता, बादल पर घर बनाता और चाँद को पकड़ लाता।
   (ख) बालक अपना घर बादल पर बनाता।
   (ग) बारिश से बचने के लिए बालक पेड़ पर छिप जाता।
   (घ) इंद्रधनुष का देखकर बालक खुश हो जाता।
6. (क) मेघ घन
   (ख) गृह धाम
   (ग) चंद्रमा शशि
   (घ) रवि दिनकर
7. (क) रजत सारा दिन धूमता–फिरता है और पढ़ाई नहीं करता है।
   (ख) इंद्रधनुष के सात रंग सबका मन मोह लेते हैं।
   (ग) मोर के पंख बहुत सुंदर लगते हैं।
   (घ) कल वह बारिश खेल रहा था।
8. (क) बादल; (ख) पेड़; (ग) दुनिया; (घ) धूप; (ङ) सूरज; (च) इंद्रधनुष; (छ) पंख; (ज) चाँद
9. पंख तारे चाँद
   सूरज इंद्रधनुष

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ–2 आकाश में एक घर

1. (क) गरीब आदमी अमीरों का मज़ाक उड़ाता था।
   (ख) राजा ने आदमी को आकाश में घर बनाने का काम सौंपा।
   (ग) आदमी ने एक पतंग बनाई।
2. (क) i; (ख) iii; (ग) iv
3. (क) नाराज; (ख) डाली; (ग) सिपाही; (घ) धागे
4. (क) राजा ने आदमी से; (ख) आदमी ने राजा से; (ग) सिपाही ने राजा से
5. (क) सही; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) गलत
6. (क) हमें किसी का मजाक नहीं उडाना चाहिए।
   (ख) राजा बेईमान आदमी से नाराज थे।
   (ग) आज आकाश में पतंगें उड़ रही है।
   (घ) यह शहर की सबसे ऊँची ईमारत है।
   (ङ) आकाश में पक्षी उड़ रहे हैं।
7. (क) वह हमेशा अमीरों का मज़ाक उड़ाया करता था। कभी–कभी वह राजा का भी मज़ाक उड़ाने लगता था। इस बात से राजा उस आदमी से नाराज रहता था।
   (ख) राजा ने आदमी को आकाश में घर बनाने का काम सौंपा।
   (ग) उसने एक पतंग बनाई और उसमें एक छोटी–सी घंटी बाँध दी। एक बड़े से धागे के सहारे पतंग को एक पेड़ की ऊँची डाली पर बाँध दिया।
   (घ) वे राजा के पास गए और बोले, ''महाराज! कोई आदमी आकाश पर नहीं चढ़ सकता!''
8. (क) आकाश; (ख) रास्ता; (ग) आवाज; (घ) घंटी; (ङ) सिपाही; (च) समस्या
9. (क) आप घंटी की आवाज सुन रहे हैं।
   (ख) राजा ने पूछा, ''मेरे सिपाही आकाश पर कैसे चढ़ेंगे?''
   (ग) ''महाराज! कोई आदमी आकाश पर नहीं चढ़ सकता।''
   (घ) उसमें छोटी–सी घंटी बाँध दी।
10. (क) पतंगें; (ख) डालियाँ; (ग) घंटियाँ; (घ) धागे; (ङ) मजदूर वर्ग; (च) रास्ते
11. (क) म् + अ + ज् + अ + द् + ऊ + र् + अ
    (ख) स् + इ + प् + आ + ह् + ई
    (ग) प् + अ + त् + अ + न् + ग् + अ
    (घ) घ् + अ + ब् + ब् + आ
    (ङ) स्वयं कीजिए

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ–3 अक्ल बड़ी या भैंस!

1. (क) हाथी जंगल का राजा था।
   (ख) मगर पानी का राजा था।
   (ग) हाथी और मगर की बातें कछुआ सुन रहा था।
   (घ) कछुआ यह जानना चाहता था कि उन तीनों में से सबसे ताकतवर कौन है।
   (ङ) कछुआ और कछुई पानी में रहते थे।
2. (क) ii; (ख) iii; (ग) iii
3. (क) दोस्ती; (ख) हाथी, मगर; (ग) गहरी; (घ) सिटपिटाकर; (ङ) कछुआ
4. (क) कछुए ने दोनों से; (ख) हाथी ने कछुए से; (ग) कछुए ने हाथी से; (घ) मगर ने कछुए से; (ङ) कछुए ने मगर से; (च) कछुए ने मगर से
5. (क) गलत; (ख) सही; (ग) गलत; (घ) गलत; (ङ) सही; (च) सही
6. (क) हाथी जंगल का राजा था और मगर नदी का राजा था। दोनों में खूब दोस्ती थी।
   एक दिन दोनों मित्र नदी किनारे बैठकर अपनी–अपनी ताकत की बड़ाई कर रहे थे।
   (ख) एक कछुआ, हाथी और मगर के सामने आकर बोला, ''आप दोनों जैसा बलवान सचमुच दुनिया में दूसरा नहीं है। पर क्या आप मेरे साथ एक शर्त लगाएँगे?''
   (ग) कछुए ने पहले हाथी से शर्त लगाई।
   (घ) हाथी शर्त हार गया, क्योंकि उसने ताकत लगाई, लेकिन कछुए ने अक्ल।
   (ङ) अपनी हार के कारण हाथी अभी भी इतना गुस्सा था कि उसने ज़मीन वाले सभी जानवारों को वहाँ से भगा दिया और खुद भी वहाँ से चला गया।
   (च) स्वयं कीजिए।
7. (क) नदियाँ; (ख) चट्टानें; (ग) कछुए; (घ) कुश्तियाँ; (ङ) रस्सियाँ; (च) इकट्ठे
8. (क) नरेश नृपति भूपति
   (ख) गज हस्ती दंती
   (ग) खग विहग नभचर
9. (क) बलवान; (ख) रस्सी; (ग) विश्वास; (घ) कछुआ; (ङ) शर्त; (च) आवाज

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ–4 अधिक बलवान कौ?

1. (क) हवा और सूरज में बहस छिड़ गई।
   (ख) दोनों ने एक आदमी पर ताकत दिखाई।
   (ग) सूरज ज्यादा ताकतवर था।
2. (क) ii; (ख) i
3. (क) आदमी; (ख) ताकत; (ग) हवा; (घ) सूरज; (ङ) हवा; (च) आदमी
4. (क) सही; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) गलत; (ङ) गलत; (च) सही
5. (क) हवा ने सूरज से; (ख) सूरज ने हवा से; (ग) सूरज ने हवा से; (घ) हवा ने सूरज से
6. (क) हवा और सूरज में बहस छिड़ गई कि अधिक बलवान कौन है।
   (ख) हवा ने सूरज से कहा—''मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ।''
   (ग) हवा और ज़ोर से चलने लगी। अंत में आदमी नीचे ही गिर पड़ा। पर कोट उसके शरीर पर ही रहा। अव हवा थक गई थी।
   (घ) सूरज तपने लगा। आदमी ने कोट उतार दिया और उसे हाथ में लेकर चलने लगा।
7. (क) रवि छोटी–छोटी बातों पर बहस करता है।
   (ख) शामू अपनी ताकत पर घमंड करता है।
   (ग) नेहरूजी टोपी पहनते थे।
   (घ) शिवा बड़ो को नमस्कार नहीं करता है।
   (ङ) दुकानदार ने मुझसे ज्यादा पैसे ले लिए।
   (च) आज तो गर्मी के कारण धरती तपने लगी है।
8. (क) हवा और सूरज में बहस छिड़ गई।
   (ख) हवा की नजर एक आदमी पर पड़ी।
   (ग) सूरज हवा की बात मान गया।
   (घ) हवा जोर से चली।
   (ङ) सूरज जीत गया।
   (च) हवा हार गई।
9. (क) सूरज निकल रहा है।
   (ख) लड़का लिख रहा है।
   (ग) बारिश हो रही है।
   (घ) रानी सेब खा रही है।
   (ङ) घोड़ा दौड़ रहा है।
   (च) मेहन हँसता है।
   (छ) पिताजी अखबार पढ़ रहे हैं।
   (ज) तोता अमरूद खाता है।

पाठ्येतर गतिविधि

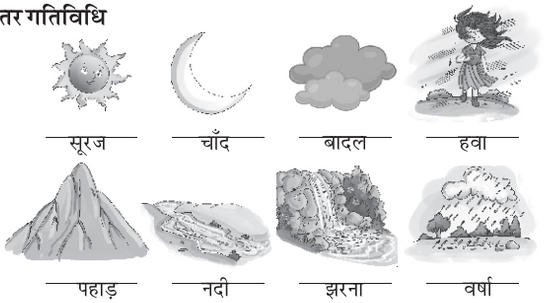

पाठ–5 ऋतुओं का स्कूल

1. (क) कविता का शीर्षक ऋतुओं का स्कूल है।
   (ख) सूरज चाचा पोस्टमैन है।
   (ग) चिड़िया रानी चुन–चुन करती है।
   (घ) बस्ता हवा का है।
2. (क) i; (ख) iii; (ग) iii
3. **शाम** को खेला करते हम सब
   रंग–बिरंग **फूलों** से
   सुंदर–सुंदर **तितली** के संग
   इंद्र के झूलों से
   हिल–मिलकर यूँ **हँसते–गाते**
   सारा **दिन** कट जाता है।
4. (क) सही; (ख) सही; (ग) गलत; (घ) सही; (ङ) गलत
5. (क) सूरज चाचा पोस्टमैन का काम करते हैं।
   (ख) चुन–चुन करती चिड़िया रानी चुगती दाना, पीती पानी गीत सुनाती प्यारे–प्यारे।
   (ग) जब रिमझिम की घंटा मेघ बजाता है तब क्लास छूटती है।
   (घ) शाम को हम रंग–बिरंगे फूलों से, सुंदर–सुंदर तितलियों से तथा इंद्रधनुष के झूलें से खेलते हैं।
   (ङ) हमें रात को हर आहट से डर लगता है।
6. (क) पानी; (ख) चला; (ग) झूलों; (घ) गाया; (ङ) मामा; (च) जाती
7. (क) म + ो + स + म; (ख) ऋ + त + उ + ओ
8. (क) बसंत ऋतु बहुत ही सुहावनी होती है।
   (ख) प्रिया की फ्राँक सूर्य की किरणों–सी चमक रही है।
   (ग) आकाशवाणी से हमें ज्ञानवर्धक बातें सुनने को मिलती हैं।
   (घ) बरसात में धूप–छाँव तो होती रहती है।
   (ङ) वर्षा और धूप जब एक साथ होती हैं तो इंद्रधनुष निकलता है।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ–6 अक्लमंद बकरी

1. (क) बकरी अक्लमंद थी।
   (ख) अक्लमंद बकरी को सियार मारना चाहता था।
   (ग) हाँ, बकरी सचमुच अक्लमंद थी।
2. (क) ii; (ख) ii; (ग) i; (घ) i
3. (क) बकरियों; (ख) सहमत; (ग) मुँह, आँख; (घ) साबधान; (ङ) साँस
4. (क) सरदार बकरी ने बकरियों से; (ख) नर सियार ने मादा सियार से; (ग) मादासियार ने नरसियार से; (घ) मादासियार ने बकरी से; (ङ) बकरी ने मादासियार से
5. (क) सही; (ख) गलत; (ग) गलत; (घ) सही; (ङ) सही
6. (क) एक पहाड़ की गुफा में जंगली बकरियों का एक झुंड रहता था।
   (ख) उसने बकरियों को बुलाकर कहा, ''अकेले बाहर मत जाया करों, नहीं तो वे चालाक सियार तुम्हें खा जाएँगे। तुम लोग झुंड में ही बाहर निकला करो।''
   (ग) ''तुम सरदार बकरी से दोस्ती कर लो। फिर उससे कहो कि मैं मर गया हूँ और मुझे मिट्टी में दबाने के लिए तुम्हें उसकी मदद चाहिए। फिर तुम उसे यहाँ ले आना। जैसे ही वह गुफा में घुसेगी मैं उस पर झपट पड़ूँगा और उसे मार डालूँगा।''
   (घ) बकरी पहले से ही चौकस थी। उसने यह सब देख लिया। वह मुड़ी और वहाँ से भाग गई।
   (ङ) शाम को मैं जरूर दावत खाने आऊँगी और मेरा एक साथी भी मेरे साथ आएगा।''
   मादा सियार ने पूछा, ''तुम्हारे साथ कौन आएगा?''
   बकरी ने उत्तर दिया, ''एक शिकारी कुत्ता। यहाँ का सबसे बड़ा शिकारी कुत्ता। आज रात तुम हमारी राह जरूर देखना।''
7. (क) घर वर प्यार
   (ख) आग्रह क्रय विक्रय
   (ग) दुर्भाग्य निर्यात दुर्गम

8. (क) यश बहुत ही समझदार है उसे उल्लू बनाना मुश्किल है।
(ख) अमर की झूठी बात सुनकर श्याम गुस्से से लाल-पीला हो गया।
(ग) स्कूल में बच्चों ने शोर मचाकर टीचर की नाक में दम कर दिया।

पाठ्येतर गतिविधि

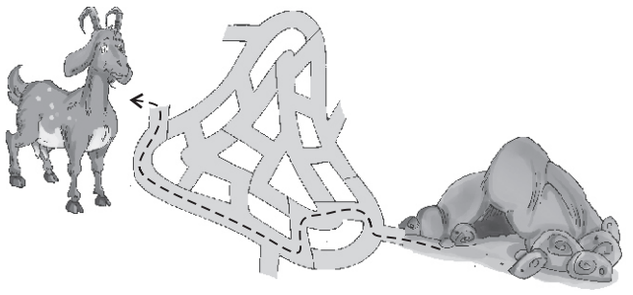

पाठ-7 एक चिट्ठी

1. (क) अम्मूकुट्टी ने अपनी मौसी एम० गीतांजलि को पत्र लिखा है।
(ख) अम्मूकुट्टी ने खिड़की से समुद्र देखा।
(ग) मनिकुट्टी एक छोटी-सी बच्ची है।
2. (क) i; (ख) ii; (ग) i
3. (क) सही; (ख) गलत; (ग) गलत; (घ) सही; (ङ) सही
4. (क) अम्मूकुट्टी बैठने के लिए खिड़की के पास सीट मिल गई। उसने इसी खिड़की से समुद्र देखा।
(ख) अम्मूकुट्टी यह सोचकर बुरा लगा कि वह समुद्र में खेल नहीं सकते थे।
(ग) मनिकुट्टी कहती है कि वह बड़ी होकर मौसी से शादी करना चाहता है। उसे वह बहुत पसंद आ गई है। क्योंकि वह न तो अम्मा की तरह पीटती-वीटती है और न ही उनकी तरह चिल्लाती है।
(घ) अम्मूकुट्टी को मैंगो बार बहुत अच्छी लगती है।
(ङ) स्वंय करें।
5. (क) हमें बैठने के लिए भी सीट नहीं मिली।
(ख) मैं तुमसे शादी नहीं कर सकती।
(ग) उसे तुम बहुत पसंद आई।
(घ) मुझे मैंगो बार बहुत अच्छी लगती है।
(ङ) तुम देखोगी तो तुम्हारा भी मन कर जाएगा।
6. (क) अम्मा, कम्मी; (ख) लट्टू, टट्टू; (ग) गब्बर, बब्बर; (घ) जगन्नाथ, अन्न; (ङ) उत्तर, पुत्तर
7. (क) कि, इसलिए; (ख) कि; (ग) तो

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 गड़ा खजाना

1. (क) किसान के तीन बेटे थे।
(ख) वे बहुत ही आलसी थे।
(ग) स्वयं कीजिए।
2. (क) iii; (ख) i; (ग) iii
3. (क) ''हमें कहीं भी खजाना नहीं मिला।''

किसने कहा	तीनों बेटों ने काह
क्यों कहा	उन्हें कहीं भी गढ़ा घन नहीं मिला
किससे कहा	अपने पिता से

(ख) ''यही है वह खजाना।''

किसने कहा	बूढ़े किसान ने
क्यों कहा	मेहनत ही असली पूँजी और खजाना है।
किससे कहा	अपने बेटो से

4. तीनों ही जवान → उड़ाने में उन्हें बड़ा मज़ा आता था।
पिता की कमाई → खजाना नहीं मिला।
उन्हें कहीं भी → और हट्टे-कट्टे थे।
तीनों बेटों ने बड़े → गर्व से अपने पिता को लहलहाती फसल दिखाई
5. (क) उसके तीन बेटे थे। तीनों ही जवान और हट्टे-कट्टे थे। पर वे बहुत ही आलसी थे।
(ख) एक दिन किसान ने अपने बेटों को बुलाकर कहा, ''देखो, तुम लोगों के लिए मैंने अपने खेत में छोटा-मोटा खजाना गाड़ रखा है। तुम लोग खेत को खोद डालों और उस खजाने को निकालकर आपस में बाँट लो।''
(ग) दूसरे दिन बहुत सवेरे उस किसान के तीनों बेटे कुदालियाँ लेकर खेत पर पहुँच गए और खुदाई शुरू कर दी। उन्होंने खेत की एक-एक इंच ज़मीन खोद डाली।
(घ) उन्हें लहलहाती हुई फसल मिली वही असली खजाना था।
(ङ) कड़ी मेहनत ही असली खजाना है।
6. (क) रंग-बिरंगी पतंगें उड़ रही हैं।
(ख) पेड़ पर दो तोते बैठे हैं।
(ग) माँ ने एक किलों सेब लिए।
(घ) पानी ठंडा हैं
(ङ) एक दर्जन केले मेज पर रखे हैं।
7. (क) जवान; (ख) वास्तविक; (ग) मेहनती; (घ) बड़ा; (ङ) पतला; (च) रात
8. (क) प् + ऐ + द् + आ + व् + आ + र् + अ
(ख) श् + ओ + भ् + आ
(ग) क + इ + स् + आ + न + अ
(घ) म् + ए + ह् + अ + न् + त् + अ
(ङ) आ + ल् + अ + ए + ई
9. (क) किसान दिन रात मेहनत करता है।
(ख) मोहन को खुदाई करते समय खजाना मिल गया।
(ग) इतनी मेहनत के बावजूद भी निराशा ही हासिल हुई।
(घ) मुझे अपनी भारतीय क्रिकेट टीम पर गर्व है।
(ङ) संयोग से हम दोनों फिर मिल गए।

पाठ्येतर गतिविधि

4 3 1 2

पाठ-9 आ गई बहार

1. (क) चिड़ियाँ डाल-डाल पर चहकती हैं।
(ख) बच्चे झूला झूलने लगे।
(ग) बादल गरज रहे हैं।
2. (क) iii; (ख) iv; (ग) ii
3. रिमझिम-रिमझिम पड़ी **फुहार**,
सावन की आ गई बहार।
लगे झूलने **बच्चे** झूले,
लंबी **पेंग** बढ़ाकर फूले।
सोंधी-सोंधी मिट्टी महके,
डाल-डाल पर **चिड़िया** चहके।
4. (क) गलत; (ख) सही; (ग) गलत; (घ) सही

5. (क) सावन की आ गई बहार।
लगे झूलने बच्चे झूले,
सोंधी-सोंधी मिट्टी महके,
डाल-डाल पर चिड़िया चहके।
गरज रहे बादल घनघोर।
(ख) गरमी बेहाल होकर भागी।
(ग) लबालब भर गए।
(घ) स्वयं कीजिए।
(ङ) वन में मोर नाचा।
6. (क) लुहार; (ख) चहके; (ग) भूले; (घ) सराबोर
7. (क) जंगल, कानन; (ख) मयूर, स्वयं कीजिए; (ग) ताल, सरोवर
8. (क) एक डाल पर तोता बैठा था और एक पर मैना।
यहाँ कूड़ा-करकट डालना मना है।
(ख) मुझे देखकर बिल्ली तेजी से भागी
मयंक और दिव्या एक ही कंपनी में भागी हैं।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-10 खिड़की, हवा, मछली और मैं

1. (क) मेज़ पर शीशे का चौकोर-सा डिब्बा रखा था।
(ख) डिब्बे में मछलियाँ थीं।
(ग) मछलियाँ तैर रही थीं।
2. (क) iii; (ख) i; (ग) i; (घ) ii
3. (क) मौसम; (ख) खिड़की; (ग) चमक; (घ) मछलियाँ; (ङ) हवा
4. मौसम → सुहाना
डिब्बा → चौकोर
हवा → रंग-बिरंगा
मछलियाँ → तेज़-तर्रार
5. (क) सही; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) सही
6. (क) खिड़की के खुलते ही हवा अपनी तेज़-तर्रार अदाओं के साथ कमरे में दाखिल होने लगी।
(ख) मछलियाँ तैर रहीं थी।
(ग) खिड़की से बाहर हवा में उड़ने लगीं और सामने की नदी में चली गईं।
(घ) नहीं, मछलियाँ नहीं उड़ सकतीं।
7. (क) मौसम, अक्ल, मेज, खिड़की
(ख) मछली, हवा, नदी, डिब्बा
8. (क) आलय; (ख) मीन; (ग) वायु; (घ) सरिता
9.

मछलीं	मछलियाँ
खिड़की	~~खिड़कियाँ~~
नदी	~~नदियाँ~~
थाला	~~थालियाँ~~
पगड़ा	~~पगडियाँ~~

10. (क) शाम के समय मौसम बहुत ही सुहाना था।
(ख) मई-जून के महीने में गर्मी बहुत ज्यादा होती है।
(ग) मछली पानी में तैर रही थी।
(घ) रिया ने दीप्ती को अपनी मदद के लिए धन्यवाद दिया।
(ङ) खिड़की की खुलते ही तेज हवा का झोंका आया।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 एक-दूसरे की मदद करो

1. (क) हमें दूसरों के साथ मधुर व्यवहार करना चाहिए।
(ख) मधुमक्खियों ने छत्ते में रस लाकर इकट्ठा करना शुरू कर दिया।
(ग) नहीं, हमें अपने ताकतवर होने पर घमंड करना चाहिए।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii
3. (क) एकांत; (ख) प्रार्थना; (ग) उसकी सहायक; (घ) काँपने; (ङ) धन्यवाद; (च) मदद
4. नीम का पेड़ → बहुत घमंडी था।
रानी मधुमक्खी ने → बड़े प्यार से बोला।
आम का पेड़ → नीम का पेड़।
फूट-फूट कर रोया → सहायता करनी चाहिए।
एक-दूसरे की → नीम से सहायता माँगी।
5. (क) नीम और आम पड़ोसी पेड़ थे। दोनों शहर से दूर एकांत स्थान पर थे।
(ख) उसे अपने ऊँचे और घने होने का बहुत घमंड था।
(ग) रानी मधुमक्खी गिड़गिड़ाकर बोली, ''नीम भाई, मान जाओ। तुम ऊँचे हो। तुम्हारी डाल पर मेरा छत्ता सुरक्षित रहेगा।''
(घ) एक दिन दोपहर के समय दो-तीन आदमी हाथ में कुल्हाड़ी लेकर वहाँ आए। नीम के पेड़ को देखकर एक आदमी बोला, ''इस नीम की शाखाएँ बड़ी-बड़ी हैं। तना भी मोटा-मज़बूत है। कल सुबह आकर इसे काटेंगे।''
(ङ) तीसरे आदमी ने छत्ते की ओर इशारा करते हुए कहा, ''ना-बाबा-ना! आम की डालों को तो हाथ भी नहीं लगाना। वहाँ छत्ता है। हमें काट खाएँगी मधुमक्खियाँ।''
(च) एक-दूसरे की मदद करने से ही जीवन में सुख मिलता है।
6.

(प्रभाव)	प्राभव	प्राभाव
पड़ौसी	पड़ोसि	(पड़ोसी)
छात्ता	(छत्ता)	छातता
मज़बुत	मज़ाबूत	(मज़बूत)

7. (क) नीम का पेड़ बहुत कमजोर था।
(ख) रानी मधुमक्खी ने बड़े कर्कश स्वर में कहा।
(ग) नीम का पेड़ हँसने लगा।
(घ) एक-दूसरे की मदद करन से दुख मिलता है।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 मीठी सारंगी

1. (क) गाँव में एक सारंगी वाला आया।
(ख) सारंगीवाले ने सारंगी अपने सिरहाने रखी थी।
(ग) भोला ने सारंगी के ऊपर का खोल उतार कर उसे जीभ से चाटा।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) ii; (घ) iv
3. (क) बैठ; (ख) झुँझलाया; (ग) झूठे; (घ) बेवकूफी
4. (क) गलत; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) सही
5. (क) सब लोगो ने सारंगीवाले से; (ख) भोला ने गाँववाले से; (ग) गाँववाले ने सारंगीवाले से; (घ) लोगो ने सारंगीवाले से; (ङ) भोला ने गाँववाले से
6. (क) थोड़ी देर बाद उसने सोचा कि शायद सारंगीवाले के पास बैठने से मुँह मीठा हो जाए।
(ख) वह मन-ही-मन कहने लगा, 'इन लोगों को सारंगी बहुत मीठी लगी लेकिन मेरा तो मुँह मीठा हुआ ही नहीं। ये सब झूठे हैं।'
(ग) उसने चुपके से उठकर वह सारंगी उठा ली और ऊपर का खोल उतारकर उसे जीभी से चाटा। कुछ स्वाद नहीं आया। अब उसने सारंगी को खूब हिलाया। उसके छेद के मुँह के पास लगाकर मुँह में उँड़ेला। पर सारंगी से एक भी मीठी बूँद नहीं निकली। वह लोगों की बेवकूफी पर बहुत ही झुँझलाया। अबकी बार उसने सारंगी को गाँव से बाहर दूर ले जाकर फेंक दिया।
7. अनुस्वार (ं) — सारंगी आनंद नींद
अनुनासिक (ँ) — गाँव कहाँ मुँह

8. (क) खट्टी; (ख) नीचे; (ग) सच; (घ) सुखी
9. (क) रातें; (ख) बूँदें; (ग) बातें; (घ) कमरे

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ–13 चूँ-चूँ

1. (क) चिड़िया का घोंसला एक पेंड पर था।
   (ख) चिड़िया के बच्चे का चूँ-चूँ नाम था।
   (ग) चूँ-चूँ ने बिल्ली की सारी बातें चिड़िया को बताईं।
   (घ) स्वयं कीजिए।
2. (क) iii; (ख) iii; (ग) i; (घ) ii
3. (क) चिड़िया ने चूँ-चूँ से; (ख) चूँ-चूँ ने बिल्ली से; (ग) बिल्ली ने चूँ-चूँ से; (घ) चिड़िया ने चूँ-चूँ से
4. स्वयं कीजिए।
5. (क) चूँ-चूँ; (ख) बिल्ली; (ग) चढ़ने; (घ) कहानी; (ङ) माँ
6. (क) चिड़िया चूँ-चूँ के लिए दाना-चुग्गा लाती थी।
   (ख) चूँ-चूँ के पंख निकल आए। वह थोड़ा उड़ने लगा और पेड़ की डालों पर घूमने लगा।
   (ग) पेड़ सीधा था! बिल्ली नीचे खिसक गई। बिल्ली ने कई बार कोशिश की। पर वह पेड़ पर न चढ़ सकी।
   (घ) ''प्यारे चूँ-चूँ! मैं हूँ तुम्हारी मौसी। आओ, मेरी गोद में आ जाओ। मैं तुम्हें एक कहानी सुनाऊँगी।''
7. (क) मेरे कमरे के एक कोने में कबूतर का घोंसला है।
   (ख) माँ पक्षियों के लिए छत पर दाना-चुग्गा रखती है।
   (ग) एक काली बिल्ली म्याऊँ-म्याऊँ करती हुई दौड़ी।
   (घ) कल गोआ से मेरी मौसी आने वाली है।
   (ङ) एक चिड़िया पेड़ के नीचे बैठी थी।
8. (क) थोड़ा; (ख) नफरत; (ग) अधिक; (घ) उलटा; (ङ) अंदर; (च) बूढ़ा; (छ) जीतकर; (ज) बुरा

पाठ्येतर गतिविधि

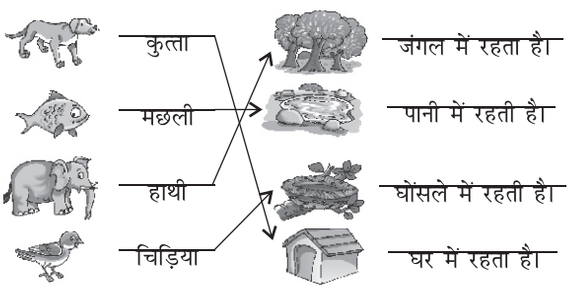

पाठ–14 चूँ-चूँ

1. (क) हाँ, क्योंकि यह बहुत स्वादिष्ट होती है।
   (ख) हलवाई जलेबी बना रहा है।
   (ग) जलेबी दौड़ी-दौड़ी आई।
2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii
3. (क) छुन-छुन **तेल में नाची**
   तेल में नाची।
   प्लेट **मे आ**
   शरमाई जलेबी।
   (ख) दौड़ी **दौड़ी**
   आई जलेबी।
   मेरे **मन को**
   भायी जलेबी।
4. (क) (जलेबी); (ख) (तेल); (ग) (हाथ)
5. तेल में → नाची
   प्लेट में → शरमाई
   हाथ से → उछली
   मुँह में → घबराई
   पेट में → पहुँची
6. (क) जलेबी दौड़ी-दौड़ी आई।
   (ख) जलेबी प्लेट में आकर शरमाई।
   (ग) जलेबी पेट में जाकर घबराई।
7. (क) जाना; (ख) पैर; (ग) बेशरमी; (घ) पीना
8. (क) वस्तुएँ; (ख) खाद्य पदार्थ; (ग) शरीर के अंग
9. (क) श् + इ + क् + आ + र् + अ
   (ख) ज् + अ + ल् + ए + ब् + ई
   (ग) श् + अ + र् + अ + म् + आ + ई
   (घ) न् + आ + च् + ई

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ–15 क्रिसमस केक

1. (क) क्रिसमस 25 दिसम्बर को मनाया जाता है।
   (ख) बालक की इच्छा थी कि वह भी क्रिसमस का त्यौहार मनाए।
   (ग) बालक अपने दादा जी के साथ क्रिसमस मनाना चाहता था।
2. (क) iv; (ख) iv; (ग) iii; (घ) iii; (ङ) ii
3. (क) सही; (ख) सही; (ग) गलत; (घ) गलत
4. (क) बालक घर पहुँचकर अपने दादा जी के साथ मिलकर क्रिसमस मनाया चाहता था।
   (ख) बालक ने बूढ़े को अपना क्रिसमस का केक खिलाकर मदद की।
   (ग) बालक ने नींद से जागकर दरवाज़ा खोला तो एक तेजस्वी (देवदूत) सफ़ेद वस्त्र पहने सामने खड़ा था। उसके हाथ में एक पैकेट था।
   (घ) त्योहार का सही मतलब दूसरों के साथ खुशियाँ बाँटना ही है।
5. (क) अन्न, सन्न; (ख) अच्छा, लच्छा; (ग) उत्तम, उत्तीर्ण; (घ) हस्त, अभ्यस्त
6. (क) अंतरआत्मा; (ख) रत्नाकर; (ग) हिमालय; अनाथालय; (घ) गजानन; (ङ) देवालय
7. (क) वह एक गरीब बालिका है।
   (ख) बेटी! भगवान तुम्हारा भला करें।
   (ग) यह बूढ़ी लाचार हैं।
8. उप: हार, उपहार; कार, उपकार; देश, उपदेश
   अ: सहाय, असहाय; इच्छा, अनिच्छा; मान, अपमान

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ–16 पतीले का बच्चा

1. (क) दुकानदार लालची था।
   (ख) शहर के लोगों ने दुकानदार की शिकायत बीरबल से की।
   (ग) बीरबल ने दुकानदार से पतीले खरीदे।
2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii
3. (क) एक बार बीरबल से शहर के लोगों ने आकर बरतनों के एक लालची दुकानदार के बारे में शिकायत की कि वह बहुत लालची है।
   (ख) बीरबल ने दुकानदार से तीन बड़े-बड़े पतीले खरीदे।
   (ग) कुछ दिन के बाद वह एक बहुत छोटी-सी पतीली लेकर लालची दुकानदार के पास पहुँचे और बोले, ''यह आपके बड़े पतीले ने बच्चा दिया है, कृपया इसे रख लें।'' दुकानदार बहुत खुश हुआ और खुशी-खुशी छोटी पतीली ले ली।

(घ) बीरबल ने कहा, ''जी असल में दो पतीलों की मृत्यु हो गई है।'' दुकानदार ने जवाब दिया, ''जाओ-जाओ, क्यों बेवकुफ बनाते हो? क्या पतीलों की मृत्यु होती है?'' बीरबल ने जवाब दिया, ''क्यों नहीं, जब पतीलों के बच्चे पैदा हो सकते हैं, तो मृत्यु भी हो सकती है।''

दुकानदार को बीरबल के पैसे वापस करने पड़े और उसे 'सेर का सवा सेर' भी मिल गया।

(ङ) बीरबल ने कहा, ''जी असल में दो पतीलों की मृत्यु हो गई है।'' दुकानदार ने जवाब दिया, ''जाओ-जाओ, क्यों बेवकुफ बनाते हो? क्या पतीलों की मृत्यु होती है?''

4. ईमानदार वफादार फलदार सरदार
5. (क) रवि बहुत समझदार है, उसे उल्लू बनाना इतना आसान नहीं है।
   (ख) आजकल प्रधानाचार्य जी छोटी-छोटी बातों पर लाल-पीला हो उठते है।
   (ग) आशीष ने सबकी नाक में दम कर रखा है।
6. रंग रोग रात
   प्रदान द्रव्य क्रोध
   पर्वत सूर्य अर्थ
7. (क) श्रीमती; (ख) गुणवती; (ग) आयुष्मति; (घ) बलवती

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-17 मेरी किताब

1. (क) माँ ने वीरू को संदेश दिया।
   (ख) वीरू मौसी के घर गई।
   (ग) वीरू भाग खड़ी हुई।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii
3. (क) मौसी; (ख) आँखें; (ग) किताब; (घ) पन्ने; (ङ) संदेश
4. (क) गलत; (ख) सही; (ग) गलत; (घ) गलत
5. (क) मौसी वीरू को बैठक में ले गई।
   (ख) वीरू अचरज से ठिठक गई। उसने सोचा-बाप रे! इतनी सारी किताबें!
   (ग) ''क्या आपके पास बच्चों के लिए भी किताबें हैं?''
   (घ) नहीं, वीरू को कोई किताब पसंद नहीं आई।
   (ङ) अगली बार जब तुम आओ तो अपने साथ एक फ़ुट्टा लेती आना।

   वीरू ने पूछा-''फ़ुट्टा, क्यों?'' मौसी ने हँसकर कहा-''तुम्हें जितनी किताब चाहिए तुम नापकर ले लेना। ठीक है न!''
6. (क) टीचर की आवाज पर रोहित वही पर ठिठक गया।
   (ख) लाइब्रेरी में पढने के लिए बहुत सारी किताबे मिल जाती है।
   (ग) पिताजी को मालूम है कि वासु आज स्कूल नहीं गया।
   (घ) सीमा ने रीता को सुझाव दिया।
   (ङ) चोट लगने पर भी तान्या ने हँसकर दिखा दिया।
7. पास → दूर
   प्यार → नफरत
   अंदर → बाहर
   नीचे → ऊपर
   लंबी → छोटी
   पसंद → नापसंद

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-18 आओं योग करें

1. (क) योगाभ्यास झटके से नहीं बल्कि धीमी गति से और शांतिपूर्वक करना चाहिए।
   (ख) प्रत्येक आसन पर 10 से 15 सेकंड रुकना चाहिए।
2. (क) ii; (ख) iii
3. (क) ध्यान; (ख) क्रियाओं; (ग) अवस्था
4. (क) हर रोज़ 30 से 45 मिनट तक योगाभ्यास करना चाहिए।
   (ख) तीन बार गहरी साँस लेते हुए सारी थकान को दूर कीजिए।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

BOOK-3

पाठ-1 चाँद का कुरता

1. (क) चाँद ने माता से ऊन का झिंगोला माँगा।
   (ख) जाड़े की रात में हमें ठिठुरन होती है।
   (ग) हाँ, हमने चाँद को घटते-बढ़ते देखा है।
   (घ) पूर्णिमा की रात्रि में आसमान में पूरा चाँद दिखाई पड़ता है।
2. (क) i; (ख) iv; (ग) i
3. सन-सन चलती **हवा** रातभर
   जाड़े से मरता हूँ,
   ठिठुर-ठिठुर कर किसी तरह
   यात्रा पूरी करता हूँ।
4. (क) चाँद सर्दी की सन-सन चलती हवा से परेशान था।
   (ख) चाँद ने माँ से शिकायत की कि वह सरदी की रात में ठिठुर-ठिठुरकर बड़ी मुश्किल से रात काटता है।
   (ग) चाँद के घटते-बढ़ते आकार के कारण माँ डरती है।
   (घ) माँ ने चाँद को समझाया कि वह ऊन का झिंगोला नहीं पहनता है और उसका आकार भी प्रतिदिन बदलता रहता है; अत: इससे उसे नजर नहीं लगेगी।
5. (क) चिंटू हर चीज के लिए बहुत हठ करता है।
   (ख) दिव्या ने अंशु को उसके जन्मदिन पर एक झिंगोला भेंट किया।
   (ग) प्रिया का सूट दो अंगुल छोटा हो चुका है।
   (घ) द्यर्जी ने विक्रम की कमीज का नाप ले लिया है।
6. (क) शोला; (ख) छोटा; (ग) करती; (घ) बढ़ता
7. (क) माँ; (ख) आँख; (ग) चाँद
8. **विशेषण** **संज्ञा**
   सन-सन → हवा
   काली → रात
   उजला → दिन
   मधुर → चाँदनी

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 नटखट बंदर

1. (क) पेड़ पर बंदर रहता था।
   (ख) बढ़ई लकड़ी काट रहा था।
   (ग) बढ़ई खाना खाने गया।
2. (क) i; (ख) iii; (ग) ii; (घ) iii
3. (क) डालियों पर; (ख) बढ़ई; (ग) बढ़ई; (घ) चिरा; (ङ) तड़पता; (च) मदद
4. (क) गलत; (ख) सही; (ग) गलत; (घ) गलत; (ङ) गलत

5.

वे नीचे	छोटी लकड़ी को हिलाया।
बढ़ई खाना खाने गए	दुम काट दी।
बंदर ने बीच की	देख रहे थे।
बढ़ई ने बंदर की	दोपहर में

6. (क) एक बार कुछ बंदर पेड़ की डालियों पर बैठे थे।
   (ख) वे नीचे देख रहे थे। नीच कुछ बढ़ई लकड़ी काट और चीर रहे थे और कुछ दूसरे काम कर रहे थे।
   (ग) बंदर ने बीच की छोटी लकड़ी को हिलाया और उसे बाहर निकाल लिया।
   (घ) दोनों भागों को अलग रखने के लिए एक पच्चर (छोटी लकड़ी) उनके बीच लगा दी गई थी।
   (ङ) बंदर ने बीच की छोटी लकड़ी को हिलाया और उसे बाहर निकाल लिया। उसकी दुम चिरे हुए गट्ठे में फँस गई।
   (च) एक बढ़ई आरी लेकर उसके पास आया। उसने बंदर की दुम काट दी।
7. (क) बंदर; (ख) दर्द; (ग) डालियों; (घ) पूँछ; (ङ) दोपहर; (च) फँस
8. (क) माँ ने सब्जी काट कर फ्रिज में रख दी।
   बढ़ई काठ के खिलौने बना रहा था।
   (ख) लंगूर की पूँछ काफी लंबी होती है।
   बूढ़े ने मुझसे पता पूछ लिया।
   (ग) रीया, बाहर देखो वहाँ कौन है।
   बसंत के मौसम में फूलों पर बहार आ गई।
9. (क) छोड़कर; (ख) देखकर; (ग) चढ़कर; (घ) चीरकर; (ङ) पाकर; (च) उतरकर
10. (क) ऊपर; (ख) बड़ी; (ग) दूर; (घ) जाना; (ङ) अनेक; (च) अन्दर
11. ज़ गज़ब ज़ायका ज़ुल्फ
    फ़ फ़रियाद फ़र्ज फ़र्क

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-3 छींका-छींक

1. (क) उसकी बड़ी नाक की वजह से लोग उसको बड़नक्कू कहते थे।
   (ख) छुटनक्कू की नांक बिलकुल छोटी-सी थी।
   (ग) बड़नक्कू की बड़ी-सी नाक देखकर छुटनक्कू को गुस्सा आया।
2. (क) ii; (ख) iii; (ग) iii; (घ) i
3. (क) सही; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) गलत; (ङ) गलत
4.

छुटनक्कू	अपनी नाक की प्रशंसा
बड़नक्कू	खड़खड़ाकर
खिड़की दरवाजे	लाल मिर्च

5. (क) पसंद, बड़ाई; (ख) लाल; (ग) मिर्च; (घ) बड़नक्कू
6. (क) बड़नक्कू को अपनी नाक इतनी पसंद थी कि वह उसकी बड़ाई किया करता था।
   (ख) छुटनक्कू की नाक बिलकुल छोटी-सी थी, जो उसको बहुत बुरी लगती थी। वह जब किसी से मिलता तो अपना चेहरा छिपाने की कोशिश करता ताकि उसकी छोटी-सी नाक देखकर कोई उसका मजाक न उड़ाए।
   (ग) छुटनक्कू बाजार में बड़नक्कू से मिला।
   (घ) उसने मुट्ठीभर लाल मिर्च निकाली। जैसे ही बड़नक्कू ने अपनी नाक आगे की, छुटनक्कू ने मिर्च भरे हाथ से उसकी नाक पकड़ ली।
   (ङ) दोनों के सिर धड़ाम से टकरा गए थे। इतनी जोर से टकराए कि उनका छींकना ही रुक गया।
7. (क) शहर; (ख) छोटी; (ग) धीरे-से; (घ) नापसंद; (ङ) पतली; (च) रोना
8. (क) आ + द् + अ + म् + ई
   (ख) ज् + अ + म् + ई + न् + आ
   (ग) ब् + आ + ज + आ + र + अ
   (घ) श् + अ + र + ई + र + अ
   (ङ) म् + इ + र् + च् + अ
   (च) छ् + ई + अं + क् + अ + न् + आ
9. (क) गया; (ख) आ गया; (ग) रहता था; (घ) पकड़ ली
10.

हाथ	नाक
खिड़की	पाँव
लंबी	मिर्च
लाल	दरवाजे

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-4 बैल की अकल

1. (क) पंडित भट्टाचार्य सीधे-सादे, भले, शिष्ट, सौम्य किस्म के आदमी थे।
   (ख) भट्टाचार्य को सरसों के तेल की जरूरत पड़ी।
   (ग) उसके गले में एक घंटी लटक रही है।
2. (क) iii; (ख) ii; (ग) ii
3.

पंडित जी	घंटी
बैल	तेल नापना
तेल	सीधे-सादे, भले शिष्ट
कोल्हूवाला	सरसों

4. (क) सरसों; (ख) घानी; (ग) टूँ-टँग-टूँग; (घ) आश्चर्य; (ङ) सहलाते
5. (क) पंडित ने लड़के से; (ख) लड़के ने पंडित से; (ग) पंडित ने लड़के से; (घ) लड़के ने पंडित से; (ङ) पंडित ने अपनेआप से
6. (क) पंडित भट्टाचार्य सीधे-सादे, भले, शिष्ट, सौम्य किस्म के आदमी थे। उनके घर सरसों के तेल की ज़रूरत आन पड़ी है इसलिए वे तेल खरीदने कोल्हू पर आए।
   (ख) कोल्हूवाले के घर पर बड़ी-सी घानी है। एक बैल उसे घुमा रहा है। उसके गले में एक घंटी लटक रही है। बैल चलता जाता और घानी भी उसके संग घूमती रहती और सरसों से तेल पिरता रहता। बैल के गले की घंटी टूँ-टँग-टूँग करती रहती।
   पंडित रोज़ आते और यह देखते पर आज उनको अचानक गहरा आश्चर्य हुआ।
   (ग) कोल्हूवाले ने कहा, ''वहाँ सरसों के बीज रखते हैं। सरसों के बीज पर दवाब पड़ता है और उससे तेल निकलता है।''
   (घ) उस बेचारे बैल की तो खैर नहीं। जैसे ही वह रुकेगा कि घंटी बजना बंद हो जाएगी और उसी वक्त कोल्हूवाले का लड़का उसे भगाने चला आएगा। सोचते-सोचते अचानक उन्हें सूझा, 'अच्छा, अगर वो बैल एक ही जगह खड़ा रहकर सिर्फ सिर हिलाता रहे तो भी घंटी बजती रहेगी। फिर कोल्हूवाले के लड़के को कैसे पता चलेगा कि बैल चल रहा है कि खड़ा हो गया है।'
   (ङ) कोल्हूवाला उस समय तेल नाप रहा था। उसने मुड़कर पंडित की ओर देखा और बोला, ''मेरा बैल क्या शास्त्र पढ़कर पंडित बना है कि उसका इतना दिमाग होगा? ना तो वह आपकी पाठशाला में गया है, न ही उसने शास्त्र पढ़ा है और फिर बैल को इतनी अकल कहाँ होती है?''
7. (क) बैल बेचारा भारी गाड़ी को मुश्किल से खींच पा रहा था।
   परम के घर में अंगूर की बेल लगी है।
   (ख) भैंस के गले में घंटी बँधी थी।
   कल ही शाम यह दुर्घटना घटी है।
   (ग) राम लाल का बेटा शास्त्र पढ़ चुका है।
   हमारी तो कलम ही सबसे बड़ा शस्त्र है।
8. (क) ज्ञाता; (ख) नैन/नयन; (ग) विद्यालय; (घ) साधारण; (ङ) समय; (च) संगत
9. (क) घंटी बजती रहती है।

(ख) तेल कैसा होता है?

(ग) वे आँखें फाड़े देखते रह गए।

(घ) पंडित जी को भारी चिंता हुई।

(ङ) कामचोरी करके घंटी बजाना यानी?

10. (क) सीधे-सादे; (ख) हिलाते-डुलाते; (ग) आते-जाते; (घ) टूँ-टँग-टूँग

11. (क) सीधे-सादे; (ख) भले; (ग) शिष्ट; (घ) सौम्य

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-5 सपने क्यों हैं आते!

1. (क) कविता का शीर्षक है ''सपने क्यों हैं आते है।''

(ख) कविता में सपनो की बात पर चर्चा की गई है।

(ग) हाँ, हम भी सपने देखते है।

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii

3. (क) **प्यारी दादी** घर जब आती
ढेर खिलौने भरकर लाती
कुछ खो जाते, कुछ रह जाते
मम्मी सपने क्यों हैं आते!

(ख) **चाँद सितारे** जुगनू सारे
देखो लगते कितने प्यारे
यह सब मेंरा **मन बहलाते**
मम्मी, सपने **क्यों है आते**!

4. (क) प्यारी दादी, (ख) खिलौने, (ग) परियों, (घ) रंग-बिरंगे

5. (क) बच्चा अपनी माँ से पूछ रहा है कि कभी सुलाने वाले कभी हँसाने वाले सपने क्यों आते हैं?

(ख) बच्चा परियों के देश में रंग-बिरंगे फूल चूमता हुआ देखता है।

(ग) बच्चों को सपनों का देश सुहाना लगता है।

(घ) जुगनू, चाँद, सितारे सब मिलकर इतने सुंदर लगते है कि बच्चे का मन बदल जाता है।

(ङ) सपने में बच्चे की प्यारी दादी खिलौने लेकर आती है।

6. (क) म्मी; (ख) परी; (ग) खिलौने; (घ) फूल-चूमना; (ङ) जुगनू; (च) मधुर-मिलन

7. (क) मान्या दिन में सपने देखती है।

(ख) यश के पास बहुत सारे खिलौने हैं।

(ग) मुसकराना सेहत के लिए लाभदयाक है।

(घ) आज का दिन बहुत ही सुहाना है।

(ङ) जंगल में दीपक का प्रकाश जुगनू की भाँति लग रहा था।

8. (क) पुल्लिग; (ख) पुल्लिग; (ग) पुल्लिग; (घ) स्त्रीलिंग; (ङ) स्त्रीलिंग; (च) पुल्लिग; (छ) स्त्रीलिंग; (ज) पुल्लिग

9. (क) राशि, चाँद; (ख) पुष्प, सुमन; (ग) आनंद, हर्ष; (घ) विहग, पखेरू; (ङ) कानन, वन

10. (क) दासी; (ख) रानी; (ग) स्त्री; (घ) सेविका; (ङ) वीरांगना; (च) भगवती

11. (क) निदर्यी; (ख) आस्थिर; (ग) अनंत; (घ) असीमित; (ङ) सत्यवादी

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-6 अक्लमंद बकरी

1. (क) ताजमहल आगरा में स्थित है।

(ख) हरप्रीत की नानी के गाँव का नाम चंदनपुर है।

(ग) हरप्रीत कौर ने खेतों से गन्ने तोड़कर खाए।

(घ) हरप्रीत के नाना जी गाँव के जमींदार थे।

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) i; (घ) iv

3. (क) हरप्रीत कौर ने आस्था को पत्र लिखा है।

(ख) स्त्रियाँ साड़ी और लहँगा-चुनरी पहनती हैं।

(ग) हरप्रीत ने आस्था को बताया कि, सबसे आश्चर्य भरी बात यह है कि गाँव के लोग 'बेड-टी' नहीं लेते। बल्कि सुबह गरम-गरम दूध पीते हैं और नहा-धोकर पूजा करते हैं। वे लोग सादा जीवन बिताते हैं और बहुत परिश्रमी होते हैं। स्त्रियाँ घर का काम करती हैं और सभी पुरुष बहुत सवेरे ही काम पर चले जाते है।

(घ) सभी बच्चे पकड़म-पकड़ाई, रस्सी कूदना, खो-खो, पोशमपा-भई-पोश्मपा, चोर-सिपाही, गुल्ली-डंडा व पतंगबाज़ी इत्यादि खेल खेलते हैं।

(ङ) वहाँ सड़क के दोनों ओर लहलहाते खेत थे। हरे-भरे खेत बहुत ही अच्छे लग रहे थे। मैंने भी खेतों से गन्ने तोड़कर खाए। यह मेरी ज़िंदगी का पहला रोमांचक अनुभव था जब मैंने कोई चीज़ अपने हाथ से खेत से उखाड़कर खाई थी। मेरी नानी ने मुझे अपने हाथ से कपड़ सिलकर दिए हैं। इन चार दिनों में मेरी बहुत-सी सहेलियाँ भी बन गई थीं। मेरा मन गाँव छोड़कर आने के लिए बिलकुल नहीं कर रहा था।

4. (क) कर्म; (ख) कार्य; (ग) चर्म; (घ) धर्म; (ङ) सर्हष; (च) उत्कर्ष

5. (क) सर्दी में दिन बहुत ही छोटे होते हैं।
हमें दीन-हीन लोगों की मदद करनी चाहिए।

(ख) ये फूल तो बहुत ही कम हैं।
दिवाली के दिनों में काम बहुत ज्यादा हो जाता हैं।

(ग) शाम को हम लोग घूमने गए थे।
कृष्ण जी तो बड़े ही श्याम सलोने हैं।

(घ) किसान ने गाँव में पक्का मकान बनवाया।
यह सब्जी तो पकी हुई है।

6. (क) रहा है; (ख) पक्की; (ग) करती है; (घ) खाए; (ङ) रहे थे

7.

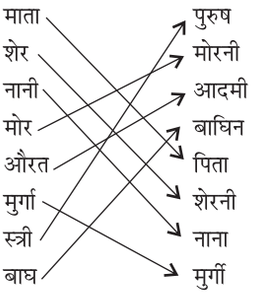

8. (क) भरे; (ख) कुरता; (ग) डंडा; (घ) चुनरी; (ङ) पकड़ाई; (च) सामने

9.

गाँव	☐	परिश्रमी	☑	जमींदार	☐	गरम	☑
रोमांचक	☑	पेड़	☐	शरारती	☑	खेत	☐
पगड़ी	☐	पक्की	☑	सादा	☑	टेलीफोन	☐

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-7 लड़ाई का खेल

1. (क) ''आ बैल मुझे मार'' कहावत का अर्थ मुसीबत को बुलाना है।

(ख) रंजन और दिनेश ने बाहुवली फिल्म देखी।

(ग) रंजन और दिनेश एक भरी-पूरी सड़क पर लड़ने लगे।

2. (क) iv; (ख) ii; (ग) i

3. (क) सही; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) गलत; (ङ) गलत

4. (क) फाइटिंग; (ख) गुत्थमगुत्था; (ग) माथा; (घ) नुकसान

5. (क) रंजन और दिनेश पर फिल्म बाहुवली का जादू चढ़ा था।

(ख) वह दोनों फाइटिंग-फाइटिंग खेलते हैं।

(ग) वो बोला, ''हाँ बेटे, हमको पता है कि इसने आपकी पेंसिल ले ली होगी। आखिर बच्चों की लड़ाई का और क्या कारण हो सकता है।''

(घ) दूसरे ने समझाया, ''लड़ाई से बरबादी ही होती है।'' तीसरा बोला, ''लड़ाई में जीतनेवाले को भी फायदा नहीं होता।''

''लड़ाई से कायर लोग डरते हैं। शांति-शांति करने से देश का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।''

(ङ) दिनेश और रंजन ने लड़ाई का जो खेल शुरू किया था, वे अब राष्ट्रीय समस्या बन चुका था।

6. (क) उत्तर, लघुत्तर; (ख) वक्क, घुमक्कड़; (ग) अन्न, पन्ना; (घ) नीरस, रसना; (ङ) बच्चा, सच्चा

7. (क) बाहर लोग जमा हैं।
(ख) दिनेश स्कूल से लौट रहा है।
(ग) इसने पेंसिल ले ली है।
(घ) बात कहने का मौका ही नहीं मिल रहा हैं।
(ङ) वे भीड़ के बीचों-बीच फँसे हैं।

8. (क) दुकान + दार = दुकानदार
(ख) रस + दार = रसदार
(ग) सर + दार = सरदार
(घ) जोर + दार = जोरदार

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 तोता और चने की दाल

1. (क) तोता घूमने शहर में जा रहा था।
(ख) तोते को खूँटे पर चना मिला।
(ग) तोता सर्वप्रथम बढ़ई के पास गया।

2. (क) i; (ख) iv; (ग) ii; (घ) ii

3. (क) तोते ने बढ़ई से; (ख) हाथी ने तोते से; (ग) तोते ने साँप से; (घ) पानी ने हाथी से; (ङ) साँप ने लाठी से

4. (क) शहर; (ख) खूँटे; (ग) दाल; बढ़ई (घ) चींटी; (ङ) चीरा, निकाल

5. (क) गलत; (ख) सही; (ग) सही; (घ) सही; (ङ) गलत

6. (क) चने की एक दाल खूँटे में घुस गई।
(ख) ''आप खूँटा चीरकर दाल निकाल दीजिए।''
(ग) तोता साँप के पास पहुँचा और बोला, ''तुम रानी को डसो।''
(घ) तोता वहाँ से भागा और लाठी से बोला, ''तुम साँप को मारो, फिर वह रानी को डसे, रानी राजा को छोड़ दे तो राजा बढ़ई को मारे तो बढ़ई दाल निकाले।''
(ङ) तब तोता पानी के पास गया और बोला, ''तुम आग को बुझाओ।''
(च) तोता सहायता के लिए बढ़ई के पास, राजा के पास, रानी के पास, साँप के पास, लाठी के पास, आग के पास, पानी के पास, हाथी, क पास, अंत में चींटी के पास गया था।
(छ) अंत में चींटी ने तोते की सहायता की।

7. (क) लौकी, (ख) गाय, (ग) उल्लू, (घ) पानी, (ङ) खरगोश

8. (क) तोते; (ख) लाठियाँ; (ग) चने; (घ) रानियाँ; (ङ) खूँटे; (च) चीटियाँ

9.

ड	डसे	डमरू	डंडा
ड़	चना	चने	रानियाँ
ढ	ढाल	ढक्कन	ढलान
ढ़	बढ़ई	बढ़ाई	पढ़ाई

10.

मिट्टी के बर्तन बनाने वाला	कुम्हार
सोने के आभूषण बनाने वाला	सुनार
कपड़े सिलने वाला	दर्जी
पत्र लाने वाला	डाकिया
खेती करने वाला	किसान
लोहे का काम करने वाला	लुहार

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-9 वर्षा तुमको आना है

1. (क) कवि वर्षा को बुला रहा है।
(ख) 'नभ में धनुष सजाना है', से कवि का आशय आकाश में इंद्रधनुष बनाना है।
(ग) कवि वृक्ष काटने के लिए मना कर रहा है।

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) ii; (घ) iii

3. (क) कवि वर्षा से जल बरसाने के लिए कह रहा है।
(ख) बिजली से चमकने के लिए तो कह रहा है मगर गिरने के लिए मना कर रहा है।
(ग) 'हम अब रोकें, इतना पानी, संकट न गहराना है' से आशय है कि हम जल का संरक्षण करें और उसे व्यर्थ न करें।

4. (क) जाना; (ख) धूप; (ग) भरी; (घ) हर्षा; (ङ) दमके; (च) मनुष्य

5. (क) बरसात, बारिश, मेघा; (ख) सरिता, तटिनी, तरंगिणी; (ग) आकाश, गगन, अंबर; (घ) विद्युत, दामिनी, चंचला

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-10 खुश आदमी की कमीज़

1. (क) राजा खुश नहीं था।
(ख) राजा का इलाज करने के लिए एक से बढ़कर एक अच्छे वैद्यों को बुलाया गया।
(ग) एक भिखारी को पाकर सैनिक अभिभूत हो गए।

2. (क) i; (ख) iii; (ग) i; (घ) iii

3. (क) वैद्य, मर्ज; (ख) खुश; (ग) अभिभूत; (घ) प्रसन्नचित्त

4. (क) गलत; (ख) सही; (ग) गलत; (घ) सही

5. (क) उसे यह लगने लगा कि वह बीमार है।
(ख) ''यदि महाराज एक रात्रि के लिए किसी खुश आदमी की कमीज़ पहनकर सोएँ तो उनकी बीमारी दूर हो सकती है।''
(ग) तभी सैनिकों को गाँव के द्वार पर एक भिखारी मदमस्त लेटा हुआ दिखाई पड़ा जो अपनी मस्ती में सीटी बजा-बजाकर, हँस-हँसकर गाना गाता हुआ लोटपोट हुए जाता था। वह अत्यधिक प्रसन्नचित्त जान पड़ता था।
(घ) ''मैं अवश्य ही अपनी कमीज़ दे देता पर... ! मेरे पास तन ढकने के लिए भी वस्त्र नहीं हैं।''
(ङ) सैनिकों ने यह समाचार दिया कि उन्हें एक व्यक्ति मिला जो पूर्णतया प्रसन्न व संतुष्ट है लेकिन उसके पास तन ढकने को वस्त्र नहीं हैं।
(च) अब राजा जीवन का गूढ़ तत्व समझ गया। वह अपने व्यर्थ के भ्रम को छोड़कर जनता की भलाई में लग गया। अब राजा व प्रजा दोनों सुखी थे।

6. (क) कटोरियाँ; (ख) सीढियाँ; (ग) ताँगे; (घ) नदियाँ; (ङ) दरवाजे; (च) घंटियाँ; (छ) कपड़े; (ज) दवाइयाँ

7. (क) ब + ई + म + आ + र + ई
(ख) ई + श + व् + अ + र् + अ
(ग) स् + अ + अं + त् + उ + ष् + ट + अ
(घ) भ + इ + ख + आ + र + ई

8. (क) दुखी; (ख) नकद; (ग) स्वस्थ; (घ) असंतुष्ट; (ङ) रानी; (च) निर्धन

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 तीन बिल्लियाँ

1. (क) तस्वीर में तीन बिल्लियाँ रहती थीं।
(ख) चित्रकार सो जाता तब तीनों बिल्लियों में आराम से बैठने की कशमकश शुरू हो जाती। वे इधर खिसकतीं, उधर घूमतीं, मुड़तीं, कुलबुलातीं, सटपटातीं... यानी कुछ ठीक से बैठ पाने के लिए जो कुछ कर सकती थीं, कर लेतीं।
(ग) चित्रकार तीनों बिल्लियों के पीछे भागा।

2. (क) iii; (ख) i; (ग) iii
3. (क) तस्वीर; (ख) चित्रकार; (ग) सिमट कर; (घ) दोस्ताना
4. (क) एक-एक कर फिर तीनों बिल्लियाँ बाहर कूद आईं। चित्रकार गुस्से से पागल हो रहा था।
   (ख) अचानक बिल्लियों को लगने लगा कि वे सिमटकर बक्से के आकार ही हुई जा रही हैं, जैसे उन्हें तस्वीर से काट के निकाला जा रहा हो।
   (ग) पहली बिल्ली सबसे तेज़ दौड़ रही थी और दौड़ते-दौड़ते जंगल में पहुँच गई। और बन गई बड़ी बिल्ली... वह बिल्ली जो खुद दिखे बगैर बस देख पाती है।
   (घ) दूसरी बिल्ली रात सरीखी काली थी। सो वह अँधेरे में छिप गई और नदी में छलाँग लगा दी ताकि बेपवाह मछलियों को पकड़ सके।
   (ङ) तीसरी बिल्ली छुटंकी थी। डरी हुई थी और चाहती थी कि लोगों के साथ ही रहे जो उसे उस विशाल, गुस्सैल चित्रकार से बचा सकें। इसलिए वह एक खूब सारे बच्चों वाले घर में घुस गई।
   (च) ध्यान रखा कि उसकी पेटिंग में बहुत सारी खाली जगह हो ताकि वहाँ की बिल्लियाँ आराम से फैल-फूलकर खेल सकें, बड़ी हो सकें। उन्हें पेटिंग छोड़कर भागना न पड़े।
5. (क) यश और मान्या दौड़ते-दौड़ते थक गए।
   (ख) सीमा को दुःख भरी बात सुन कर झटका-सा लगा।
   (ग) मैं सुशीला की बातें सुनते-सुनते बोर हो गई।
6. (क) घुड़सवार; (ख) नाविक; (ग) कुम्हार; (घ) सुनार; (ङ) दर्जी
7. (क) चिल्लाहट, बिल्ला; (ख) हिस्सा, किस्सा; (ग) अन्न, भिन्न; (घ) बच्चा, कच्चा; (ङ) सम्मान, मम्मी
8. (क) मछलियाँ; (ख) दरवाजे; (ग) बिल्लियाँ; (घ) तसवीरें; (ङ) कहानियाँ; (च) कमरे

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 एक पते की बात

1. (क) घर के मुखिया का गुज़ारा एक छोटी दुकान से चलता था।
   (ख) संत ने खबर फैला दी कि उसे बाघ ने अपना भोजन बना लिया है।
   (ग) घर के मुखिया के वापस आने पर उसकी पत्नी ने उससे कहा कि हमें तुम्हारी जरूरत नहीं है। अब हम पहले से ज्यादा सुखी हैं।
2. (क) iii; (ख) ii; (ग) i; (घ) ii
3. (क) संत ने सत्संग से; (ख) मुखिया ने संत से; (ग) पत्नि ने मुखिया से
4. (क) सतंप्त; (ख) नौकरी; (ग) छिपता-छिपाता; (घ) अभिमान
5. (क) एक घर के मुखिा को यह अभिमान हो गया कि उसके बिना उसके परिवार का काम नहीं चल सकता।
   (ख) ''दुनिया में किसी के बिना किसी का काम नहीं रुकता। यह अभिमान व्यर्थ है कि मेरे बिना परिवार या समाज ठहर जाएगा। सभी को अपने भाग्य के अनुसार प्राप्त होता है।''
   (ग) संत ने यह बात फैला दी कि उसे बाघ ने अपना भोजन बना लिया है।
   (घ) एक सेठ ने उसके बड़े लड़के को अपने यहाँ नौकरी दे दी। गाँववालों ने मिलकर लड़की की शादी कर दी।
   एक व्यक्ति छोटे बेटे की पढ़ाई का खर्च देने को तैयार हो गया और उनके दिन फिर मज़े में गुजरने लगे।
   (ङ) एक महीने बाद मुखिया छिपता-छिपाता रात के वक्त अपने घर आया।
   घरवालों ने भूत समझकर दरवाज़ा नहीं खोला। जब वह बहुत गिड़गिड़ाया और उसने सारी बातें बताईं तो उसकी पत्नी ने दरवाज़ें के भीतर से ही उत्तर दिया—
   ''हमें तुम्हारी जरूरत नहीं है। अब हम पहले से ज़्यादा सुखी हैं।''
   उस व्यक्ति का सारा अभिमान चूर-चूर हो गया।
6. हक्का-बक्का होना → हैरान रह जाना
   पेट में चूहे कूदना → बहुत भूख लगना
   बाएँ हाथ का खेल → अत्यंत सरल काम
   घी के दीये जलाना → खुशियाँ मनाना
   काला अक्षर भैंस बराबर → एकदम अनपढ़
7. (क) छल, किवाड़; (ख) फर्क, भीतर; (ग) ठीक, ऊपर कहा हुआ; (घ) काम, सिलसिला
8. (क) अस्वस्थ; (ख) उपजाऊ; (ग) खुश; (घ) सूक्ष्म; (ङ) सुख; (च) बातून
9. (क) दर्द, दुख, कष्ट; (ख) पक्षी, खग, विहग; (ग) शांत, चुप, स्थिर
10. चहचहाना - चहचहाहट — सरसराना — **सरसराहअट**
    गुनगुनाना - गुनगुनाहट — थरथराना — **थरथराहट**
    फड़फड़ाना - फड़फड़ाहट — तिलमिलाना — **तिलमिलाहट**

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-13 घी की मटकी

1. (क) बिल्ली कलूटी थी।
   (ख) छींके पर मटकी रखी थी।
   (ग) अम्मा की झपकी टूटते ही बिल्ली पछताई।
2. (क) iv; (ख) iii; (ग) i
3. बिल्ली आई **एक कलूटी**।
   छींके ऊपर देखी मटकी।
   कूदी लपकी उछली लटकी।
   यहाँ चढ़ी **वहाँ से टपकी**।
   ऊपर-नींचे उलझी-अटकी।
   मगर मिली ना **घी की** मटकी।
4. (क) बिल्ली ने मटकी देखी।
   (ख) मटकी छींके के ऊपर रखी थी।
   (ग) मटकी में घी था।
   (घ) बिल्ली भाग गई क्योंकि अम्मा जाग गई थी।
   (ङ) स्वयं कीजिए।
5. (क) झपकी; (ख) दिल्ली; (ग) फींका; (घ) कम्मा; (ङ) फूंटे; (च) वहाँ
6. बिल्ली कलूटी मटकी कूदी
   लपकी उछली लटकी टपकी
7. (क) कमरे के बीचोंबीच एक छींका टँगा था।
   (ख) समय पर काम कर लो बरना पछताना पड़ेगा।
   (ग) कविता के भाग्य में सुख नहीं है।
   (घ) बस में बैठते ही मेरी झपकी लग गई।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 खिलौनों की दुनिया

1. (क) सोभा सिंह गुड़िया बनाकर लाया था।
   (ख) शोभना का जन्मदिन था।
   (ग) सोनिया दुकान के मालिक की बेटी थी।
2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iv; (घ) iii
3. (क) गलत; (ख) सही; (ग) सही; (घ) गलत
4. (क) खिलौने अपने-अपने डिब्बों से बाहर निकल आते हैं।
   (ख) शेभना ने तेज़ी से खिड़की की ओर दौड़कर गुड़िया को बाहर फेंक दिया।
   (ग) सोनिया गुड़िया को उठाकर ले आई थी।

(घ) बैलरीना ने कहा कि यहाँ तुम सबके साथ कितनी प्रसन्न थी। मत पूछो बाहर की दुनिया का हाल। उस घमंडी लड़की शोभना ने तो मुझे इतनी ज़ोर से फेंका कि अब तक मेरा अंग-अंग दु:ख रहा हैं

5. (क) नौकरानी; (ख) गुड्डा; (ग) मालकिन; (घ) बेटा
6. (क) मालिक, आपने याद किया और मैं हाजिर।
   (ख) क्या तुम मेरी ढपली के साथ नृत्य करोगी?
   (ग) कोई सुंदर-सी गुड़िया दिखाओ।
7. (क) मेरे घर कि चाबी ढूढ़ने के लिए आपका शुक्रिया।
   (ख) अरे! यह तुम क्या कह रहे हो?
   (ग) बंदर ने घर में घुसकर सारा सामान उलट-पुलट कर दिया।
   (घ) वासु बहुत ही घमंडी लड़का है।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-15 नटखट चूहा

1. (क) चूहा बहुत ही नटखट और बड़ा ही चालाक था। एक दिन उसने सोचा-'आज मैं शहर जाऊँगा।
   (ख) रास्ते में उसे एक बड़ी-सी कपड़े की दुकान दिखाई दी।
   (ग) चूहे का गाना सुनकर दुकानदार डर गया।
   (घ) स्वयं कीजिए।
2. (क) iii; (ख) i; (ग) iii; (घ) ii
3. (क) नटखट; (ख) तगआ; (ग) दुकानदार; (घ) बर्बाद; (ङ) कहानी
4. (क) दुकानदार ने चूहे से; (ख) चूहे ने दुकानदार से; (ग) चूहे ने दर्ज़ी से; (घ) राजा ने चूहे से
5. (क) स्कूल में; (ख) नाई की दुकान पर; (ग) कपडे की दुकान पर; (घ) मिठाई की दुकान पर
6. (क) सही; (ख) गलत; (ग) गलत; (घ) सही; (ङ) सही
7. (क) हाँ, चूहा सचमुच नटखट था।
   (ख) ''रातों-रात मैं आऊँगा
   अपनी सेना लाऊँगा
   तेरे कपड़े कुतरूँगा।''
   (ग) ''अरे, चल यहाँ से। मुझे बेवकुफ़ बनाने की कोशिश न कर। एक चूहे को सितारों से क्या मतलब?''
   (घ) नटखट चूहा राजमहल में राजा के पास जा पहुँचा।
   वह राजा के सामने जा खड़ा हुआ। राजा अचानक चूहे को देखकर बहुत हैरान हुआ। उसने पूछा-''अरे, तुम यहाँ क्या कर रहे हो?''
   चूहे ने कहा-''महाराज, पहले यह बताइए कि मैं इस टोपी में कैसा लग रहा हूँ?''
   राजा ने उत्तर दिया-''वाह, तुम तो राजकुमार लग रहे हो।''
   चूहा झटपट बोला-''अच्छा, तो फिर उतरों गद्दी। यहाँ मैं बैठूँगा।''
   (ङ) ''रातों-रात मैं आऊँगा अपनी सेना लाऊँगा तेरे कान कुतरूँगा।'' राजा ने सोचा-'चूहों की फौज तो पूरे महल को तहस-नहस कर देगी।' वह डर से काँपने लगा।
   (च) कपड़े वाले ने, दर्ज़ी ने, सितारे वाले ने चूहे की बात पर ध्यान नहीं दिया क्योंकि वह एक चूहा था।
8. (क) बादल; (ख) इमारत; (ग) आम; (घ) लड़की; (ङ) चूहा
9. (क) गगन; (ख) पर; (ग) खबसूरत; (घ) रक्त ; (ङ) मेघ; (च) दु:खी

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-16 नन्हा पेड़

1. (क) जंगल में एक छोटा-सा पेड़ था।
   (ख) छोटे पेड़ की इच्छा थी कि काश उस पर भी पत्ते होते।
   (ग) नहीं, छोटा पेड़ अपनी इच्छाओं के पूर्ण होने से संतुष्ट नहीं था।
   (घ) दुखी होकर उसने कहा, ''नहीं चाहिए मुझे पत्ते - न काँच के, न सोने के, न हरे। इन पत्तों से तो मेरे पुराने काँटे ही अच्छे थे।''
2. (क) ii; (ख) i; (ग) i
3. (क) मुझे; (ख) सुनहरे; (ग) ज़ोर-ज़ोर से; (घ) नहीं चाहिए मुझे पत्ते; (ङ) काँटे
4. (क) लेकिन नन्हा पेड़ सबसे अलग था। दूसरे पेड़ों पर तो हरे-भरे पत्ते थे लेकिन इस पेड़ पर सिर्फ काँटे थे।
   (ख) छोटे पेड़ को यह बहुत बुरा लगता। वह सोचता सभी मुझसे डरते हैं। काँटों के डर से कोई मुझे छूता तक नहीं।
   (ग) एक आदमी आया। उसने देखा यहाँ तो सोने के पत्ते लगे हैं। चुपके-चुपके उसने सारे पत्ते तोड़कर थैली में भर लिए।
   (घ) तभी न जाने कहाँ से तेज़ आँधी आई और पूरा जंगल हिलने लगा। बड़े-बड़े पेड़ तक ज़ोर-ज़ोर से हिलने लगे। इसी तेज़ हवा में छोटे पेड़ के काँच के पत्ते झड़-झड़कर चकनाचूर हो गए।
   (ङ) दुखी होकर उसने कहा, ''नहीं चाहिए मुझे पत्ते - न काँच के, न सोने के, न हरे। इन पत्तों से तो मेरे पुराने काँटे ही अच्छे थे।''
5. (क) अच्छा; (ख) बिलकुल; (ग) गायब; (घ) सुनहरा; (ङ) पुराना; (च) सचमुच
6. (क) निर्बल; (ख) आगे; (ग) अशुद्ध; (घ) मृत्यु; (ङ) पराया; (च) सुखी
7. (क) दिल्ली में आज भी बारिश हो रही है।
   (ख) दीपा का कुर्ता बहुत ही चमकीला है।
   (ग) रीना चुपके-चुपके अपनी दादीकी बात सुनती है।
   (घ) अमन ने शीशे को गिराकर चकना चूर कर दिया।
8. (क) फुदकना, फुदकता; (ख) पढ़ना, पढ़ता; (ग) चलना, चलता; (घ) बढ़ना, बढ़ता

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-17 क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया

1. (क) गुरुजी गेहूँ पिसवाने जा रहे थे।
   (ख) गुरुजी के थैले में गेहूँ था।
   (ग) आटे से रोटी बनती है।
2. (क) iv; (ख) iii; (ग) iii
3. (क) गुरुजी गेहूँ पिसवाने के लिए जा रहे थे।
   (ख) गुरुजी आटे की रोटी बनाते।
   (ग) गुरूजी के हाथ में गेहूँ की थैली देखकर शिवदास ने अपनी साइकिल दे दी।
   (घ) भूले-भटके कभी दोनों से एक साथ मुलाकात हो गई तो क्यों और कैसे के बीच ही भटकते रहेंगे आप। क्यों-क्यों-क्यों? कैसे-कैसे-कैसे।
4. (क) स्त्रीलिंग; (ख) पुल्लिग; (ग) पुल्लिग; (घ) पुल्लिग; (ङ) स्त्रीलिंग; (च) स्त्रीलिंग
5. चुटकीभर → नमक
   एक मुट्ठी → आटा
   एक चम्मच → पानी
   चुल्लूभर → शहद

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-1 मन के भोले-भोले बादल

1. (क) अत्यधिक वर्षा से नदी-नालों में बाढ़ लाते होंगे।
   (ख) जब बादल गरजते हैं तो ऐसा लगता है मानों वे ढोल बजा रहे हों।
   (ग) बार-बार वर्षा करके बादल शैतानियाँ करते है।
   (घ) बरसात के पानी को संचित करके बाद में उसका प्रयोग किया जा सकता है।
2. (क) vi; (ख) iv; (ग) i; (घ) i; (ङ) iii
3. (क) कुछ जोकर-से तोंद फुलाए
   कुछ हाथी-से सूँड़ उठाए
   कुछ ऊँटों-से कूबड़ बाले
   कुछ परियों-से पंख लगाए
   (ख) कुछ तो लगते हैं तूफानी
   कुछ रह-रह करते शैतानी
   कुछ अपने थैलों से चुपके
   झर-झर-झर बरसाते पानी
4. (क) साल के जुलाई, अगस्त, सितम्बर महीनों में ज्यादा बादल आते हैं।
   (ख) हाँ, कविता में काले बादलों की बात की गई है। बादल सचमुच काले होते हैं।
   (ग) जब बादल तेजी से आते-जाते हैं और घनघोर वर्षा करते हैं बादलों को तूफानी कहा जाता है।
   (घ) बादलों की कोई बनावट नहीं होती। कुछ बादल झब्बर-झब्बर बालों वाले, कुछ गुब्बारे जैसे और कुछ काले-काले होते हैं।
   (ङ) जब बादल जल की वर्षा करते हैं तो ऐसा लगता है जैसे मानो वे अपने थैलों से जल निकालकर बरसात कर रहे हों।
5. (क) नभ, अंबर, गगन; (ख) मेघ, घन, जलघर; (ग) गज, गजानन, कुंजर
6. (क) नदियाँ; (ख) गुब्बारे; (ग) थैलियाँ; (घ) बादल; (ङ) शैतानियाँ; (च) परियाँ
7. (क) आसमान में पक्षी उड़ते हुए कितने अच्छे लग रहे हैं।
   (ख) कल नदी में कम ही मछलियाँ तैर रही थीं।
   (ग) यश बहुत ही नेक दिल बच्चा है।
   (घ) काले-काले बादल आ रहे हैं, छाता ले लो।
   (ङ) केरल की बाढ़ के कारण जान-माल की बहुत हानि हुई थी।
8. (क) तूफ़ानी (ख) झब्बर (ग) ज़िद्दी (घ) शैतानी
9. (क) थी; (ख) ड़; (ग) स; (घ) रे

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 इक सपना

1. (क) एक रात उसे एक सपना आया। सपने में एक आदमी दिखा। उस आदमी ने उससे कहा, ''तुम्हारी किस्मत काइरो (मिस्त्र की राजधानी) में खुलेगी। वहाँ जाओ।''
   (ख) काइरो मिश्र देश की राजधानी है।
   (ग) आदमी सराय में सो गया।
2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii; (घ) i
3. (क) बगदाद; (ख) सराय; (ग) चारों; (घ) पंथियो; (ङ) वली
4. (क) गलत; (ख) सही; (ग) सही; (घ) सही
5. (क) एक रात उसे एक सपना आया। सपने में एक आदमी दिखा। उस आदमी ने उससे कहा, ''तुम्हारी किस्मत काइरो (मिस्त्र की राजधानी) में खुलेगी। वहाँ जाओ।''
   अत: वह सुबह उठा और सीधे काइरो की तरफ निकल पड़ा।
   (ख) उस रात चोरों की एक मंडली सराय के सहारे उस घर में उतर गई। घर के लोग चोरों की आहट से जाग गए। चीख-पुकार मच गई। शोरगुल सुनकर वली अपने पंथियों की मदद करने आ पहुँचे। पर, वली के पहुँचने से पहले ही चोर घर से भाग चुके थे। वली ने देखा कि सराय में एक आदमी सोया पड़ा है। उन्होंने उसे पकड़ लिया और इतना पीटा कि वह अधमरा हो गया। इसक बाद उस आदमी को जेल में डाल दिया गया।
   (ग) चोर समझकर वली ने आदमी को जेल में डाल दिया।
   (घ) उस आदमी की आँखें चमक उठीं। वली ने अभी-अभी जिस घर का ज़िक्र किया था वह तो उसका अपना घर था।
   (ङ) स्वयं कीजिए।
6. (क) वह काला चोर पुलिस को झाँसा देकर भाग गया।
   (ख) यह नल टपक रहा है, इसकी मरम्मत करवा दो।
   (ग) धमाल फिल्म देखते-देखते मान्या और यश लोटपोट हो गया।
   (घ) राम लाल ने जी तोड़ मेहनत करके यह सफलता अर्जित की है।
7. (क) अधमरा; (ख) संयोग; (ग) अधपका; (घ) संसार; (ङ) अधखिला; (च) संक्रांति
8. (क) जग, जन; (ख) ज़ख्म, ज़िल्लत; (ग) फलक, फसल; (घ) फ़रियाद, फ़ौरन

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-3 शहद के छत्ते

1. (क) गाँव से बाहर पीपल के पेड़ पर शहद के सात छत्ते लगे थे।
   (ख) बच्चे पत्तों के दोने बना रहे थे।
   (ग) शहद इकट्ठा करने की तैयारी के कारण गाँव में हलचल मची थी।
2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii
3. (क) गलत; (ख) सही; (ग) गलत;
4. (क) माहिर; (ख) धोए-सुखाए; (ग) बतियाने; (घ) सन्नाटा; (ङ) दुबककर
5. (क) शहद एकत्रित करने के लिए बच्चे रोज पत्तों के दोने बनाकर रखते थे।
   (ख) कहीं रस्सी से झूले बना रहे हैं। कोई लंबी-लंबी लकड़ियों में कपड़े लपेटकर धूर्रा बना रहे हैं। तेल की कुप्पी में तेल भर दिया है। टीन के पीपे धोए-सुखाए जा रहे हैं। मुँह बंद करके डाट बना रहे हैं। काम वाले कामों में लगे हैं।
   (ग) शहद तोड़ने वालों की टोली निकली। पीपल की घेराबंदी करके नारियल फोड़ा गया। एक बूढ़ा मन-ही-मन कुछ बुदबुदाने लगा।
   (घ) कोई उँगली चाट रहे थे कोई हाथ। जिनको मक्खियों ने काट खाया था वे खुजला भी रहे थे। एक-दो थोड़े सूज-फूल भी गए। पर सब मौज में थे।
   सवेरे गाँव में शहद बँटवारे की पंचायत जुटी। बच्चों ने छककर शहद रोटी खाई। किसी-किसी ने शहद पराँठे का मज़ा लिया और शीशियों में शहद भर-भरकर लोग घर ले गए।
   मोम कुछ ने ही इकट्ठा किया।
   (ङ) आज का दिन त्योहार की तरह लग रहा था।
6. (क) शहद; (ख) दिन; (ग) जागना; (घ) छोटी; (ङ) खुशी; (च) नये; (छ) जबान; (ज) समाधान
7. 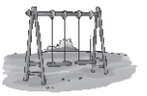 बहुवचन
   एकवचन
   एकवचन
   एकवचन
   बहुवचन
   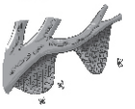 बहुवचन

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ–4 बैल की अकल बूँद–बूँद से घट भरता है

1. (क) रोहन बहुत ही शरारती लड़का था।
   (ख) मोहल्ले के लोग रोहन से परेशान थे।
   (ग) टेलीविजन पर देश के प्रधानमंत्री मोदी जी का एक विज्ञापन आ रहा था, जिसमें वे देश को स्वच्छ रखने के लिए स्वच्छता अभियान के बारे में बता रहे थे।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) iv; (घ) i
3. (क) झगड़ा; (ख) पढ़ाई; (ग) स्वच्छता अभियान; (घ) चाल
4. टी० वी० → विज्ञापन
   रोहन → शरारती
   प्रधानमंत्री → मोदी
   स्वच्छता → अभियान
5. (क) मोदी जी के विज्ञापन से वह बहुत प्रभावित हुआ। उस दिन उसने मन में निश्चय कर लिया कि अब वह भी मोदी जी के इस स्वच्छता अभियान से जुड़ेगा और देश को स्वच्छ करने में उनकी मदद करेगा।
   (ख) एक–एक करके मोहल्ले के सारे लोगों ने रोहन का साथ दिया और सभी सफ़ाई के काम में जुट गए।
   (ग) लोगों को लगा कि रोहन की इसमें भी कोई शरारत होगी और वह उनको परेशान करने के लिए यह सब बोल रहा है।
   (घ) मोदी जी का स्वच्छता अभियान देश को स्वच्छ बनाने की अभियान है।
6. (क) स्वच्छता; (ख) प्रसन्नता; (ग) सुंदरता; (घ) सामाजिकता
7. (क) मैं; (ख) अपने–आप; (ग) वह; (घ) उसका
8. (क) रोहन यह सब जोश में आकर करेगा।
   (ख) रोहन पढ़ाई और खेलकूद में बहुत अच्छा है।
   (ग) अपने आप शांत हो गया।
   (घ) लोग रोहन की बातें सुनकर हँसने लगेंगे।
9. (क) अ + भ् + इ + य् + आ + न् + अ
   (ख) म् + ओ + ह् + अ + ल् + ल् + आ
   (ग) प् + र् + अ + ध् + आ + न् + अ + म् + अ + अं + त् + र् + ई
   (घ) स् + व् + अ + च् + छ् + अ + त् + आ
   (ङ) न् + इ + श् + च् + अ + य् + अ
10. (क) तंग, प्रधानमंत्री, मैं, किंतु, इसमें, बातें
    (ख) डाँटा, हँसने, हूँ, डाँटते, करूँगा, वहाँ, कहाँ

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ–5 सर्दी–गर्मी का गोदाम

1. (क) कवि को एक बड़ा–सा गोदाम चाहिए।
   (ख) सर्दी के आने से पहले कवि गर्मी एकत्र करना चाहता है।
   (ग) गर्मी के आने से पहले कवि सर्दी एकत्र करना चाहता है।
   (घ) जब बहुत ही ज्यादा होती हैं, तब सर्दी और गर्मी दोनों बुरी लगती हैं।
2. (क) iii; (ख) i; (ग) iii
3. (क) गरम हवा जब गुसस में भर
   लगे मारने असह तमाचा
   तब अपना गोदाम खोलकर
   मैं दिखलाऊँ अचरज खासा
   (ख) सर्दी अच्छी गर्मी अच्छी
   मगर ज़्यादा बहुत बुरी है,
   और ज़्यादा सहन न होती
   हवा जिंदगी तेज़ छुरी है
4. (क) गोदाम; (ख) सारी; (ग) गुस्से; (घ) तैयारी
5. (क) कवि कविता में एक गोदाम की माँग कर रहा है ताकि उसमें सर्दी व गर्मी भर सके।
   (ख) कवि गोदाम में सर्दी में गर्मी और गर्मी में सर्दी भरना चाहता है।
   (ग) कवि प्रारंभ में सर्दी आने की तैयारी में लगा हुआ है।
   (घ) कवि सर्दी से लड़ने के लिए सूट–बूट, मलमल के कुरते आदि एकत्रित करना चाहता है।
   (ङ) कवि को अत्याधिक सर्दी व अत्याधिक गर्मी सहन नहीं होती है।
6. (क) चिल्ला; (ख) कुरते; (ग) अचरज; (घ) तमाशा; (ङ) भाषा; (च) तैयारी
7. (क) गर्मी; (ख) गोरा; (ग) सीधा; (घ) नीचा; (ङ) झूठ; (च) दूर
8. (क) कल रात पुलिस ने प्याज के गोदाम पर छापा मारा।
   (ख) हम सभी ने नव वर्ष की तैयारी कर ली है।
   (ग) हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा हैं।
   (घ) कल मेरे मित्रों ने भालू का नाच देखा।
   (ङ) सर्दी का मौसम बहुत ही अच्छा लगता है।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ–6 नटखट गधा

1. (क) नटखटिया हरकतो के कारण गधे का नाम नटखट पड़ गया।
   (ख) कुछ लोग धोबीघाट पर तंबू लगा रहे थे।
   (ग) वे कह रहे थे कि वैसे ही गधों को घास कम मिलती है और अब ये सरकस वाले आ धमके हैं। अब हमारे गधे कहाँ जाएँगे।
   (घ) नटखट ने सरकस का नाम पहली बार सुना था। उसने अपनी बिरादरी के सब लोगों से पूछा, ''सरकस क्या होता है?'' किसी को नहीं मालूम था।
   अंत में वह अपनी बिरादरी में सबसे बुद्धिमान समझे जाने वाले बूढ़े गधे के पास पहुँचा।
2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii; (घ) iv
3. (क) एक धोबी ने दूसरे धोबी से; (ख) बूढ़े गधे ने नटखट गधे से; (ग) नटखट गधे ने बूढ़े गधे से; (घ) मैनेजर ने धोबी से; (ङ) धोबी ने मैनेजर से
4. (क) गलत; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) सही; (ङ) गलत
5. (क) धोबीघाट; (ख) नटखट; (ग) सरकस; (घ) दृश्य; (ङ) पोशाक
6. (क) जब उसका मन करता—चींपों... चींपों करने लगता। बिना कारण ही दुलत्ती झाड़ देता। ऐसी ही तरह–तरह की नटखटिया हरकतों के कारण उसका नाम 'नटखट' पड़ गया था।
   (ख) सरकस वालों ने धोबीघाट के पास वाले मैदान में तंबू लगा दिया।
   (ग) नटखट ने दो धोबियों को आपस में बात करते सुना, ''अरे भैया, वैसे ही गधों को घास कम मिलती है। ऊपर से ये सरकस वाले आ धमके। पूरा मैदान घेर लिया। अब कहाँ चरेंगे गधे हमारे।''
   (घ) नटखट जानना चाहता था कि सरकस क्या होता है।
   (ङ) अंदर का दृश्य देखकर उसे बड़ा मज़ा आया। स्टेज पर अजीब–सी पोशाक पहने लोग घूम रहे थे। एक कोने में बैंड पार्टी बैठी थी।
   स्टेज पर हाथी, भालू, कुत्ते, शेर और तोते भी थे। वे तरह–तरह करतब दिखा रहे थे।
   (च) मैनेजर को देखकर धोबी की घिग्घी बँध गई। वह सोचने लगा, इस गधे की वजह से अब मुझे भी मार पड़ेगी।
   (छ) नटखट ने एक पल सोचा और फिर दौड़कर स्टेज पर जा पहुँचा। स्टेज पर हड़कंप मच गया। जोकर नटखट को पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ने लगे। थोड़ी देर बाद नटखट का मालिक धोबी भी उसे ढूँढ़ता हुआ आ पहुँचा। वह भी उसे पकड़ने के लिए स्टेज पर चढ़ गया।
   अब नटखट आगे और बाकी सब उसके पीछे। एक चक्कर ....., दो

चक्कर....., तीन चक्कर..... आखिरकार जोकर थककर बैठ गए। पर धोबी दौड़ता रहा।

जैसे ही धोबी नटखट के करीब पहुँचता, वह जोर की दुलत्ती झाड़ देता। हर दुलत्ती पर दर्शकों में हँसी का फव्वारा छूट पड़ता।

नटखट और धोबी की धमाचौकड़ी देखकर दर्शकों को मज़ा आया। खासतौर से बच्चों को।

उस दिन नटखट ने जैसे सरकस के खेल में नई जान फूँक दी।

(ज) नटखट को खुशी इस बात की है कि वह धोबी के एक साधारण गधे से सबको हँसाने वाला गधा बन गया है।

7. (क) बुढियाँ; (ख) हथनी; (ग) धोबिन; (घ) कुतिया; (ङ) गधी; (च) शेरनी
8. (क) अजीब-सी पोशाक पहने लोग घूम रहे हैं।
   (ख) वे तरह-तरह के करतब दिखा रहे हैं।
   (ग) सामने के गेट पर तो चौकीदार हैं।
   (घ) जोकर थककर बैठ गया है।
9. (क) तेज; (ख) नौकर; (ग) बाहर; (घ) असाधारण
10. (क) रखवाला; (ख) दर्शक; (ग) जोकर
11. (क) गाँधी बाग में फव्वारा चल रहा था।
    (ख) वर्षा के कारण बाजार में बहुत तेज हड़कप मच गया।
    (ग) कल बच्चों ने मिलकर खूब धमाचौकड़ी मचाई।
    (घ) अमन की दुकान पर बहुत सारे ग्राहक एक साथ आ गए।
    (ङ) स्टेज पर कलाकार पुरस्कार लेने गए थे।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-7 विद्यालय में अनुशासन

1. (क) यह पत्र कुंदन लाल ने लिखा है।
   (ख) यह पत्र मनमोहन को लिखा गया है।
   (ग) पत्र मोती नगर, नई दिल्ली से लिखा गया है।
2. (क) iii; (ख) iv; (ग) ii; (घ) iv
3. (क) कुत्सित; (ख) पतवार; (ग) अनुशासन; (घ) गौरव
4. तुम्हें मार्गदर्शन के लिए — कुछ सुझाव लिख रहा हूँ।
   अनुशासन जीवन का — मुख्य आधार है।
   अनुशासन के अभाव में — हमारा समाज मिट्टी में घरौंदे के समान है।
   अनुशासन का पालन करना — आरंभ में अखरता है।
5. (क) कुंदनलाल मनमोहन का भाई हैं
   (ख) कुंदनलाल को विश्वस्त सूत्रों से पता लगा है कि मनमोहन अनुशासन की अवहेलना करते हुए दुर्विनीत और उद्दंड बनने और उसकी इस कुत्सित प्रवृत्ति को सुनकर कुंदनलाल के हृदय को बड़ी ठेस लगी थी।
   (ग) कुंदनलाल ने यह पत्र मनमोहन का मार्गदर्शन करने के लिए लिखा है।
   (घ) वैसे तो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन का महत्त्व है, पर विद्यालय में इसका महत्त्व सर्वोपरि हैं विद्यालय के प्रत्येक छात्र को अनुशासन का पालन करना चाहिए। क्योंकि यही जीवन में उन्नति का प्रतीक है। अनुशासन के अभाव में हमारा समाज मिट्टी के घरौंदे के समान गिर पड़ेगा।
   (ङ) अनुशासनप्रिय छात्र ही अपने देश के गौरव को बढ़ा सकता है।
6. (क) सदाचार; (ख) विद्यार्थी; (ग) उच्चारण; (घ) भोजनालय; (ङ) सचरित्र; (च) परमात्मा
7. (क) निराशा; (ख) दुराचारी; (ग) आज्ञाकारी; (घ) अवनति; (ङ) परतंत्र; (च) अस्थायी
8. (क) पिछले सप्ताह आशिंका ने मान्या को पत्र लिखा।
   (ख) पतझड़ में इस पेड़ के सारे पत्र झड़ चुके हैं।
   (ग) रजत का परीक्षा परिणाम कल निकलने वाला हैं।
   (घ) अमन ने पेड़ से आम तोड़े।
9. (क) स्व + तंत्र = स्वतंत्र; (ख) अनु + शासन = अनुशासन; (ग) स्व + जन = स्वजन; (घ) अनु + रूप = अनुरूप; (ङ) स्व + राज = स्वराज; (च) अनु + कूल = अनुकूल

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 जैसा सवाल, वैसा जवाब

1. (क) बादशाह अकबर बीरबल को पसंद करते थे।
   (ख) ख्वाजा साहब बीरबल को मूर्ख साबित करना चाहते थे।
   (ग) ख्वाजा साहब ने बीरबल से तीन प्रश्न पूछे।
   (घ) हाँ, बीरबल अकबर के सवालों के जबाव देने में समर्थ था।
2. (क) iv; (ख) iii; (ग) ii; (घ) i
3. (क) गलत; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) गलत; (ङ) सही
4. अकबर बीरबल को — बुद्धिमान बनता है।
   संसार की आबादी — उत्तरों से संतुष्ट थे।
   बीरबल — पसंद करते थें
   बादशाह बीरबल के — कितनी है?
5. (क) बादशाह अकबर अपने मंत्री बीरबल को बहुत पसंद करता था। बीरबल की बुद्धि के आगे बड़े-बड़ों की भी कुछ नहीं चल पाती थी। इसी कारण कुछ दरबारी बीरबल से जलते थे।
   (ख) ख्वाजा साहब की चलती तो वे बीरबल को हिंदुस्तान से निकलवा देते लेकिन निकलवाते कैसे!
   (ग) एक दिन ख्वाजा ने बीरबल को मूर्ख साबित करने के लिए बहुत सोच-विचार कर कुछ मुश्किल प्रश्न सोच लिए।
   (घ) अकबर ने दूसरा प्रश्न किया, ''आकाश में कितने तारे हैं?''
   बीरबल ने एक भेड़ मँगवाकर कहा, ''इस भेड़ के शरीर पर जितने बाल हैं, उतने ही तारे आसमान में हैं। ख्वाजा साहब को इसमें संदेह हो तो वे बालों को गिनकर तारों की संख्या से तुलना कर लें।''
   (ङ) ख्वाजा साहब नाक-भौंह सिकोड़कर बोले, ''ऐसे गोलमोल जवाबों से काम नहीं चलेगा जनाब!''
6. (क) असंतुष्ट; (ख) चतुर; (ग) उत्तर; (घ) जवाब; (ङ) पाताल; (च) असली
7. (क) बच्चे पढ़ने के लिए विद्यालय जाते हैं।
   (ख) सारे संसार से अच्छा हिंदुस्तान हमारा।
   (ग) अमन को नमन की चित्रकारी पसंद आई।
   (घ) बीरबल का दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज चलता था।
   (ङ) गुनगुन को तान्या की बात पर विश्वास नहीं हुआ।
8. (क) देवी; (ख) नारी; (ग) पहाड़ी; (घ) छोटी; (ङ) लम्बी; (च) बालिका

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-9 एक दिन की बादशाहत

1. (क) आपा आरिफ और सलीम को उठाते समय कहती कि जल्दी उठो स्कूल का वक्त हो गया है।
   (ख) आरिफ और सलीम ने अब्बा से दरखास्त की कि एक दिन उन्हे बड़ों के सारे अधिकार दे दिए जाएँ और सब बड़े छोटे बन जाएँ।
   (ग) हाँ, अब्बा ने आरिफ और सलीम की दरखास्त मान ली।
2. (क) i; (ख) i; (ग) iv; (घ) iv
3. (क) आरिफ ने दादी से; (ख) अम्मी ने सलीम से; (ग) आरिफ ने अब्बा से; (घ) सलीम ने आपा से; (ङ) अब्बा ने सलीम से
4. (क) दोनों घंटों बैठकर इन पाबंदियों से बच निकलने की तरकीबें सोचा करते। उन दोनों से तो सारे घर को दुश्मनी हो गई थी। लिहाजा दोनों ने मिलकर एक योजना बनाई।

(ख) थोड़ी देर बाद जब अब्बा अपने दोस्तों के बीच बैठे अपनी नई गजल लहक-लहककर सुना रहे थे, तो आरिफ फिर चिल्लाने लगा—''बस कीजिए, अबबा! फौरन ऑफिस जाइए, दस बज गए!''

''चु...चु...चाप...'' अब्बा डाँटते-डाँटते रुक गए। बेबसी से गजल की अधूरी पंक्ति दाँतों में दबाए पाँव पटकते आरिफ के साथ हो लिए।

(ग) दूसरी सुबह हुई। सलीम की आँख खुली, तो आपा नाश्ते की मेज सजाए उन दोनों के उठने का इंतजार कर रही थी। अम्मी खानसामा को हुक्म दे रही थीं कि हर खाने के साथ एक मीठी चीज जरूर पकाया करो। अंदर आरिफ के गाने के साथ भाईजान मेज का तबला बजा रहे थे और अब्बा सलीम से कह रहे थे-''स्कूल जाते वक्त चवन्नी जेब में डाल लिया करो, क्या हर्ज है...!''

5. बे + बस = बेबस बे + आबरू = बेआबरू
बे + नाम = बेनाम बे + जार = बेजार
बे + दाग = बेदाग बे + कार = बेकार

6. (क) जल्दी; (ख) दोनों; (ग) जरा; (घ) फौरन

7. (क) कीजिए; (ख) पकेगा; (ग) कहा; (घ) गई; (ङ) खाई जाएगी

8. र् + उ = रु रुपया करुणा रुलाई
र् + ऊ = रू रुमाल रुपा स्वरुप

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-10 लड़ना है महँगाई से

1. (क) कविता का शीर्षक है 'लड़ना है महँगाई से'।
(ख) कविता के कवि भगवती प्रसाद द्विवेदी हैं।
(ग) कविता में कवि महँगाई से लड़ने की बात कर रहा है।
(घ) महँगाई कम करने के लिए हमें अपनी जरूरतों को कम करना होगा, जो वस्तुएँ बहुत जरूरी हों, केवल वही खरीदनी चाहिए।

2. (क) iii; (ख) i; (ग) ii

3. (क) महँगी कॉपी कलम-किताबे
कैसे हम हल करें हिसाब,
कीमत आसमान यूँ छूती,
हो जाता है मूड खराब।
(ख) माँ-पापा कितना खटते हैं,
रुपये फिर भी न अटते हैं,
बढ़ती फ़रमाइशें हमारी
थकते नहीं माँग रटते हैं।

4. (क) महँगी; (ख) खराब; (ग) खटते; (घ) जुड़-जुड़

5. (क) कविता के अनुसार, हमें महँगाई से लड़ाई करनी चाहिए।
(ख) अध्यापिका स्कूल की फीस के लिए बहुत रूखाई दिखाती हैं।
(ग) मम्मी-पापा हमारी नई-नई फरमाइशें सुनते-सुनते नहीं थकते।
(घ) छोटी-छोटी बचत एक दिन बड़ी बन जाती है।
(ङ) कविता में समस्या का एकमात्र समाधान बचत को बताया गया है।

6. (क) मूड; (ख) महँगी; (ग) टीचर; (घ) ज़रूरी; (ङ) खरीदना; (च) फरमाइश

7.

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
चाँदी	भारत
चिट्ठी	सोना
नदी	दूध
महानदी	आकाश
पत्रिका	रास्ता

8. (क) झाड़ियाँ; (ख) पहाड़ियाँ; (ग) चिड़ियाँ; (घ) नदियाँ; (ङ) झरने; (च) जरूरतें

9. (क) आजकल महँगाई आसमान छू रही है।
(ख) दुकानदार ने नौकर से सारा हिसाब माँगा।
(ग) टीचर ने बच्चों को पाठ पढ़ाया।
(घ) अमित ने पापा से किताब लाने की फरमाइश की।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 स्वास्थ्य ही धन है

1. (क) यदि हम स्वस्थ हैं तो हर क्षण उल्लास से भरा रहता है। रात में हमें अच्छी नींद आती है। सुबह उठते समय हमारे मन में नई उमंग और शरीर में नई स्फूर्ति होती है। मन की प्रसन्नता के लिए शरीर का स्वस्थ होना आवश्यक है।
(ख) स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता बहुत आवश्यक है।
(ग) धूप से हमें विटामिन 'डी' प्राप्त होती है।
(घ) चिंता और क्रोध से मन तथा शरीर दोनों पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) iii

3. (क) स्वस्थ, उल्लास; (ख) शरीर, वस्त्रो; (ग) शरीर, साबुन; (घ) संतुलित, पौष्टिक; (ङ) मांस पेशियाँ, मजबूत

4. उमंग → स्फूर्ति
कीटाणु → बीमारी
कपड़े → धुले-साफ
तैराकी → व्यायाम
पानी → स्वच्छ
भोजन → पौष्टिक

5. (क) गलत; (ख) सही; (ग) गलत; (घ) गलत; (ङ) सही

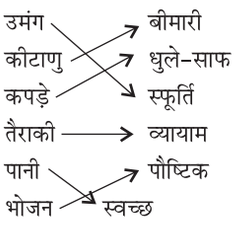

6. (क) बंद; (ख) महत्त्वपूर्ण; (ग) साफ; (घ) 'डी'

7. (क) स्वस्थ रहने के लिए शरीर को साबुन लगाकर साफ करना चाहिए। इसके पश्चात् तौलिये से रगड़कर शरीर पोंछना चाहिए। वस्त्रों की सफाई भी बहुत आवश्यक है। गंदे कपड़ों पर बीमारियों के कीटाणु जमा हो जाते हैं। प्रतिदिन धुले-साफ कपड़े पहनने से हम बीमारी से बचे रहते हैं। हमें दूसरों का तौलिया कभी भी प्रयोग में नहीं लाना चाहिए।
(ख) हमें प्रतिदिन साफ कपड़े पहनने चाहिए।
(ग) घर की सफाई भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। फर्श की धूल और दीवारों पर लगे जालों में बीमारी के कीटाणु पलते हैं। घर में प्रतिदिन झाड़ू लगाना और खिड़कियों तथा दरवाजों को साफ रखना आवश्यक है। हमें घर के बाहर गली तथा नालियों की सफाई की ओर भी ध्यान देना चाहिए।
(घ) अशुद्ध जल पीने से बहुत-सी बीमारियाँ हो जाती हैं। बीमारी के दिनों में पानी उबालकर पीना लाभदायक होता है।
(ङ) बीमारी के दिनों में पानी उबालकर पीना लाभदायक होता है।

8. (क) सभी लोगों ने दिवाली का त्योहार उल्लासपूर्वक मनाया।
(ख) योगभ्यास करने से शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
(ग) मोनू ने फर्श पर पानी गिरा दिया।
(घ) हमें प्रतिदिन साफ और शुद्ध जल पीना चाहिए।

9. (क) अस्वस्थ; (ख) गंदा; (ग) दिन; (घ) अशुद्ध; (ङ) शाम; (च) बंद

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 एक पते की बात

1. (क) घोंघा बगीचे में रहता था।
(ख) बगीचा छोटा और सुंदर था।
(ग) घोंघे ने अपनी सारी जिंदगी बगीचे में बिताई थी।
(घ) घोंघा बगीचे के एक-एक कोने से अच्छी तरह वाकिफ था।
(ङ) घोंघा कभी-कभी सोचता था कि वह बाहर की दुनिया देखे।

(च) घोंघे ने अपना सामान शंख में बाँधा।

(छ) घोंघे ने बड़े-से पत्थर को पहाड़ समझा।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) ii; (घ) i

3. (क) घोंघा; (ख) छोटा, सुंदर; (ग) पीछे; (घ) छेद; (ङ) पहली; (च) खजूर; (छ) दुनिया

4. (क) सही; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) गलत; (ङ) गलत; (च) गलत

5.

बगीचे का	अद्भूत जगह है।
बगीचा बहुत	सुंदर था
घोंघा छेद	घोंघा
बड़ा-सा	में घुसा
सचमुच दुनिया कितनी	पत्थर

6. (क) घोंघा सोचता था कि इस बगीचे के बाहर क्या होगा? कैसी होती होगी बाहर की दुनिया?

(ख) "अगर तुमने ज़्यादा बदमाशी की तो मैं तुम्हें इस छेद से बाहर की दुनिया में ढकेल दूँगी।"

(ग) खड़-खड़ की आवाज़ आई। घोंघे को लगा कि पूरा आकाश ढँक गया है। वह डर के मारे ज़ोर से चिल्लाया, "उई!" फिर वह अपने ऊपर हँसने लगा। उसने देखा कि एक सूखा पत्ता उसके ऊपर आ गिरा था।

(घ) बाहर आते ही घोंघा चकित रह गया। जितनी दूर तक उसकी आँखें देख सकती थीं उसके सामने बहुत बड़ा, लंबा चौड़ा-सा मैदान था। वास्तव में वह बच्चों के खेलने की जगह थी। पर घोंघे ने तो सोचा ही नहीं था कि इतनी बड़ी जगह भी हो सकती है। "वाह! दुनिया सचमुच कितनी बड़ी है," घोंघे ने कहा।

(ङ) घोंघे ने तय कर लिया कि अब तो वह इस दुनिया में ही रहेगा।

7. (क) घोंघा एक छोटा-सा प्राणी होता है।

(ख) मुझे प्रत्येक बगीचा बहुत सुंदर लगता है।

(ग) राम मैदान के इस छोर से उस छोर तक दौड़ रहा था।

(घ) वाह!, क्या अद्भुत नज़ारा है।

8. (क) बाग; (ख) काल; (ग) पर्वत; (घ) संसार; (ङ) वस्तु; (च) नयन

9. (क) चमड़ा; (ख) बाजार; (ग) पहाड़; (घ) फुदक

10. (क) रेलगाड़ियाँ; (ख) लड़कियाँ; (ग) गलियाँ; (घ) बिजलियाँ; (ङ) कुर्सीयाँ; (च) परियाँ

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-13 गीत का कमाल

1. (क) औरत को गीत नहीं आता था।

(ख) चक्की चलाते हुए गाँव की औरतें गीत गाती थीं।

(ग) "सखी! तुम सारा समय गाती कैसे रहती हो? तुमने इतने सारे गीत कहाँ से सीखे?"

2. (क) iii; (ख) i; (ग) ii; (घ) iv

3. (क) गीत; (ख) दुकानदार; (ग) दोपहर; (घ) दुखी; (ङ) चूहा; (च) घर, दीवार

4. (क) पडोसन ने औरत से; (ख) औरत ने पति से; (ग) पति ने दुकानदार से; (घ) दुकानदार ने पति से

5.

पति	बिल
दुकानदार	कुलाँचे भरता
चूहा	चार
हिरन	अनाज बेचता था
चोर	बाजार गया

6. (क) औरत ने पति को बाजार से गाने खरीदकर लाने के लिए भेजा।

(ख) आदमी अनाज वाले, सब्जी वाले तथा पकड़े वाले दुकानदार के पास गया।

(ग) एक भी गीत न मिलने के कारण घर लौटते समय आदमी दु:खी था।

(घ) आदमी ने रास्ते में एक चूहा देखा।

(ङ) रास्ते में उसे एक बिल खोदता चूहा दिखा। इससे उसके मन में एक विचार आया। "मैं खुद ही एक गीत बना लेता हूँ जिसमें यह चूहा होगा," उसने सोचा और हो गया शुरू— "खोदे खरड़-खरड़" अपनी इस जुगत से खुश होकर वह गाता हुआ चल पड़ा।

(च) "खोदे खरड़-खरड़, सरके सरर-सरर, देखे टगर-मगर, कूदे डगर-डगर"।

(छ) चोरों को लगा कि औरत ने उन्हें देख लिया है। अत: अपने गीत में जो कुछ भी कह रही है, उन्हें ही कह रही है।

(ज) गाना गाने का औरत को यह लाभ हुआ कि उसके घर में चोरी न हो पाई।

7. (क) गाँव; (ख) आँख; (ग) कुएँ; (घ) साँप; (ङ) पाँच; (च) झाँक; (छ) कुलाँचे; (ज) मुँह

8.

डगर-डगर	खरड़-खरड़	सरर-सरर
टगर-टगर	इधर-उधर	चुपक-चुपक

9. (क) आदमी; (ख) पत्नी; (ग) सखा; (घ) चुहिया; (ङ) पड़ोसी; (च) चोरनी

10. (क) उन्होंने, उसे; (ख) तुमने; (ग) मुझे; (घ) वह; (ङ) मैं

11. (क) पुलिस को देखकर चोर हड़बडा कर भाग गए।

(ख) सड़क के किनारे पेड़ पक्ति से लगे हुए थे।

(ग) इधर-उधर की बातें मत करो।

(घ) रात के समय चंद्रमा की रोशनी शीतलता प्रदान करती है।

(ङ) हमें अपनी भारतीय क्रिकेट टीम पर गर्व है।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 दौड़ो-दौड़ो, माधव दौड़ो

1. (क) माधव को दौड़ने के लिए कहा गया है।

(ख) साँप हाथ में रह गया था।

(ग) कवि कि लाठी मारने पर चिल्लाया।

2. (क) iii; (ख) iii; (ग) ii

3. मैं चिल्लाया

माधव मारो, लाठी मारो

माधव ने मुड़ के पूछा

साँप या लाठी?

लाठी मारो मैं चिल्लाया

साँप **उठा के मार दी लाठी** माधव ने।

4. (क) साँप को देखकर घर में कोहराम मचा था।

(ख) कवि ने माधव को मिट्टी का माधव इसलिए कहा क्योंकि उसने साँप पर लाठी मारी, मगर वह उसे न लगकर टूट गई और उसके हाथ में साँप रह गया।

5. स्वयं कीजिए।

6. (क) टपका; (ख) भाँप; (ग) नीचे; (घ) मारे; (ङ) काठी; (च) रोड़ा

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-15 थप्प रोटी, थप्प दाल

1. (क) मुन्नी नीना को पुकारती है।

(ख) मुन्नी माँ से आटा, घी, दाल, दही, साग, चीनी, मक्खन सब चीज़ें लाई।

(ग) चुन्नू और टिंकू को बाजार से साग-सब्जी लाने का काम सौंपा गया।

2. (क) iii; (ख) iii; (ग) iii

3. (क) टिंकू ने पकाई बड़ियाँ,
चुन्नू ने पकाई दाल।
टिंकू की बड़ियाँ जल गईं,
चुन्नू का बुरा हाल।

(ख) बच्चों के सोने के बाद बिल्ली आती है।

(ग) रोटी कैसी गरम-गरम है,
घी से चुपड़ी नरम-नरम है।
(खाते हुए)
मक्खन रोटी, चावल दाल,
जी भर खाया कित्ता माल।
और देखो वह—
मुन्नी, चुन्नू, टिंकू सारे,
खर्राटे भर रहे बेचारे।
अब चुपके से सरपट जाऊँ।
आलसियों को सबक सिखाऊँ
म्याऊँ, म्याऊँ, म्याऊँ, म्याऊँ।

(घ) स्वयं कीजिए।

(ङ) हाँ, खाऊँगी सौ-सौ बार,
जो सोओगे टाँग पसार।

4. (क) नीना, मुन्नी; (ख) बिल्ली, लड़की; (ग) पुकारना, भूख; (घ) खट्टा, गरम

5. (क) टिंकू; (ख) आँसू; (ग) रंगमंच; (घ) अंदाज; (ङ) हाँडी; (च) पंक्ति; (ज) फूँक

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-16 गिल्लू सियार का लालच

1. (क) दोनों सियार भाइयों के नाम गल्लू और मल्लू थे।
(ख) मल्लू सीधा-सादा, भोला नेकदिल और दयवान था।
(ग) गल्लू एक नंबर का धूर्त और चालबाज था।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii

3. (क) गलत; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) सही; (ङ) गलत

4. (क) ''मैं तुम्हें महामंत्री का पद दूँगा।''
किसने कहा **गल्लू ने**
किससे कहा **मूल्लू से**
क्यों कहा **यदि वह इसका साथ देगा तो वह उसे महामंत्री का पद देगा।**

(ख) ''यदि तुम मुझे राजा भी बना दोगे तो भी मैं नहीं बनूँगा, क्योंकि अपने स्वामी से गद् दारी मैं नहीं कर सकता।''
किसने कहा **मल्लू ने**
किससे कहा **गल्लू से**
क्यों कहा **क्योंकि वह सीधा-सादा था और उसकी बात पर विश्वास करता था।**

5. (क) मल्लू सीधा-सादा और भोला था। वह बड़ा ही नेकदिल और दयावान था। दूसरी ओर, गल्लू एक नंबर का धूर्त और चालबाज सियार था।

(ख) अगले दिन गल्लू सियार मल्लू के घर गया। ठंड की वजह से दरवाज़ा खोला लेकिन जैसे ही गल्लू अंदर जाने लगा, तो मल्लू ने दरवाजा बंद कर लिया।

(ग) गल्लू नहाकर अपने भाई मल्लू के पास पहुँचा।

(घ) जैसे ही चादर को उतारा, उसके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। सारे छोटे-मोटे जानवर अपनी-अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। चारों ओर हाहाकार मच गया। गल्लू को लगा कि ज़रूर इस चादर का चमत्कार है। उसके मन में विचार आया कि कहीं यह जादुई तो नहीं जिसको ओढ़ते ही वह अदृश्य हो जाता हो।

(ङ) ''देखो भाई, उस जादुई चादर को ओढ़ते ही ओढ़ने वाला अदृश्य हो जाता है। मैंने सोचा है कि क्यों न इसकी मदद से मैं जंगल के राजा को मारकर खुद जंगल का राजा बन जाऊँ। अगर तुम मेरा साथ दोगे तो मैं तुम्हें महामंत्री का पद दूँगा।

(च) रात के समय जब सब सो रहे थे तब मल्लू अपने घर से निकला और चुपचाप खिड़की के रास्ते गल्लू के मकान में घुस गया। उसने देखा कि गल्लू की चादर उसके पास रखी हुई है। उसने बड़ी ही सावधानी से उसको उठाया और उसके स्थान पर एक अन्य चादर रख दी जोकि बिल्कुल वैसी ही थी। इसके बाद वह अपने घर आ गया।

(छ) उसने उस जादुई चादर को जला डाला ताकि वह किसी और के हाथ में न पड़ जाए।

6.

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जाति वाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
मल्लू	जानवर	जादू
गल्लू	राजा	खुशबू
अजय	नदी	स्वतंत्रता

7. (क) जंगल; (ख) पाँव; (ग) ठंड; (घ) माँद; (ङ) बनूँगा; (च) स्वतंत्रता; (छ) चौंक; (ज) आँख

8. (क) लेबर चौक पर बहुत-से मजदूर बैठे थे।
चोर के कदमों की आहट सुनकर मैं चौंक गया।
(ख) रवि अपने पद का दुरुपयोग कर रहा है।
तुम्हें सत्य के पथ पर चलना चाहिए।
(ग) करन ने अपने पिता की बेईमानी की दौलत पर लात मार दी।
मनीप्लाट की लता छत तक जा रही है।

9.

रात	राग	राम
क्रम	इंद्रा	तीव्र
पूर्ण	मर्कट	स्वर्ण

10. (क) दरवाजे; (ख) चादरें; (ग) नदीयाँ; (घ) रास्ते

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-17 अच्छी सीख

1. (क) हमें सरिता से निरंतर आगे बढ़ते रहने और अपना मार्ग बनाने की सीख मिलती है।
(ख) 'पेड़ों' से हमें फल प्राप्त होते हैं।
(ग) हमें अत्याचार का सामना पर्वत की तरह खड़े रह कर मुकाबला करना चाहिए।

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) i

3. (क) बादल **से सीखो औरो की,**
जग में प्यास बुझाना।
और **सूर्य से सीखो तपकर**
धरती रोशन कर जाना।
(ख) मछली **से सीखे उल्टी,**
धारा में लड़कर बह जाना।
अंधकार **आए तो नन्हें,**
दीपक जैसे लड़ जाना।

4.

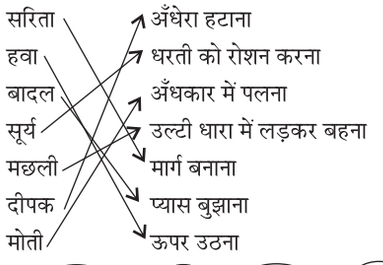

5. (क) बादल; (ख) सूर्य; (ग) दीपक; (घ) पर्वत; (ङ) लाली जाना

6. (क) हमें हवा से नभ में ऊपर उठना अर्थात् उन्नति के शिखर को छूने की सीख मिलती है।
(ख) बादल वर्षा करके जग की प्यास बुझाते हैं।
(ग) धरती को रोशन करने के लिए सूरज को तपना पड़ता है।
(घ) मोती हमें गहरे अंधकार में भी जीने की सीख देता है।
(ङ) हमें अत्याचार और अनीति के सामने पर्वत की तरह से डट कर मुकाबला करना चाहिए।
(च) इस कविता के रचयिता धनश्याम कुमार 'देवांश' हैं।
7. (क) तटिनी; (ख) राह; (ग) मेघ; (घ) पृथ्वी; (ङ) रवि; (च) मीन; (छ) दिया; (ज) वृक्ष
8. (क) सूरज तपकर ही पृथ्वी पर प्रकाश फैलाता है।
(ख) अमन के पिता की मृत्यु के बाद उसके दुर्दिन आ गए।
(ग) सचिन के कठिन परिश्रम के कारण ही उसको इतनी कीर्ति मिली है।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-18 वे दिन भी क्या दिन थे

1. (क) कुम्मी डायरी लिख रहा है।
(ख) 17 मई, सन् 2155 की रात में डायरी लिखी थी।
(ग) रोहित को पुस्तक मिली थी।
2. (क) iii; (ख) iii; (ग) ii
3. (क) स्थिर; (ख) पुर्ज़े-पुर्ज़े; (ग) सिलसिले; (घ) घर
4. (क) गलत; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) सही
5. (क) आज रोहित को सचमुच की एक पुस्तक मिली है।
(ख) घर में एक पुराना डिब्बा कहीं दबा पड़ा था। उसको फेंक रहे थे कि उसमें से यह पुस्तक मिली जिसमें स्कूलों के बारे में लिखा है।
(ग) उनके जमाने में सारी कहानियाँ कागज़ पर छपती थीं और पढ़ी जाती थीं। पुस्तकों में पृष्ठ होते थे, जिन पर कहानियाँ छपी होती थीं और प्रत्येक पृष्ठ पढ़ने के पश्चात् दूसरा पृष्ठ पलटकर आगे बढ़ना होता था। सारे शब्द स्थिर रहते थे, चलते नहीं थे जैसे आजकल परदे पर चलते हैं।
(घ) वह सोच रही थी कि कितने अच्छे होते होंगे वे पुराने स्कूल, जहाँ एक ही आयु के सारे बच्चे हँसते-खेलते-कूदते स्कूल जाते होंगे... और पढ़ाने वाले पुरुष और स्त्रियाँ होते होंगे...।
6. 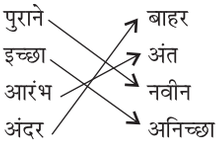

7. स्वयं कीजिए।
8. (क) ताजमहल आगरा में स्थिर है।
(ख) राजू सुबह नियमित रूप से घूमने जाता है।
(ग) राजू बहुत ही तेज रफ्तार से गाड़ी चलाता है।
(घ) यह जानवर तो बहुत ही अजीब हैं।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-19 अच्छी सीख

1. (क) संत और शिष्य नदी में स्नान कर रहे थे।
(ख) गुरुजी के ज़वाब शिष्य की समझ में नहीं आए।
(ग) अगर हम अच्छाई देखना चाहें तो हमें अच्छे लोग मिल जाएँगे और अगर हम बुराई देखना चाहें तो हमें बुरे लोग ही मिलेंगे। अत: यह सब देखने के नज़रिये पर निर्भर करता है।
2. (क) iv; (ख) i; (ग) ii
3. (क) ''सब देखने के नज़रिये पर निर्भर करता है।''
किसने कहा **संत ने**
किससे कहा **शिष्यों से**
क्यों कहा **शिष्य को समझाने के लिए**
(ख) ''बंधु, तुम्हें यहाँ भी नेक दिल और भले इंसान मिलेंगे।''
किसने कहा **संत ने**
किससे कहा **दूसरे राहगीर से**
क्यों कहा **क्योंकि जैसे हम होते हैं वैसे ही लोग हमें मिलते हैं।**
4. (क) संत और शिष्यों को नदी में नहाते देखकर राहगीर वहीं रुक गया।
(ख) संत ने कहा बंधु, तुम्हें इस गाँव में भी वैसे ही लोग मिलेंगे कपटी, दुष्ट और बुरे।
(ग) ''बंधु, तुम्हें यहाँ भी नेक दिल और भले इंसान मिलेंगे।''
(घ) ''वत्स आमतौर पर हम अपने आस-पास की चीज़ों को जैसा देखते हैं, वैसा वे होती नहीं है। इसलिए हम अपने अनुसार अपनी दृष्टि से चीज़ों को देखते हैं और ठीक उसी तरह जैसे हम हैं। अगर हम अच्छाई देखना चाहें तो हमें अच्छे लोग मिल जाएँगे और अगर हम बुराई देखना चाहें तो हमें बुरे लोग ही मिलेंगे। अत: यह सब देखने के नज़रिये पर निर्भर करता है।
(ङ) हाँ, हम महात्मा जी की बात से सहमत हैं, क्योंकि जैसे हम हैं वैसे ही लोग हमें मिलते हैं।
5. रवि रजनी रात्रि
पर्वत मर्कट स्वर्ण
भ्रम भ्राता हिमाद्री
6. 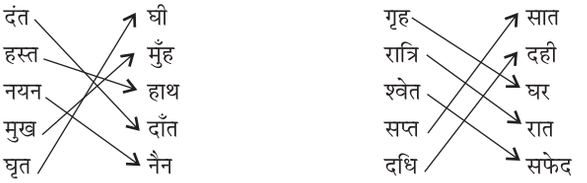

7. (क) महात्मा; (ख) चिकित्सालय; (ग) दयानंद; (घ) विद्यालय
8. (क) असभ्य; (ख) दयालु; (ग) दुर्जन; (घ) अच्छाई
9. (क) साधु, महात्मा, महर्षि; (ख) भक्त, शार्गिद, चेला; (ग) सरिता, तटनि, तरगिणी; (घ) राष्ट्र, राज्य, स्वदेश; (ङ) पवन, समीर, अनिल
10. (क) हम सब गंगा स्नान करने के लिए हरिद्वार गए थे।
(ख) पेड़ पर चिड़िया का बसेरा है।
(ग) अमन और अनिल दोनों बंधु हैं।
(घ) शकुनि बहुत ही दुष्ट व्यक्ति था।
(ङ) मार्ग में बहुत-सारे वाहन खड़े थे।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

BOOK-5

पाठ-1 मन करता है

1. (क) कवि सूरज बनकर आसमान में दौड़ लगाना चाहता है।
(ख) कवि चंदा बनकर तारों पर अकड़ दिखाना चाहता है।
(ग) तितली बनकर कवि दूर तक उड़ना चाहता है।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii; (घ) i
3. मन करता है **बाबा** बनकर,
घर में सब पर **धौंस** पर जमाऊँ।
मन करता है **पापा** बनकर,

मैं अपनी मूँछ **बढ़ाऊँ**।

मन करता है **तितली** बनकर

उड़ता दूर-दूर जाऊँ।

4. मन करता है — शोर मचाऊँ
   चीं-चीं चूँ-चूँ — पतंग उड़ाऊँ
   मन करता है — चिड़िया बनकर
   पीली-लाल — चर्खी लेकर

5. (क) कवि बाबा बनकर घर में सब पर धौंस जमाना चाहता है।
   (ख) कवि बाबा बनना चाहता है ताकि सब पर धौंस जमा सके।
   (ग) कवि कोयल बनकर मीठी-मीठी बाली बोलना चाहता है।
   (घ) कवि चर्खी से पतंग उड़ाना चाहता है।
   (ङ) कवि चिड़िया बन चीं-चीं चूँ-चूँ कर शोर मचाना चाहता है।

6. (क) शशि, शशांक, राकेश; (ख) गृह, सदन, निकेतन; (ग) अंडज, खग, विहग

7.

अकड़	कोयल	चर्खी
चिड़िया	तितली	पतंग
पापा	बाबा	सूरज

8. (क) मूँछें; (ख) चर्खियाँ; (ग) तितलियाँ; (घ) पतंगें, (ङ) चिड़ियाँ, (च) तारे

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

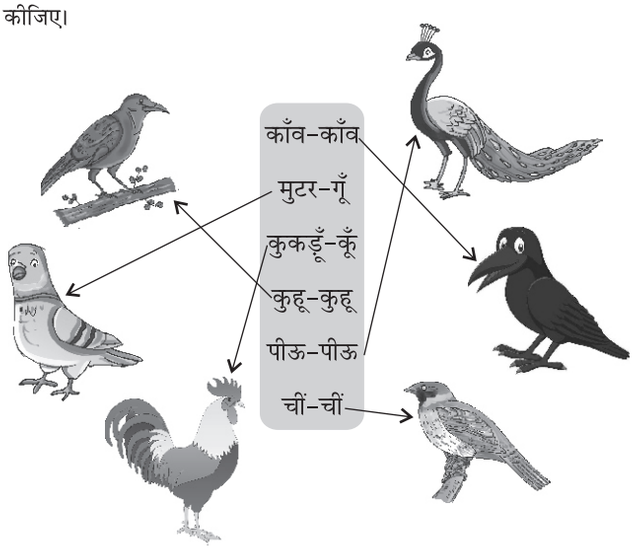

पाठ-2 नन्हे चूजे की दोस्त

1. (क) बिल्ली चमकीली आँखों वाली गोल-मटोल व काली-काली पूँछ और सफेद-सफेद मूँछ वाली थी।
   (ख) बिल्ली रोज़ सुबह शिकार के लिए घर से निकल पड़ती।
   (ग) एक सुबह एक नन्हा-मुन्ना, नरम रूई के गोले जैसा चूज़ा अकेला खेल रहा था।

2. (क) ii; (ख) iv; (ग) ii; (घ) iv

3. (क) मेंढक, गिलहरी; (ख) जरा; (ग) बिल्ली; (घ) मस्त; (ङ) उचककर

4. (क) सही; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) सही; (ङ) सही

5. (क) बिल्ली ने मुर्गी से; (ख) चूजे ने बिल्ली से

6. (क) चूजा नन्हा-मुन्ना, नरम रूई के गोले जैसा था।
   (ख) वह उसे पकड़ने के लिए दबे पाँव उसकी ओर बढ़ने लगी।
   (ग) जब वह उसके पास पहुँची, तो चूज़ा उसे देखकर ज़रा-सा भी नहीं डरा। चूज़े ने पहली बार बिल्ली देखी थी। वह उसे बहुत अच्छी लगी। चूज़ा किलकारियाँ भरने लगा। चूँ-चूँ-चूँ करके बिल्ली के चारों तरफ घूमने लगा।
   वह कभी बिल्ली की पूँछ पकड़ने की कोशिश करता तो कभी उसकी मूँछ।
   (घ) बिल्ली और चूज़ा खेलने में मस्त थे।
   (ङ) वह अपने बच्चे को बिल्ली के साथ खेलते देख घबरा गई। मुर्गी समझ रही थी कि बिल्ली चूज़े को खा जाएगी।
   (च) बिल्ली ने मुर्गी से कहा, ''नहीं-नहीं, डरो मत! बिल्कुल भी मत डरो। मैं इसे नहीं खाऊँगी। यह तो बहुत प्यारा है। मुझे भी इससे प्यार हो गया है।''

7. चमकीली — रुई
   गोल-मटोल — मूँछ
   काली — आँखें
   सफेद — बिल्ली
   नरम — पूँछ

8. (क) दिल्ली; (ख) दोषी; (ग) साँसें; (घ) कड़ियाँ; (ङ) सुनहरी; (च) दूज़ा

9. (क) मेरे दादाजी पकवान खाने के शौकीन थे।
   (ख) हमारे घर में एक गोल-मटोल कलश है।
   (ग) खिलोनें देखकर बच्चा किलकारियाँ मारने लगा।
   (घ) बेचारी गुनगुन घबराहट में अपनी पुस्तक भूल गई।

10. (क) यह, (ख) उसे, (ग) मुझे, इससे, (घ) वह, (ङ) उसकी

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-3 टीना ने चोरी पकड़वाई

1. (क) टीना दरीवाले की आवाज सुनकर बाहर चली जाती थी।
   (ख) टीना के पिता जी का नाम जमना लाल जी था।
   (ग) अम्मा ने टीना के बापू को बताया कि वह दरीवाले की आवाज सुनते ही सब काम छोड़कर भाग जाती है।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) ii; (घ) i

3. (क) अम्मा ने टीना से; (ख) अम्मा ने जमान लाल जी से; (ग) जमनालाल जी ने अम्मा से; (घ) टीना ने बाबू जमनालाल से; (ङ) टीना ने बाबू जमनालाल से; (ङ) बाबू जमनालाल ने टीना से

4. (क) रतनलाल जी; (ख) नागपुर; (ग) नकदी, सोने-चाँदी; (घ) कार्यालय; (ङ) लूडो

5. वह बस्ता — शाम को इस बात की चर्चा की।
   उन्होंने टीना के बापू से — अवकाश था।
   चोरी वाले घर — जस-का-तस छोड़कर बाहर की तरफ भागी।
   पुलिस अपनी कागजी — के सामने भीड़ लग गई।
   जमनालालजी का आज — खानापूर्ति करके चली गई।

6. (क) दरीवाले की आवाज सुनते ही टीना सब काम छोड़कर भाग जाती थी। इससे उसकी माँ दुखी थी।
   (ख) उन्होंने बताया कि वे भी बचपन में ठेले वालों की आवाज सुनकर खाने की थाली छोड़कर भाग जाते थे।
   (ग) दूसरे दिन मुहल्ले में हल्ला मचा कि रतनलालजी के घर में चोरी हो गई।
   (घ) चोरों ने अलमारी की नकदी और सोने-चाँदी के जेवरों पर हाथ साफ कर दिया था।
   (ङ) जमनालाल जी टीना के साथ लूडो खेल रहे थे।

(च) अीना धीरे से बोली, ''बापू यह गली तो आगे बंद है, इसमें से ही किसी घर में आज चोरी होगी।''

(छ) ''बापू, मैं तीन माह से इस दरी वाले को देख रही हूँ। जब भी यह आता है और जिस गली में जाता है, वहाँ चोरी होती है।''

(ज) जमनालालजी ने अपने पड़ोसी पुलिस इंस्पेक्टर शुक्लजी को टीना की बातों से अवगत कराया। उन्होंने सादी वर्दी में एक पुलिस वाले उस गली के आसपास तैनात कर दिया। रात को तो कमाल ही हो गया। दो चोर रँगे हाथों घर के फाटक के भीतर घुसते हुए पकड़े गए।

दूसरे दिन उस दरीवाले को भी पकड़ लिया गया।

7. (क) पढ़ + आई = पढ़ाई; (ख) लिख + आई = लिखाई; (ग) कढ़ + आई = कढ़ाई; (घ) चढ़ + आई = चढ़ाई
8. अम्मा छुट्टी हल्ला
9. (क) पुलिस, गाड़ी; (ख) घर, भीड़; (ग) रतनलाल, नागपुर; (घ) टीना; (ङ) बच्चा
10. (क) घरौंदा; (ख) पढ़ाई; (ग) बचपन; (घ) पड़ोसी; (ङ) चोरी; (च)सफाई
11. (क) कार्य + आलय = कार्यालय; (ख) हिम + आलय = हिमालय; (ग) शिव + आलय = शिवालय
12. (क) अलमारी के ताले टूटे पड़े थे।

(ख) वे थाली छोड़कर भाग जाते थे।

(ग) हम जानते थे।

(घ) अब दरीवाले नहीं आते।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-4 आगे बढ़ने का रहस्य

1. (क) बूढ़े होते गोविंदराव को एक ही चिंता थी कि अपना हुनर किसे सिखाए।

(ख) स्वयं कीजिए।

(ग) स्वयं कीजिए।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) ii; (घ) iii
3. (क) सिलवाने; (ख) बेसहारा; (ग) ग्राहकों; (घ) गोविंदराम; (ङ) काँटों; (च) रहस्य
4. (क) सही; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) सही; (ङ) सही
5. (क) समय के साथ बूढ़े होते गोविंदराव को एक ही चिंता थी कि अपना हुनर किसे सिखाए? वह बहुत होशियार दर्जी था। उससे कपड़े सिलवाने के लिए दूर-दूर से लोग आते थे। पर अब वह अधिक काम नहीं कर पाता था। इसलिए चाहता था कि कोई हो, जिसे वह अपना काम सिखा सके।

(ख) बारह-तेरह साल का देबू नामक अनाथ लड़का वहाँ आया। वह भूखा और बेसहारा था। देबू गोविंदराव के पास रहने लगा।

(ग) एक सुबह जब उसने तकिया उठाकर दस्ताने पहनने चाहे, तो उसे वहाँ दस्ताने न दिखे।

(घ) देबू को अपने काम और काम पर घमंड होने लगा।

(ङ) घर का सामान इधर-उधर करते हुए देबू को अनाज की बोरी के पीछे, कुछ काला-काला दिखाई दिया। हाथ डालकर खींचा, तो वे दस्ताने ही थे। रात में वे तकिए से खिसककर गिर गए थे जिन्हें चूहा अपने बिल में खींच ले गया था।

(च) बूढ़े ने समझाया— ''बेटा, जीवन एक ऊँची सीढ़ी है। जो एक पाँव टिकाकर दूसरा पाँव आगे बढ़ाता है, वही ऊपर तक जाता है। जो एक बार ही में ऊपर तक पहुँच जाना चाहते हैं, मुँह के बल जमीन पर आ गिरते हैं।''

देबू जीवन में धीरज से आगे बढ़ने के रहस्य को समझ गया था।

6. (क) मेरी दुकान पर सभी तरह का सामान मिलता है।

(ख) गोपी एक बेसहारा बूढ़ा था।

(ग) कल एक ग्राहग फटा नोट दे गया।

(घ) चूहे ने आहिस्ता से रोटी का टुकड़ा उठा लिया।

(ङ) आजकल हमारे शहर में एक जादूगर आया हुआ है।

(च) हमें पूरी मेहनत से सफलता पाने की कोशिश करनी चाहिए।

(छ) मेहनत ही सफलता का रहस्य है।

7. (क) डाकू जेल से भाग गए।

(ख) कई बहुत बड़े पेड़ दिखाई दिए।

(ग) उसके पास कई लड़के खड़े चिल्ला रहे थे।

(घ) राघव ने सरकस से टिकटें लीं।

8. (क) दर्जी; (ख) चश्मा; (ग) बेसहारा; (घ) आहिस्ता; (ङ) अक्सर; (च) मित्र; (छ) सीखना; (ज) जादूगर

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-5 किरनों के संग खेलें

1. (क) यदि सूरज आसमान में दिखाई देगा तो कवि सूरज को चुनौती देगा।

(ख) कवि के अनुसार किरनें गिलहरियों से बचकर भाग खड़ी होंगी, ताकि वे उन्हें कुतर न दें।

(ग) कवि ने धूप को अंगारा कहा है।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii
3. चलों चलें **खेलेंगे**

जो भी **मिला राह में** अपनी

साथ उसे ले लेंगे।

क्या **खेलेंगे**

हमें क्या **पता**

जो **सूझा** खेलेंगे!

4. भाग खड़ी होंगी → ऊपर को
   आएँगी फिर → नीचे
   गिलहरियों से → बच
   पत्तों से छन के → नीचे-नीचे
5. (क) बच्चों को जो भी सूझेगा, वे वही खेल खेलेंगे।

(ख) बच्चे सूरज से छुप रहे हैं।

(ग) बच्चे पेड़ों में छिप जाएँगे।

(घ) चाँद के निकलने पर बच्चे समझेंगे कि सूरज की किरणें खीझकर छिप गईं है और तारे छिटक गए हैं।

(ङ) जब सुबह सूरज की किरणें बच्चों को छू लेंगी तो सूरज बच्चों पर हँसेगा।

6.

दौड़	**दौड़ाकर**	**दौड़कर**
छिप	**छिपाकर**	**छिपकर**
बच	**बचाकर**	**बचकर**
बजा	**बजाकर**	**बजकर**

7. (क) चुनौती; (ख) कोटर; (ग) आसमान; (घ) अंगारे; (ङ) गिलहरियाँ; (च) हँसता
8. (क) मौड़े; (ख) मोटर; (ग) सींचे; (घ) नली; (ङ) बिटक; (च) माली

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-6 गोपी लौट आया

1. (क) स्वयं कीजिए।

   (ख) उसकी माता जी को यह चिंता रहती थी कि गोपी पढ़ाई में कोई दिलचस्पी नहीं लेता।

   (ग) इतने मेहनती लड़के की बातें सुनकर गोपी सन्न रह गया। उसे यह भी पता चला कि वह हर साल आधे मूल्य पर पुरानी किताबें खरीदकर पढ़ता है। गोपी ने उसकी पुस्तकें देखीं तो मन-ही-मन उसे शर्म आई। वह सोचने लगा, उसकी माँ तो उसे नई किताबें खरीदकर देती हैं और वह उनका ऐसा हाल बना लेता है जैसे वे दो-तीन साल पुरानी हों।

   गोपी के मन को एकदम झटका-सा लगा।

2. (क) i; (ख) i; (ग) iii
3. (क) फर्श, बिखर; (ख) आदतों; (ग) दिलचस्पी; (घ) एकटक; (ङ) उत्सुकता; (च) साढ़े; (छ) पुस्तकें
4. गोपी अपना सामान → इधर-उधर फेंककर रखता।

   माता जी बहुत → परेशान रहती थीं।

   पिता जी की हादसे में → मृत्यु हो गई थी।

   अँधेरा घिरने लगा → और रात हो गई।

   गोपी के मन को → एकदम झटका-सा लगा।
5. (क) गाल; (ख) सुबह; (ग) मुश्किल; (घ) रोता; (ङ) हैप्पी, पिता जी
6. (क) माताजी ने गोपी से; (ख) माताजी ने गोपी से; (ग) गोपी ने लड़के से; (घ) लड़के ने गोपी से
7. (क) गोपी अपनी पढ़ाई के प्रति बहुत लापरवाह था।

   (ख) स्कूल से घर आकर गोपी ने अपना बैग फर्श पर फेंक दिया।

   (ग) गोपी की माँ ने कहा—''मॉडल स्कूल में पढ़ते हो। वहाँ यही सब सिखाते हैं क्या? कितने दिन से देख रही हूँ। कभी बैग फेंक देते हो, कभी मोज़े और जूते निकालकर इधर-उधर मारते हो। सुबह से शाम तक जी तोड़कर काम करती हूँ। फिर कहीं जाकर मुश्किल से हजार रुपया महीना मिलता है। पता है, कैसे पढ़ा रही हूँ तुझे? देखो तो सही, क्या हालत बनाई हुई कॉपी-किताबों की। शर्म नहीं आती क्या?''

   (घ) गोपी के पिता का देहांत हो चुका था और उसकी माता जी इधर-उधर काम करके हजार रुपया महीना कमा पाती थीं, जिससे उनके घर का गुजारा चलता था।

   (ङ) जब स्कूल से घर आकर गोपी ने अपना बैग फर्श पर फेंका तो उसमें से कुछ फटी हुई कॉपिया और पुस्तकें बाहर निकलकर बिखर गईं।

   उसकी माता जी तो पहले ही किसी कारणवश निराश-सी बैठी थीं, जब उन्होंने यह देखा तो उनका पारा चढ़ गया।

   (च) अचानक गोपी दिमाग में एक विचार कौंधा, ''क्यों न मैं पास वाले शहर में अपने दोस्त हैप्पी के पास चला जाऊँ।

   (छ) इतने मेहनती लड़के की बातें सुनकर गोपी सन्न रह गया। उसे यह भी पता चला कि वह हर साल आधे मूल्य पर पुरानी किताबें खरीदकर पढ़ता है। गोपी ने उसकी पुस्तकें देखीं तो मन-ही-मन उसे शर्म आई। वह सोचने लगा, उसकी माँ तो उसे नई किताबें खरीदकर देती हैं और वह उनका ऐसा हाल बना लेता है जैसे वे दो-तीन साल पुरानी हों।

   गोपी के मन को एकदम झटका-सा लगा। अपनी पुस्तकों और शिक्षा के प्रति ऐसा स्नेह? इतनी मेहनत? उसे अपने आप से ग्लानि-सी होने लगी।
8. (क) उतरना; (ख) दूर; (ग) वहाँ; (घ) उत्तर; (ङ) बेशर्म; (च) घटती
9.

जानवर	पक्षी	चीज़ें
हाथी	मोर	बोतल
भेड़	मैना	किताब
हिरन	कोयल	कलम
खरगोश	चील	टेबल
चीता	तोता	बाल्टी
गाय	कबूतर	चारपाई
शेर	बत्तख	जूता

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-7 दृष्टिहीनों की शिक्षा

1. (क) गरिमा ने चित्रिशा को पत्र लिखा है।

   (ख) यह पत्र गरिमा ने सी-5, जनकपुरी नई दिल्ली से लिखा है।

   (ग) लूई ब्रेल का जन्म पेरिस के निकट एक कस्बे में 4 जनवरी, 1809 को हुआ था। बाल्यावस्था में पिता की कार्यशाला के एक नुकीले औजार से आँख में चोट लग जाने के कारण उनकी दृष्टि सदा के लिए जाती रही।

   सन् 1819 में वह पेरिस के एक स्कूल में पढ़ने के लिए गया। यह ब्लाइंड स्कूल था। यहाँ पर पढ़ाई करते हुए उसने चमड़े की चप्पलें बनाने तथा कुर्सी बुनने का काम सीखा। शाम के समय लुई पियानो बजाता था। वहीं रहकर लुई ने 19 वर्ष की आयु में इस क्रांतिकारी लिपि का आविष्कार कर दिखाया।
2. (क) iv; (ख) ii; (ग) iii; (घ) iv
3. (क) चाहती; (ख) स्वयं; (ग) क्रांतिकारी; (घ) बाल्यावस्था
4. (क) गलत; (ख) सही; (ग) गलत; (घ) सही
5. (क) यह पत्र गरिमा ने चित्रिशा को नई दिल्ली से लिखा है।

   (ख) बाल्यावस्था में पिता की कार्यशाला के एक नुकीले औजार से आँख में चोट लग जाने के कारण उनकी दृष्टि सदा के लिए जाती रही।

   (ग) स्वयं कीजिए।

   (घ) लूई ब्रेल का जन्म पेरिस के निकट एक कस्बे में 4 जनवरी, 1809 को हुआ था। बाल्यावस्था में पिता की कार्यशाला के एक नुकीले औजार से आँख में चोट लग जाने के कारण उनकी दृष्टि सदा के लिए जाती रही।

   सन् 1819 में वह पेरिस के एक स्कूल में पढ़ने के लिए गया। यह ब्लाइंड स्कूल था। यहाँ पर पढ़ाई करते हुए उसने चमड़े की चप्पलें बनाने तथा कुर्सी बुनने का काम सीखा। शाम के समय लुई पियानो बजाता था। वहीं रहकर लुई ने 19 वर्ष की आयु में इस क्रांतिकारी लिपि का आविष्कार कर दिखाया।

   उसने 19 वर्ष की आयु में पढ़ाई पूरी कर ली।

   (ङ) ब्रेल लिपि के अक्षर छः बिंदुओं से बनते हैं।

   (च) दृष्टिहीनों की छड़ी का रंग सफेद होता है।
6. (क) बालक; (ख) अक्षरों; (ग) बिंदुओं; (घ) कस्बे; (ङ) छड़ियाँ; (च) किरणें
7. (क) आज तरुण को नए स्कूल में प्रवेश मिल गया है।

   (ख) डॉ० झटका नए-नए आविष्कार करते रहते हैं।

   (ग) राणाजी अपनी कार्यशाला में कार्यरत हैं।

   (घ) अनन्या के जीवन में फिर से प्रकाश आ गया।

   (ङ) शांताबाई घरों में काम करके अपनी जीविका चलाती है।
8. (क) हम पाठ पढ़ते थे।

   (ख) वह पत्र लिखता था।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 देहाती चूहा शहरी चूहा

1. (क) चूहा देहात में रहता था।
   (ख) चचेरा भाई शहर में रहता था।
   (ग) दोनो चूहे शहर में गए।
   (घ) देहाती चूहा घंटो बाद जब सभी लोग जा चुके थे तब बाहर आया।
2. (क) i; (ख) i; (ग) ii; (घ) i
3. (क) शहरी; (ख) समय; (ग) नम; (घ) मेज़; (ङ) देहाती
4. (क) शहरी चूहे ने देहाती चूहे से; (ख) देहाती चूहे ने शहरी चूहे से; (ग) मालिक ने किसी से
5. (क) देहाती चूहे ने शहरी चूहे को बुलाया।
   (ख) शहरी चूहे को देहाती जीवन अच्छा नहीं लगा।
   (ग) शहरी चूहा देहाती चूहे को शहर में ले गया।
   (घ) देहाती चूहे को शहरी जीवन अच्छा नहीं लगा।
   (ङ) देहाती चूहा देहात में चला गया।
6. (क) सही; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) सही; (ङ) गलत
7. (क) उसे भुट्टे, जौ, बीज के लिए काफी भाग-दौड़ करनी पड़ती थी। इन्हें वह अपने भंडार में सर्दियों के लिए दबाकर रखता था। सर्दियों में उसे अपना बिल पेड़ के नीचे खोदना पड़ता था और पत्तों से अपने आपको ढँकना पड़ता था।
   (ख) उसने सोचा कि उसके पास खाने को पर्याप्त है और मौसम भी अच्छा है। क्यों ना अपने चचेरे भाई, शहरी चूहे को बुलाकर कुछ समय के लिए अपने साथ रखा जाए। वह देहात में अपनी छुट्टियाँ अच्छी तरह से बिता सकेगा।
   (ग) नहीं, शहरी चूहे को देहाती जीवन अच्छा नहीं लगा क्योंकि उसे शहरी जीवन का आराम नहीं मिला।
   (घ) अभी दोनों चूहों ने कुछ ही टुकड़े खाए थे कि दरवाज़ा खुला और घर का मालिक अंदर घुस आया। दोनों चूहे नीचे कूद गए और डरकर मेज़ के नीचे छिप गए।
   देहाती चूहा काँप रहा था। उसने किसी को कहते सुना, ''इस मेज़ पर कौन था?''
   (ङ) देहाती चूहे ने कहा, ''मुझे डर लग रहा है और मैं वापस जा रहा हूँ। तुम्हारी आवभगत का धन्यवाद। मैं महसुस करता हूँ कि अपनी फसलें, जौ, बीज और सदियों की ठंडी हवाएँ तुम्हारे अच्छे खाने और आरामदायक घर से कहीं अच्छी हैं। आखिर मैं अपने देहात में शांति और आराम से सो तो सकता हूँ।''
8. (क) बुरा; (ख) दुखी; (ग) दिन; (घ) गाँव
9. (क) रवि, रजनी; (ख) नेत्र, नयन; (ग) निमंत्रित, आहूत
10. (क) देहात की जलवायु सेहत के लिए लाभदायक है।
    (ख) यहाँ रहने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है।
    (ग) आपका आना हमें बहुत ही अच्छा लगा।
    (घ) हमें अफसोस है कि आज हम आपको बुला नहीं पाए।
    (ङ) हम सब नानी के घर गए और वहाँ हमारी आवभगत हुई।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-9 किताबवाला

1. (क) लुईस कोलंबिया के जंगलों में था।
   (ख) लुईस का घर किताबों से भरा था।
   (ग) लुईस ने गधों का नाम एल्फा और बीटा रखा।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) iv; (घ) iv
3. (क) मुनासिब; (ख) डाकू; (ग) लुईस; (घ) मुखौटों
4. (क) सही; (ख) गलत; (ग) सही; (घ) गलत
5. लुईस → किताबों से प्यार
   एल्फा, बीटा → हट्टे-कट्टे गधे
   रास्ता → गाँव
   इलटोरमेंटो → सुनसान
6. (क) कोलंबिया के घने जंगलों में एक आदमी रहता था जिसे किताबों से बहुत प्यार था। उसका नाम था—लुईस।
   (ख) उसके दिमाग में एक आइडिया आया।
   ''क्यों न इन किताबों को पहाड़ियों के उस पार उन लोगों तक ले जाऊँ जिनके पास किताबें नहीं हैं? मैं एक गधे पर किताबें लादूँगा और दूसरे पर खुद सवार हो जाऊँगा।''
   (ग) किताबें देखकर डाकू का पारा चढ़ गया।
   (घ) बच्चों ने अपनी-अपनी पसंद की एक-एक किताब चुनी और लुईस से विदा लेते हुए चल दिए किताबों को अपने कलेजे से चिपकाए।
7. (क) किताब; (ख) लुईस; (ग) चाँदी; (घ) किताबों; (ङ) बच्चे
8.

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**
डाकू	पहाड़ी
सूरज	पत्नी
जंगल	मोमबत्ती
घर	किताब
	चाँदी
	तख्ती

9. (क) भास्कर, दिनकर, भानु; (ख) कानन, वन, विपिन; (ग) नरि, वारि, जल; (घ) निशा, रजनी, विभावरी
10. (क) उप + हार = उपहार; (ख) उप + देश = उपदेश; (ग) उप + वन = उपवन; (घ) उप + चार = उपचार; (ङ) उप + कार = उपकार; (च) उप + नाम = उपनाम

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-10 ये बात समझ में आई नहीं

1. (क) आपा हँसकर कहती हैं कि ए भाई नहीं, ए भाई नहीं।
   (ख) कविता में भैया की मँगनी के बारे में बताया गया है।
   (ग) कविता में आए रिश्तेदारों के नाम हैं- अम्मी, भैया, भाभी, नाना, नानी, दादा, दादी, बाजी (बहन) मामा, चाची, ताई आदि।
2. (क) iv; (ख) ii; (ग) i; (घ) i
3. क्यों लंबे बाल हैं **भालू के**
   क्यूँ **उसने कटिंग कराई** नहीं
   क्या वो भी **गंदा बच्चा है**
   या उसके **अब्बू-भाई** नहीं?
   ये उसका हेयर **स्टाइल** है
   या जंगल **में कोई नाई नहीं**
   ये बात समझ में आई नहीं।

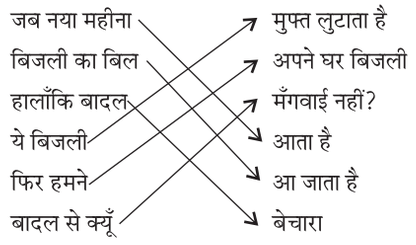

4. जब नया महीना — आता है
बिजली का बिल — आ जाता है
हालाँकि बादल — बेचारा
ये बिजली — मुफ्त लुटाता है
फिर हमने — मँगवाई नहीं?
बादल से क्यूँ — अपने घर बिजली

5. (क) कवि पूछता है कि नानी का पति नाना, दादी का पति दादा होता है तो क्या बाजी का पति बाजा होता है? यह सुनकर आपा हँस पड़ीं।
(ख) जंगल के घर दूध-मलाई नहीं है, शायद इसीलिए उसने अपनी खाला बिल्ली को घर से निकाल दिया। इसीलिए शेर को नालायक कहा है।
(ग) जंगल का राजा शेर है।
(घ) कवि ने भालू को गंदा बच्चा कहा है क्योंकि उसके शरीर पर लंबे-लंबे बाल होते हैं।
(ङ) घर में आने वाली बिजली का बिल प्रतिमाह देना पड़ता है, परंतु बादल बिना खर्च लिए हमें मुफ्त में बिजली देता है अर्थात् बादलों में बिजली चमकती है।
6. (क) भाई; (ख) भाला; (ग) छाता; (घ) सलाई; (ङ) तुमने; (च) कालू
7. (क) अब्बू; (ख) दादा; (ग) भाभी; (घ) शेरनी; (ङ) नाना; (च) बिल्ला; (छ) ताऊ; (ज) मामी
8. (क) दादा; (ख) नाना; (ग) दादी; (घ) नानी; (ङ) चाचा; (च) मामा; (छ) बुआ; (ज) मौसी; (झ) ताऊ
9. (क) चंचला, दामिनी; (ख) घन, मेघ; (ग) वनराज, केसरी; (घ) मह्येय, नरेश; (ङ) वन, कानन
10. (क) राजा सबसे मीठी मीठी बातें करता है।
(ख) रामचंद्र हलवाई की जलेबी तो बहुत ही बढ़िया होती है।
(ग) साबुन के महीने में ही राखी का त्यौहार आता है।
(घ) काले-काले बादल बहुत ही सुहाने लगते है।
(ङ) रवि का बेटा तो बहुत ही नालायक निकला।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 महाराणा प्रताप

1. (क) महाराणा प्रताप के पिता का नाम उदय सिंह तथा दादा का नाम राणा साँगा था।
(ख) महाराणा प्रताप का लंबा कद, चौड़ी छाती, बड़ी-बड़ी आँखें, भरा हुआ चेहरा, घनी मूँछें उनके व्यक्तित्व को बहुत आकर्षक बनाती थीं।
(ग) चूँकि उदयसिंह की छवि एक विलासी राजा की थी, इसलिए सबकी दृष्टि प्रताप पर थी।
2. (क) iii; (ख) i; (ग) iii; (घ) ii
3. (क) मातृभूमि, अग्रणीय; (ख) घुड़सवारी, शौक; (ग) निमंत्रण; (घ) अपमानित, अकबर; (ङ) सौनिकों, नौबत
4. (क) सही; (ख) गलत; (ग) गलत; (घ) सही; (ङ) सही
5. (क) मानसिंह ने महाराणा प्रताप से; (ख) महाराणा प्रताप ने मानसिंह से; (ग) मानसिंह ने महाराणा प्रताप से
6. (क) महाराणा प्रताप का जन्म 31 मई, 1539 को राजस्थान के उदयपुर जिले में हुआ था।
(ख) महाराणा प्रताप का लंबा कद, चौड़ी छाती, बड़ी-बड़ी आँखें, भरा हुआ चेहरा, घनी मूँछें उनके व्यक्तित्व को बहुत आकर्षक बनाती थीं। उनकी नस-नस में राणा साँगा की वीरता और दिल में देश-भक्ति की भावना कूट-कूटकर भरी हुई थी। वे युद्ध-कला में प्रवीण थे। तीर चलाना और घुड़सवारी करना उनके शौक थे।
(ग) महाराणा साँगा ने मुगल सम्राट बाबर से टक्कर ली थी और महाराणा प्रताप ने अकबर जैसे बलशाली बादशाह की अधीनता स्वीकार न करके उसकी नाक में दम कर रखा था। उनके पिता उदयसिंह के शासनकाल में शिवपुर, कोटा और चित्तौड़ जैसे दुर्गों पर अकबर का आधिपत्य था। राजपूतों को मेवाड़ का यह पतन असहनीय था।
(घ) उनकी धारणा थी कि राजपूतों का धर्म देश के लिए जीवन की आहुति देना है।
(ङ) 3 मार्च, 1572 को महाराणा प्रताप को मेवाड़ के सिंहासन पर बैठाया गया।
7. (क) माँगना; (ख) दौड़ना; (ग) खोजना; (घ) पढ़ना; (ङ) पूजना; (च) लड़ना
8. (क) हमारे वीर यौद्धा अपनी मातृभूमि के लिए लड़ते हुए शहीद हो गए।
(ख) नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व सबसे अच्छा है।
(ग) सम्राट अशोक बहुत ही महान शासक थे।
(घ) आज तो भरी बस में हमारी बहुत दर्दशा हुई।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 टिपटिपवा

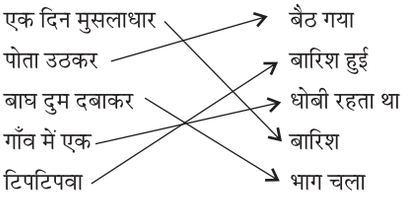

1. (क) वर्षा में छत से टपकते पानी को टिपटिपवा कहा गया है।
(ख) अपने खोए हुए गधे के बारे में पूछने के लिए धोबी पंडित जी के पास गया।
2. (क) iii; (ख) iii; (ग) ii
3. (क) कहानियाँ; (ख) झोंपड़ी; (ग) संयोग; (घ) अचानक, घबरा; (ङ) बचानी, चुपचाप; (च) कचूमर
4. एक दिन मुसलाधार — बारिश हुई
पोता उठकर — बैठ गया
बाघ दुम दबाकर — भाग चला
गाँव में एक — धोबी रहता था
टिपटिपवा — बारिश
5. स्वयं कीजिए।
6. (क) स्वयं कीजिए।
(ख) स्वयं कीजिए।
7. (क) पोता रोज़ रात में सोने से पहले दादी से कहानी सुनता। दादी रोज़ उसे तरह-तरह की कहानियाँ सुनाती।
(ख) बुढ़िया खीझकर बोली— अरे बचवा, का कहानी सुनाएँ? ई टिपटिपवा से जान बचे तब न!
(ग) संयोग से मुसीबत का मारा एक बाघ बारिश से बचने के लिए झोंपड़ी के पीछे बैठा था।
(घ) धोबी की पत्नी बोली— जाकर गाँव के पंडित जी से क्यों नहीं पूछते? वे बड़े ज्ञानी हैं। आगे-पीछे, सबके हाल की उन्हें खबर रहती है।
(ङ) पंडित जी घर में जमा बारिश का पानी उलीच-उलीचकर फेंक रहे थे।
(च) बाघ ने मन-ही-मन सोचा— लगता है यही टिपटिपवा है। आखिर इसने मुझे ढूँढ़ ही लिया। अब अपनी जान बचानी है तो यह जो कहे, चुपचाप करते जाओ।
(छ) सुबह जब गाँववालों ने धोबी के घर के बाहर खूँटे से एक बाघ को बँधे देखा तो उनकी आँखें खुली-की-खुली रह गईं।
8. (क) दिन; (ख) वास्तविक; (ग) शहर; (घ) अज्ञानी; (ङ) छोटा; (च) अंदर; (छ) आगे; (ज) पतला

9. बुढ़ीया बुढ़िया बुड़िया
झोंपड़ी झौंपड़ी झोंपकड़ि
बारीस बारिश बरिश

10. (क) दादा; (ख) पोती; (ग) बाघिन; (घ) धोबिन; (ङ) पंडिताइन; (च) बिलाव

11. (क) छोटे बच्चे अपनी दादी, नानी से कहानी सुनते हैं।
(ख) बारिश में भीगना बहुत ही अच्छा लगता है।
(ग) संयोग से हम दोनों एक ही दिन सर्कस देखने गए।
(घ) मुसीबत में सबका साथ देना चाहिए।
(ङ) जादूगर ने खरगोश को गायब कर दिया था।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-13 मीठी बोली, कड़वी बोली

1. (क) चिड़िया बहुत मीठा गाती थी।
(ख) चिड़िया का नाम गवैया गौरैया था।
(ग) गौरैया ने सफ़ेद अंडे दिए थे।

2. (क) i; (ख) iii; (ग) i; (घ) i

3. (क) गौरैया ने पेड़ से; (ख) गौरैया ने घास से; (ग) कौवे ने पेड़ से; (घ) घास ने कौवे से

4. गवैया — कौआ
सुंदर — तिनके
कड़वा — गौरैया
सूखे — घोंसला

5. (क) पेड़ गाना सुनकर खुश हो गया। गौरेया से पेड़ ने कहा, ''मेरी डालों के बीच में एक जगह है, गौरेया बहन वहाँ तुम घोसला बना हो।''
(ख) अब वह घास के पास गई और गाना सुनाने लगी—
''घास रानी, घास रानी
कुछ तिनका दे दो रानी,
घोंसले के लिए दे दो रानी,
एक विनती लेकर आई।''
(ग) चिड़िया ने चार अंडे दिए।
(घ) उसने एक दिन पेड़ से लड़ाई की। बोला—
''रे पेड़, रे पेड़,
तूने गौरेया को जगह दी,
मुझे भी जगह दे पेड़,
घोंसले की जगह दे पेड़।''
(ङ) कौआ सबसे कड़वा बोलता था। एक दिन उसने पेड़ से बहुत अकड़कर कड़वे स्वर में पेड़ से अपने घोंसले के लिए जगह माँगी, तो पेड़ ने उसे पिटाई करने की धमकी देकर भगा दिया।

6. (क) ग् + औ + र् + ऐ + य् + आ; (ख) घ् + ओ + अं + स् + अ + ल् + आ; (ग) त् + इ + न् + अ + क् + आ; (घ) व् + इ + न् + अ + त् + ई; (ङ) भ् + अ + द् + द् + आ

7. (क) तुमने तस्वीरों में बहुत ही भद्दा रंग भरा है।
(ख) कोयल मीठा बोलती है।
(ग) हमें किसी से भी कड़वा नहीं बोलना चाहिए।
(घ) प्रिया ने प्रधानाचार्य से विनती की कि वे जुर्माना माफ कर दें।

8. (क) चिड़ियाँ; (ख) घोंसना; (ग) कौवे; (घ) अंडा; (ङ) तिनका; (च) बच्चे

9. (क) खट्टा; (ख) दुख; (ग) दूर; (घ) गोरा; (ङ) सुंदर; (च) अच्छा

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 तिल का ताड़, राई का पहाड़

1. (क) जवान हट्टे-कट्टे, लंबे-चौड़े थे।
(ख) कबीले का आदमी पंसारी के पास गुड़ लेने के लिए गया था।
(ग) पंसारी ने गुड़ गीलें होने के तर्क में कहा–''बरसात का मौसम है ना! नमक और गुड़ तो गीले होंगे ही। माल में खामी हो तो कहना।''
(घ) गुड़ पर तिनके चिपके थे।
(ङ) पंसारी ने कुत्ते को जोर से एक बाट फेंककर मार दिया।

2. (क) iii; (ख) iv; (ग) ii; (घ) ii; (ङ) i

3. (क) पंसारी; (ख) मक्खियों; (ग) दुश्मनी; (घ) नुकसान; (ङ) आपा

4. (क) सही; (ख) सही; (ग) गलत; (घ) गलत

5. (क) ग्राहक से रहा न गया। उसने तिनका उठाया और अंगुली के झटके से सामने फेंक दिया।
(ख) इधर दीवार पर तिनके का चिपकना हुआ, उधर दो-तीन मक्खियाँ उसकी मिठास का मज़ा लेने लगीं। मक्खियाँ मिठास के आनंद में डूबी थीं कि एक छिपकली एक झपाटे में दोनों मक्खियो को निगल गई। तीसरी मक्खी उड़ गई। छिपकली दूसरी मक्खियों की ताक में दीवार पर अविचल बैठी थी। सहसा पंसारी की बिली अपनी समाधि तोड़कर उस पर झपटी। छिपकली मक्खियों समेंत उसके पेट में समा गई। बिल्ली को अपने शिकार के अलवा कुछ ध्यान न था। कुत्ते और बिल्ली की की दुश्मनी जाने कब से चली आ रही है। उस आदमी का कुत्ता इसी फिराक में था कि किसी तरह बिल्ली उसके हाथ लगे। उसने सीधे बिल्ली पर छलाँग मारी। पर यो पकड़ में आ जाए वह बिल्ली ही क्या! वह पलटकर बिजली की तेजी से दुकान में घुस गई। आगे बिल्ली और पीछे कुत्ता! उनकी इसी भाग-दौड़ में कई बासन लुढ़क गए। कई मटकियाँ फूट गईं। बतासे, मिसरी, चीनी, मिर्च-मसाले, दाले बिखर गईं। तेल फैल गया। बैठे-बैठाए पंसारी का नुकसान हो गया।
(ग) पंसारी ने अपना आपा भूलकर ज़ोर से एक बाट कुत्ते की ओर फेंका। निशाना तो उसका अचूक न था पर होनी कहें या संयोग कि वह सीधे कुत्ते के ललाट पर लगा। खून का फव्वारा छूट गया। अब उस आदमी को भी गुस्सा आया। खुद की चोट तो शायद वह बर्दाश्त कर लेता, लेकिन अपनी जान से भी प्यारे कुत्ते के चेहरे पर खून देखकर उसका खून खौल गया। उसने पंसारी को एक चाँटा जड़ दिया।
(घ) छोटी-सी बात का बड़ा बन जाना, जैसे- तिनके के कारण इतना बड़ा कौहराम मच गया।
(ङ) कई बासन लुढ़क गए। कई मटकियाँ फुट गईं। बतासे, मिसरी, चीनी, मिर्च-मसाले, दालें बिखर गईं। तेल फैल गया। बैठे-बैठाए पंसारी का नुकसान हो गया।
(च) पंसारी हाय तौबा मचाने लगा। पास के दुकानदारों ने उसका रोना-धोना सुना और अपनी-अपनी धोती सँभालते दौड़े चले आए।

6. (क) बिल्लियाँ; (ख) छिपकलियाँ; (ग) मक्खियाँ; (घ) मटकियाँ

7. आस्तीन का साँप — थकान मिटाना
कमर सीधी करना — चुगली करना
छक्के छुड़ाना — कपटी मित्र
पत्थर की लकीर — बुरी तरह हराना
कान भरना — पक्की बात

8. (क) लंबे-तगड़े; (ख) दो-तीन; (ग) सीधा-सादा; (घ) सैकड़ों लोगों

9. (क) सेवा; (ख) बुढ़ापा; (ग) चोरी; (घ) कारीगरी; (ङ) घरेलू; (च) मित्रता; (छ) मिठास; (ज) गरमी

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-15 रूठी बिन्नू

1. (क) कविता में बिन्नू रूठ गई।
   (ख) बिन्नू मेले में जाना चाहती है।
   (ग) मेला दस कोस दूर लगा था।
2. (क) i; (ख) i; (ग) iii; (घ) i
3. बिन्नू कहती ले **चला मेला**
   वहाँ **जलेबी** खाऊँगी।
   झूले में **झूला** झूलूँगी,
   बादल से मिल आऊँगी।
   मेला तो **दस कोस** दूर है
   साधन नहीं मुहैया जी।
4.

मत रूठो	जल्दी-जल्दी
तुमको खूब	हो जाऊँगा
सबर करो मैं	री प्यारी बहना
खूब बड़ा	घुमाऊँगा

5. (क) मेले में जाने की जिद करके बिन्नू रूठ गई।
   (ख) बिन्नू मेले में जाकर जलेबी खाना चाहती है, और झूला झूलना चाहती है।
   (ग) भैया कहता है कि उसकी जेब खाली है।
   (घ) भैया बिन्नू को चना-चिरौंजी, गुड़ की पट्टी आदि रोज खिलाने के लिए कहता हैं।
   (ङ) भैया जादू के घोड़े पर चिड़िया की तरह आसमान में उड़ना चाहता है।
6. (क) बहन; (ख) आलू; (ग) गाय; (घ) बतख
7.

बिन्नू	खाऊँगी	रूठी
झूला	झूलूँगी	पूँछ

8. (क) चने; (ख) जलेबियाँ; (ग) घोड़े; (घ) पट्टियाँ; (ङ) झूले
9. स्वयं कीजिए।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-16 चूहे की शादी

1. (क) चूहा संसार में सबसे शक्तिशाली की बेटी से शादी करना चाहता था।
   (ख) चूहा सर्वप्रथम सूरज के पास गया।
   (ग) चूहे की शादी एक चूहे की बेटी से हुई।
2. (क) iii; (ख) ii; (ग) ii; (घ) i
3. (क) हवा ने चूहे से; (ख) बादल ने चूहे से; (ग) चूहे ने बादल से; (घ) मीनार ने चूहे से
4. (क) सूरज सारे संसार को प्रकाश देता है अत: चूहे को ऐसा लगा कि संसार में सबसे बड़ा बलशाली सूरज है।
   (ख) जब बादल सूरज के सामने आ जाता है तो वह धूप को धरती पर नहीं भेज पाता है। उसकी सारी ताकत रखी रह जाती है।
   (ग) बादल बोला। मुझसे ज़्यादा बलशाली तो हवा है।
   उसका एक झोंका मुझे कही का कहीं फेंक सकता है।
   (घ) हवा बोली मुझसे बलशाली तो है वो मीनार!
   जिसका मैं कुछ नहीं बिगाड़ पाती चाहे। लाख सिर पटका लूँ।
   (ङ) कुछ देर चूप रही मीनार। फिर बोली- ''मैं नहीं हूँ लेकिन संसार में सबसे बलशाली। मुझसे भी बलशाली है एक।'' ''कौन-कौन?'' चूहे ने पूछा।
   ''वे छोटा-सा चूहा!'' मीनार ने कहा।
   ''छोटा-सा चूहा?''
   ''हाँ।'' मीनार ने कहा।
   ''देखो उसे मेरे पैरों के पास।
   कैसे कुतर रहा है मिट्टी।
   एक दिन यह सूराख बढ़ते-बढ़ते इतना बड़ा हो जाएगा कि भरभराकर गिर पड़ूँगी मैं।
   सचमुच मुझसे ज़्यादा बली है वो नन्हा चूहा।
   संसार में सबसे ज़्यादा बलशाली।''
5. (क) पुल्लिंग; (ख) पुल्लिंग; (ग) स्त्रीलिंग; (घ) स्त्रीलिंग; (ङ) स्त्रीलिंग; (च) स्त्रीलिंग; (छ) स्त्रीलिंग; (ज) पुल्लिंग
6.

सूरज	आत्मजा, सुता, पुत्री
बादल	वायु, समीर, पवन
हवा	जगत, दुनिया
संसार	दिवाकर, भास्कर, दिनकर
बेटी	मेघ, घन, पयोधर

7. (क) ब् + आ + द् + अ + ल् + अ; (ख) म् + ई + न् + आ + र् + अ; (ग) स् + ऊ + र् + अ + ज् + अ; (घ) श् + आ + न् + अ + द् + आ + र् + अ; (ङ) ब् + अ + ल् + अ + श् + आ + ल् + ई; (च) स् + उ + र् + आ + ख् + अ; (छ) स् + अं + स् + आ + र् + अ; (ज) प् + ऐ + र् + ओ + अं

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-17 नाटक में नाटक

1. (क) राकेश नहीं चाहता था कि बिना पूरी तैयारी नाटक हो।
   (ख) राकेश को रोहन, सोहन और श्याम के अभिनय पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं था, अत; वह स्वयं अभिनय नहीं कर रहा था।
   (ग) मोहन चित्रकार बना था।
2. (क) ii; (ख) iii; (ग) i; (घ) ii; (ङ) iii
3. (क) इज्जत; (ख) हिदायतें; (ग) लोट-पोट; (घ) परदा
4. (क) मोहन ने राकेश से; (ख) चित्रकार ने शायर से; (ग) राकेश ने चित्रकार से
5. (क) राकेश का मन तो कर रहा था कि बिना पूरी तैयारी के नाटक नहीं खेलना चाहिए और जब नाटक में अभिनय करने वाले कलाकार भी नए हों, मंच पर आकर डर जाते हों, घबरा जाते हों, और कुछ-कुछ बुद्धू भी हों, तब तो अधूरी तैयारी से खेलना ही नहीं चाहिए। उसके साथी मोहन, सोहन और श्याम ऐसे ही थे। राकेश को उनके अभिनय पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं था।
   (ख) फुटबॉल खेलते हुए वह अचानक गिर पड़ा था और उसके हाथ में चोट लग गई थी और हाथ को एक पट्टी में लपेटकर गर्दन के सहारे लटकाए रखना पड़ता था।
   (ग) नाटक बिगड़ गया, मगर यहाँ तो नाटक में ही नाटक था। उसकी रिहर्सल ही नाटक था। मानो इस नाटक में नाटक की तैयारी की कठिनाइयों और कमज़ोरियों को ही दिखाया गया था।
   (घ) राकेश बात काटकर बोला, ''अरे, तो मैंने कह नहीं दिया था कि रिहर्सल में भी यह मानकर चलो कि दर्शक सामने ही बैठे हैं। अगर गलती हो गई थी तो वहीं से दुबारा रिहर्सल शुरू कर देते। यह क्या कि लड़ने लगे। सब गड़बड़ करते हो।''
   (ङ) राकेश ने नाटक को नाम दिया 'बड़ा कलाकार'।
6. (क) राकेश, व्यक्तिवाचक; (ख) दर्शक, जातिवाचक; (ग) मूर्खता,

भाववाचक; (घ) चित्रकार, जातिवाचक; (ङ) गाजर-मूली, झाड़ू, व्यक्तिवाचक

7. (क) बेचारा बूढ़ा दर्द से तड़प रहा था और लोग दर्शक बने देख रहे थे।
   (ख) राघव को अपनी इज्जत की परवाह नहीं है।
   (ग) उसने जब प्रश्न को हल कर दिया तब सब उसे भौंचक्के हीकर देखते रहे।
   (घ) सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी नहीं करनी चाहिए।
8. (क) पुराने; (ख) जवाब; (ग) श्वेत; (घ) अविश्वास; (ङ) अनावश्-यक; (च) भारी
9. (क) मंच; (ख) अक्लमंदी; (ग) संभाल; (घ) संवाद; (ङ) शांत; (च) संगीतकार
10. ज़ जमीन जग जड़
    ज़ ज़ख्म ज़िल्लत हाज़मा
11. (क) मुँह की खाना बेइज्जती होना
    परम से बहस करके कर्ण को मुँह की खानी पड़ी।
    (ख) भौंचक्के होना आश्चर्यचकित होना
    शोर मचाते बच्चे प्रिंसिपल को देखकर भौंचक्के रह गए।

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-18 मज़ा और सज़ा

1. (क) रज्जू और मज्जू दो भाई थे।
   (ख) वे पैदल स्कूल जाते थे।
   (ग) रज्जू और मज्जू ने बाग की मेड़ पर झोले रख दिए थे।
2. (क) ii; (ख) iii; (ग) ii; (घ) ii
3. (क) जामुन; (ख) किताबें; (ग)जामुन; (घ) बंदरों; (ङ) होश
4. (क) गलत;(ख) सही; (ग) सही; (घ) गलत; (ङ) गलत
5. (क) रज्जू और मज्जू अपनी किताबें और कॉपियाँ पन्नियों में लपेटकर झोले में रखते थे।
   (ख) उन्होंने अपने झोले बाग की मेड़ पर रख दिए और ढोला-पत्थर मार-मारकर जामुन तोड़ने लगे। निशाना सही लग जाता, तो कई पके जामुन नीचे आ गिरते। रज्जू और मज्जू दौड़कर उन्हें उठाते और खा लेते। उन्हें बड़ा मज़ा आ रहा था। फल-के-फल और खेल-का-खेल।
   (ग) पन्नियों में लिपटी किताबों और कॉपियों को खाने की चीजें समझकर वे निकाल ले गए और पेड़ों पर चढ़ गए। वहाँ डालियों पर बैठकर उनहोंने पन्नियों को फाड़ा तो उनमें से खाने की चीज़ों की जगह किताबें-कॉपियाँ निकलीं। बंदर उनका क्या करते? उन्होंने सारी किताबें और कॉपियाँ फाड़ डाली।
   (घ) रज्जू और मज्जू ने देखा कि उनकी किताबों और कॉपियों के फटे हुए पन्ने पेड़ों की टहनियों पर पत्तों में अटके फड़फड़ा रहे हैं। यह देखकर दोनों के होश उड़ गए।
6. (क) अभी; (ख) पके; (ग) अचानक; (घ) वहाँ
7. (क) हँसना, कक्षा में पंखुड़ी का हँसना मुझे अच्छा नहीं लगा।
   (ख) लिखना, मैं तो कविता लिखना चाहता हूँ मगर समय ही नहीं मिलता।
   (ग) बैठना, दीपू का मेरी सीट पर बैठना सही नहीं है।
   (घ) जाना, आज मैं पिताजी के दफ्तर जाना चाहता हूँ।
8. (क) शहर; (ख) कच्चे; (ग) बदसूरत; (घ) गलत; (ङ) बदबू; (च) ऊपर
9. (क) इन फूलों की खुशबू ने मन मोह लिया।
   (ख) कॉकरोज को देखकर दिव्या के होश उड़ गए।
   (ग) आजकल मौसम कुछ खराब-सा है।
10. बॉबी टॉफी ऑर्डरटॉवर
11. रंग-बिरंगी → जामुन
    पके → किताबें
    दो → भाई
    सुहावना → मौसम

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-19 पतंगबाजी का प्रयोजन

1. (क) स्वयं कीजिए।
   (ख) स्वयं कीजिए।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii; (घ) iii
3. (क) विद्यार्थी, अध्ययन; (ख) सफलता; (ग) शास्त्रार्थ; (घ) आश्रम; (ङ) प्रश्न; (च) पतंगबाजी, प्रयोजन; (छ) आर्शीवाद, संक्रांति
4. बहुत समय → की बात है।
   उनके पढ़ाने का → तरीका भी अनोखा था।
   आज मकर → संक्रांति का त्योहार है।
   इसके पश्चात् दोनों → भी नहीं बोला।
   शिष्य कुछ → पेंच लड़ाने लगे।
   इस दिन पतंग → उड़ाना शुभ माना जाता है।
5. (क) महाराष्ट्र में किसी जगह एक गुरु का आश्रम था।
   (ख) दूर-दूर से विद्यार्थी उनके पास अध्ययन करने के लिए आते थे। इसके पीछे कारण यह था कि गुरु जी नियमित शिक्षा के साथ व्यावहारिक शिक्षा पर भी बहुत जोर देते थे। उनके पढ़ाने का तरीका भी अनोखा था।
   (ग) इस दिन पतंग उड़ाना शुभ माना जाता है।
   (घ) गुरुजी के दो अन्य शिष्यों ने चकरी पकड़ी हुई थी।
   (ङ) जब पतंगें एक निश्चित ऊँचाई तक पहुँच गईं तो गुरु जी शिष्य से बोले— क्या तुम बता सकते हो कि यह पतंगें आकाश में इतनी ऊँचाई तक कैसे पहुँचीं?
   (च) अचानक एक गोता देकर गुरु ने शिष्य की पतंग को काट दिया। कुछ देर हवा में झूलने के बाद पतंग जमीन पर आ गिरी।
   (छ) शिष्य को गुरु की सारी बात समझ में आ चुकी थी और पतंगबाजी का प्रयोजन भी। शास्त्रार्थ के इस अनोखे प्रयोग से अभिभूत वह अपने गुरु के कदमों में गिर पड़ा।
6. (क) मेरी अध्यापिका का पढ़ाने का तरीका बिल्कुल अनोखा है।
   (ख) जल्दी से लेख सुधारने का कोई तरीका बताओ।
   (ग) वह अध्यापक का सर्वश्रेष्ठ शिष्य है।
   (घ) श्रेष्ठ बालक की सभी प्रशंसा करते हैं।
   (ङ) मैदान में बच्चे सुबह से ही खेल रहे हैं।
7. (क) अधम; (ख) निराधार; (ग) अंत; (घ) शक्तिशाली; (ङ) अवनति; (च) बद्ध; (छ) आकाश; (ज) अशांत
8. (क) छात्र, शिक्षार्थी; (ख) निराला, अनूठा; (ग) तरक्की, उन्नति; (घ) धरणी, भूमि; (ङ) आशीष, दुआ

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।

पाठ-20 बादल बसर रे

1. (क) बादल उमड़-घुमड़ कर आए थे।
   (ख) चींटियों की फौज अंडे लेकर जा रही थी।
   (ग) स्वयं कीजिए।

2. (क) इस कविता में वर्षा की आशंका के कारण कपड़े-लत्ते समेटने की बात कही गई है।

(ख) सूरज की छुट्टी हुई और पेड़-पौधों की मौज आई।

(ग) झिलमिलाती बूँदें नदियों से मिलने चलीं।

(घ) पेड़-पौधे व बच्चे नाच-गाना कर रहे हैं।

3. कल ही **बोली** थीं **अम्मा**
लो, **चिड़ियाँ** धूल **नहारती**।
और फौज की **फौज चींटियाँ**
अंडे लेकर जातीं।
बरसेगा जब **मेह**
समेटो कपड़े **लत्ते रे**।
बादल बरसे रे ....।

4. (क) बादल, (ख) डंडे, (ग) खो गई

5. (क) दरवाजे पर कौन दस्तक दे रहा है।

(ख) हमारी फौज ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए।

(ग) बादल में अभी-अभी बिजली चमकी है।

(घ) दूर कहीं पपीहा बोल रहा है।

6.

बादल	मेघ, घन	**आँख**	नेत्र, नयन
नदी	सरिता, तटिनी	**सिंह**	शेर, बाघ
बिजली	धनप्रिया, चंचला	**कपड़े**	वस्त्र, पोशाक

7. (क) वाचाल; (ख) सत्यवादी; (ग) गूँगा

8. खरगोश ने बकरे से विनती की, "बकरे चाचा कुछ शिकारी कुत्ते मेरा पीछा कर रहे हैं। तुम मुझे अपनी पीठ पर बैठाकर कहीं दूर ले चलो तो मेरे प्राण बच जाएँगे, वरना वे मुझे मार डालेंगे।"

पाठ्येतर गतिविधि

स्वयं कीजिए।